RNI No.: MPHIN/2022/82783

हमारा देश हमारा अभिमान

|| हर हर महादेव ||

कुल पृष्ठ : 52, मूल्य 50 रूपए जुलाई 2025 वर्ष 04, अंक 7 , मासिक पत्रिका

ISO 9001:2015 CERTIFIED

पीएम मोदी को मिला ब्राजील का सर्वोच्च सम्मान, 'नेशनल ऑर्डर ऑफ सदर्न क्रॉस'

नरेंद्र मोदी बने दुनिया में सबसे अधिक सर्वोच्च नागरिक सम्मान पाने वाले प्रधानमंत्री

दिनांक 13.07.2023 **फ्रांस**

फ्रांस ने अपने सर्वोच्च नागरिक एवं सन्य सम्मान 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर' से सम्मानित

दिनांक 21.11.2024 **गयाना**

गयाना के राष्ट्रपति इरफान अली ने 'ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस' से सम्मानित

दिनांक 22.12.2024 **कुवैत**

कुवैत ने दिया अपना सर्वोच्च सम्मान 'द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर' से सम्मानित

दिनांक 09.07.2024 **रूस**

रूस के सबसे बड़े नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल' से सम्मानित

नरेंद्र मोदी बने दुनिया में सबसे अधिक सर्वोच्च नागरिक सम्मान पाने वाले प्रधानमंत्री, जानिए 26 देशों ने दिए कौन-से सम्मान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली है. वे भारत के पहले प्रधानमंत्री बन गए हैं, जिन्हें दुनिया के 26 से ज्यादा देशों ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा है. हाल ही में घाना और ब्राजील ने उन्हें अपने सबसे प्रतिष्ठित नागरिक अवॉर्ड देकर इस सूची में शामिल किया है. घाना सरकार ने मोदी को 'ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना' (Officer of the Order of the Star of Ghana) सम्मान से नवाजा. ये अवॉर्ड मोदी को उनकी वैश्विक नेतृत्व क्षमता और भारत-घाना संबंधों को मजबूत करने में अहम योगदान के लिए दिया गया. सम्मान ग्रहण करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने इसे घाना की जनता और भारत के युवाओं को समर्पित किया और कहा कि यह सम्मान भारत-घाना के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों का प्रतीक है.

इससे एक दिन पहले ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने मोदी को देश का सर्वोच्च सम्मान 'ग्रैंड कॉलर ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द साउदर्न क्रॉस (Grand Collar of the National Order of the Southern Cross) प्रदान किया. ये सम्मान उन्हें भारत-ब्राजील द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए दिया गया.

2016 से हर साल मिलता रहा सम्मान

अब तक 26 देशों ने पीएम मोदी को अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा है. इनमें एशिया, यूरोप, अफ्रीका, खाड़ी देश, ओशिनिया और अमेरिका के देश शामिल हैं. 2016 से लेकर अब तक मोदी को हर साल किसी न किसी देश से यह सम्मान मिलता रहा है. प्रधानमंत्री मोदी खुद को 'प्रधान सेवक' कहकर देश की 140 करोड़ जनता की आकांक्षाओं और विकास के सपनों को अंतरराष्ट्रीय मंचों तक ले जाते रहे हैं.

2016 से हर साल बढ़ता सम्मान

प्रधानमंत्री मोदी को 2016 से लेकर हर वर्ष किसी न किसी देश से अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुआ है। यह सिलसिला बिना रुके अब 2025 तक आ चुका है, और उम्मीद है कि आगे भी यह जारी रहेगा।इन सम्मानित वर्षों में एशिया, यूरोप, अमेरिका, अफ्रीका, खाड़ी देश और ओशिनिया के प्रतिनिधित्व वाले देश शामिल हैं, जो इस बात का प्रमाण हैं कि मोदी जी की नीति और कार्यशैली को विश्व भर में मान्यता मिली है।

मोदी का दृष्टिकोण – "प्रधान सेवक"

प्रधानमंत्री मोदी हमेशा खुद को जनता का प्रतिनिधि और "प्रधान सेवक" बताते हैं। वे कहते हैं कि यह सम्मान व्यक्तिगत नहीं, भारत की जनता और युवाओं का है। उन्होंने हमेशा कहा है कि यह उपलब्धियां उनके नहीं, बल्कि देश की 140 करोड़ जनता की शक्ति और सपनों की जीत है।

ग्लोबल आइकन बने PM मोदी!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 26 देशों से सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्राप्त करना केवल उनकी व्यक्तिगत काबिलियत का प्रतीक नहीं, बल्कि यह भारत की वैश्विक स्थिति, सम्मान और कूटनीतिक सशक्तता को दर्शाता है। एक ओर जहां भारत वैश्विक मंचों पर नई ऊंचाइयों को छू रहा है, वहीं दूसरी ओर मोदी जी का यह सम्मान देशवासियों के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत बन गया है।

किन देशों ने दिया सम्मान

पीएम को 2016 में सऊदी अरब, अफगानिस्तान, 2018 में फिलिस्तीन, 2019 में मालदीव, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, 2020 में अमेरिका, 2023 में फिजी, पलाउ, पापुआ न्यू गिनी, मिस्र, फ्रांस, ग्रीस, 2024 में भूटान, रूस, नाइजीरिया, डोमेनिका, गुयाना, बारबाडोस, कुवैत, 2025 में साइप्रस ने सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया है.

प्रधानमंत्री मोदी को इन देशों ने दिया सर्वोच्च सम्मान

देश	सम्मान का नाम
सऊदी अरब	ऑर्डर ऑफ किंग अब्दुलअजीज अल सऊद
संयुक्त अरब अमीरात	ऑर्डर ऑफ जायेद
रूस	ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू
ब्राजील	ग्रैंड कॉलर ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द साउदर्न क्रॉस
घाना	ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना
मालदीव	ऑर्डर ऑफ द डिस्टिंग्विश्ड रूल ऑफ निशान इज्जुद्दीन
बहरीन	किंग हमद ऑर्डर ऑफ द रिनेसां
अमेरिका	लीजन ऑफ मेरिट
साइप्रस	ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस थर्ड
मॉरिशस	ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार एंड की ऑफ द इंडियन ओशन
कुवैत	ऑर्डर मुबारक अल कबीर
गुयाना	ऑर्डर ऑफ द फ्रीडम
नाइजीरिया	ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द फेडरल रिपब्लिक
डोमिनिका	डोमिनिका अवार्ड ऑफ ऑनर
ग्रीस	ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ ऑनर
फिलिस्तीन	ग्रैंड कॉलर ऑफ द स्टेट ऑफ फिलिस्तीन
अफगानिस्तान	स्टेट ऑर्डर ऑफ गाजी अमीर अमानुल्लाह खान
मिस्र	ऑर्डर ऑफ द नाइल
नामीबिया	ऑर्डर ऑफ द मोस्ट एंशिएंट वेलविट्सकिया मिरेबिलिस
त्रिनिदाद व टोबैगो	ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ त्रिनिदाद एंड टोबैगो
पलाऊ	एबाकल अवॉर्ड
पापुआ न्यू गिनी	ऑर्डर ऑफ लोगोहू
फिजी	कंपैनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी
भूटान	ऑर्डर ऑफ द ड्रुक ग्यालपो
तिमोर-लेस्ते	ग्रैंड ऑर्डर ऑफ तिमोर-लेस्ते

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश हर क्षेत्र में आगे बढ़ा : सैंड आर्टिस्ट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में एनडीए सरकार ने 11 साल पूरे कर लिए हैं। तीसरे कार्यकाल का एक साल पूरा होने की खुशी प्रख्यात सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक ने भी जाहिर की। उन्होंने अपनी भावनाओं को कला के माध्यम से प्रदर्शित किया। उन्होंने पीएम मोदी के कार्यकाल को अद्भुत बताया और उनका आभार जताया। पटनायक ने आज सोमवार को सोशल मीडिया प्लेफॉर्म एक्स पर लिखा, "हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को 11 वर्ष पूरे करने पर बधाई। सर, आपने अपने नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति अटूट प्रतिबद्धता से इतिहास रच दिया है। विकसितभारत का आपका विजन हम सभी को प्रेरित करता रहता है। मैं इस मील के पत्थर को ओडिशा के पुरी समुद्र तट से अपनी रेत कलाकृति साझा कर रही हूँ।"सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक ने मीडिया से बातचीत में कहा, "देश प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बहुत आगे बढ़ा है। स्वच्छता अभियान से लेकर कलाकारों के लिए सम्मान तक, कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां पहले ध्यान नहीं दिया गया था।

हमारा देश
हमाराअभिमान

जुलाई 2025

सुविचार

अगर जिंदगी में कुछ पाना हो तो तरीके बदलो इरादे नहीं।

संपादकीय	04-05
राष्ट्रीय न्यूज	06-07
ग्वालियर	08-11
इंदौर	12-17
मध्य प्रदेश	18-23
उपराष्ट्रपति का इस्तिफा	24
फैशन	29
कैरियर	30
पर्यटन	31-32
ऑटोमोबाइल	33
सायबर अवेयनेस	34
बिजनेस आईडिया	35
रोजगार	36
कृषि जगत	37-38
खेल जगत	39
वास्तु	40
स्वास्थ्य	41-43
अंतराष्ट्रीय	44
वेल्थ मैनेजमेंट	45-46
बॉलिवुड	47
फैशन	48-49
रैसिपी	50

वरिष्ठ संरक्षक मंडल

- अनन्त श्री विभूषित श्रीमद जगद्गुरु श्री राम स्वरूपचार्य जी महाराज कामदगिरि पीठाधीश्वर चित्रकूट धाम
- श्री महामंडलेश्वर रामप्रिय दास
- श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर अनिरुद वन जी, श्री धूमेस्वर धाम
- श्री डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
- डॉ. श्रीमती शालिनी कौशिक
- श्री नागेंद्रनाथ सुरेंद्र नाथ चौबे

संरक्षक मंडल

- श्री लोकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ. दिनेश उपाध्याय
- श्री अरविंद जैन • केशव पांडे जी
- श्री प्रदीप कुमार शर्मा
- श्री शिवदयाल धाकड़
- श्री अरुण कांत शर्मा
- श्री महेश पुरोहित
- श्री विनोद भारद्वाज, अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट,
- श्री मनोज भारद्वाज
- श्री अनिल जैन • श्री निर्मल वासवानी
- श्री विद्याभूषण शर्मा
- श्रीमती अर्चना बाजपेयी
- एडवोकेट श्रीमती रिचा पांडेय (सुप्रीम कोर्ट)
- श्री के.एल.दलवानी
- श्री राकेश कुमार सगर
- श्री जयराज कुबेर
- श्री अभिनव पल्लव
- श्री बृजेश श्रीवास्तव
- श्री दीपक कुमार शुक्ला
- श्रीमति निवेदिता गुप्ता
- श्री विनोद कुमार बांगडे
- श्री विनायक शर्मा
- कमांडों कमल किशोर (पूर्व सांसद)
- श्री के. कान्याल • श्री मधु सुदन मिश्रा
- राजेश कुमार त्रिपाठी
- मुकुल गुप्ता जी

संपादक : मनोज चतुर्वेदी

पंकज दीक्षित
प्रमुख परामर्शदाता

कानूनी सलाहकार -एडवोकेट रिचा पांडे (सुप्रीमकोर्ट)
- एडवोकेट अनिल शुक्ला शासकीय अधिवक्ता, ग्वालियर हाईकोर्ट , रजत रघुवंशी, एडवोकेट इंदौर हाइकोर्ट
- एडवोकेट एस.के. पाठक, ग्वालियर
- दीपेंद्र कुमार पाण्डेय, एडवोकेट, उच्च न्यायालय

ब्यूरो : अविनाश जाजपुरा (उज्जैन संभाग)

छिंदवाड़ा ब्यूरो : जितेंद्र चौरे

मुम्बई ब्यूरो (महाराष्ट्र)
सचिंदर शर्मा (फ़िल्म डायरेक्टर)

सलाहकार

- श्री डॉ सुनील शर्मा (नेत्र रोग विशेषज्ञ)
- श्री डॉ. मुकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ.दिनेश प्रसाद (हड्डी रोग सर्जन)
- श्री अनिल दुबे
- श्री विकास चतुर्वेदी
- श्री सुरेश शर्मा
- श्री नारायण गुप्ता
- श्री पीयुष श्रीवास्तव
- श्री पंडित चंद्रशेखर शास्त्री
- श्री बृज मोहन आर्य
- श्री विवेक शर्मा
- श्री आनंद कुमार
- श्रीमती रितु मुदगल
- सुश्री पूजा मावई
- श्री संदीप कुमार पांडेय
- श्री मनोज सिंह
- श्री प्रदीप यादव
- श्री निरंजन शर्मा
- श्री विनीत गोयल
- श्री डॉ. सुधीर राजौरिया हड्डी रोग विशेषज्ञ
- श्री आशीष त्रिवेदी
- श्री डॉक्टर अशोक राजौरिया हेमाटोलिजिस्ट और बोन नेरो ट्रांसप्लांट एक्सपर्ट
- श्री शरद मंगल (गहना ज्वैलर्स)
- श्री विजय शर्मा
- श्री डॉ. कमल कटारिया
- श्री यशवंत गोयल
- दीपक भार्गव
- श्री अमित जैन इंदौर
- श्री सुरजित परमार
- श्री संजू जादौन
- श्री डॉक्टर हिमांशु डेंटिस्ट
- श्री रागिनी चतुर्वेदी
- प्रवेश चतुर्वेदी
- श्री प्रखर चतुर्वेदी
- श्री प्रवेश चतुर्वेदी
- श्री प्रखर सिंह
- श्री प्रदीप भदौरिया
- श्री डॉ दिव्य दर्शन शर्मा
- श्री कुंज मिहारी शर्मा
- श्री अतेन्द्र सिंह रावत
- श्री विजय महाजन

सह सलाहकार

- श्री विजय महाजन
- श्री महेंद्र सिंह राजपुरोहित (जोधपुर मिष्ठान भंडार),
- श्री आर एन नार्वे (सीनियर ऑडिटर),
- श्री विनीत त्रिपाठी जी. एम. लैंडमार्क एनएक्स,
- श्री अतेंद्र रावत
- श्री विनीत त्रिपाठी (जी.एम. लैंडमार्क एन एक्स) मंगला चतुर्वेदी, सोनीष वसिष्ठ,
- श्री महेंद्र सिंह राजपुरोहित (प्रो.जोधपुर मिष्ठान भंडार), रुचि चतुर्वेदी,कमल वर्मा अजय चतुर्वेदी,चंचल शर्मा, अनिल शर्मा

विशेष सह सलाहकार - श्री अतेंद्र सिंह रावत

ब्यूरो राजस्थान
सुभाष सोरल (फ़िल्म निर्माता) कोटा

ब्रजेश जैन साक्षात्कार व्यवस्थापक और विज्ञापन संवाददाता इंदौर

संवाददाता : संदीप पाटिल, इंदौर

मार्केटिंग प्रमुख : शैलेन्द्र जैन

मार्केटिंग मैनेजर
- सुनील • हरशूल

सह मार्केटिंग ब्यूरो ग्वालियर एवं सह संवाद दाता: सुनिता कुशवाह, अर्जना खन्ना, अजय चतुर्वेदी (आशु)

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक मनोज कुमार चतुर्वेदी द्वारा कंचन ऑफसेट डी-1/63, सेक्टर-4, विनय नगर ग्वालियर- फोन नं. 0751-2481433, (म. प्र.) से मुद्रित एवं शिव कॉलोनी गली नं. 4 , रेलवे स्टेशन के पीछे, तहसील डबरा, जिला ग्वालियर, (मध्यप्रदेश) प्रकाशित। संपादक-मनोज कुमार चतुर्वेदी । (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र ग्वालियर रहेगा।)

स्टाइलिश पार्टी लुक चाहिए? तो ये 3 लेटेस्ट डिजाइंस वाली साड़ियां करें स्टाइल

यदि आप से कोई रिश्वत मांगता हो या आपके के एरिये में कोई प्रशासनिक समस्या हो तो हमें इस नम्बर पर सम्पर्क करें। आप का नाम गुप्त रखा जाएगा और आप की बात उच्च अधिकारियों तक पहुंचाई जाएगी।
हमारा देश हमारा अभिमान सम्पादक
98266 36922

हमारा देश हमारा अभिमान
मासिक पत्रिका के लिए म.प्र. एवं राजस्थान में संवाददाता नियुक्त करना है। इच्छुक व्यक्ति निम्न नम्बर पर सम्पर्क - **हमारा देश हमारा अभिमान सम्पादक**
98266 36922

संपादक
मनोज चतुर्वेदी

सुझाव पर अमल हो, सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को बिहार में वोटर लिस्ट की समीक्षा के सुझाव देकर आम लोगों की मुश्किल हल करने की है कोशिश

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को बिहार में वोटर लिस्ट की समीक्षा के लिए आधार, राशन और वोटर कार्ड को भी मान्यता देने का सुझाव देकर आम लोगों की मुश्किल हल करने की कोशिश की है। इससे प्रक्रिया आसान होगी और आशंकाओं को कम करने में मदद मिलेगी। बेशक, फर्जी नाम मतदाता सूची में नहीं होने चाहिए लेकिन ऐसे अभियानों के दौरान आयोग का जोर ज्यादा से ज्यादा नाम वोटर लिस्ट से निकालने के बजाय, इस पर होना चाहिए कि एक भी नागरिक चुनावी प्रक्रिया में शामिल होने से वंचित न रह जाए।

कंफ्यूजन की स्थितिः

आधार और राशन कार्ड को मान्य दस्तावेजों की लिस्ट से बाहर रखने के कारण बड़ी आबादी के सामने संकट खड़ा हो गया है। हमारे सहयोगी TOI की रिपोर्ट के मुताबिक, केवल किशनगंज जिले में एक हफ्ते के भीतर निवास प्रमाण पत्र के लिए दो लाख से ज्यादा आवेदन आ चुके हैं। कई जगह घर-घर जाकर Enumeration Forms बांट रहे कर्मियों ने लोगों से कहा है कि वे आधारकार्ड की कॉपी ही जमा करा दें। इस तरह के कंफ्यूजन से बेहतर है, आयोग बीच का रास्ता निकाले।

टाइमिंग पर सवालः शीर्ष अदालत ने Revision यानी SIR पर रोक तो नहीं लगाई, लेकिन टाइमिंग को लेकर जो सवाल उठाया, वह बिल्कुल वाजिब है। बिहार में इसी साल के आखिर तक विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में इतनी विस्तृत कवायद के लिए शायद उतना वक्त न मिल पाए, जितना मिलना चाहिए। बिहार में SIR को लेकर जो असमंजस है, उसकी एक वजह टाइमिंग भी है। जिनके पास जरूरी डॉक्युमेंट नहीं हैं, वे इतनी जल्दी उनका इंतजाम नहीं कर पाएंगे। हालांकि आयोग ने भरोसा दिलाया है कि किसी को भी अपनी बात रखने का मौका दिए बिना मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जाएगा।

नागरिकता पर फैसला नहीं:

जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह मुद्दा लोकतंत्र की जड़ों से जुड़ा है और लोकतंत्र में सबसे अहम है लोक यानी जनता। लेकिन, चुनाव आयोग की मौजूदा प्रक्रिया में जनता को ही सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है। यह रिवीजन जुड़ा है वोटर लिस्ट से, लेकिन मेसेज जा रहा है कि इससे नागरिकता तय होगी। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी से राहत मिलेगी कि निर्वाचन आयोग का किसी व्यक्ति की नागरिकता से कोई लेना-देना नहीं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा टैरिफ की समयसीमा समाप्त होने के करीब है

डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
वरिष्ठ संरक्षक

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा टैरिफ की समयसीमा समाप्त होने के करीब है, जिससे व्यापार समझौतों पर अनिश्चितता बनी हुई है। कुछ ही देशों के साथ डील हो पाने और घरेलू-अंतर्राष्ट्रीय मोर्चों पर चुनौतियों के कारण ट्रंप की स्थिति कमजोर हुई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ को लेकर जो डेडलाइन दी थी, वह चंद घंटों में खत्म हो जाएगी। बात अब भी वहीं अटकी है। ट्रंप ने फिर से धमकाना शुरू कर दिया है और उनके अगले कदम को लेकर असमंजस बना हुआ है। केवल तीन डीलः अमेरिका के व्यापार घाटे को ट्रंप टैरिफ का डंडा दिखाकर खत्म करना चाहते हैं। इसकी शुरुआत उन्होंने रेसिप्रोकल टैरिफ से की और फिर खुद ही 90 दिनों की छूट दे दी। यह समयसीमा तय करते हुए ट्रंप ने दावा किया था कि अमेरिका के साथ ट्रेड डील करने वाले देशों की लाइन लग जाएगी। हालांकि ऐसा हुआ नहीं। ट्रंप बमुश्किल ब्रिटेन, चीन और वियतनाम के साथ डील कर पाए हैं। चीन के साथ हुई डील भी अकेले पेइचिंग की नहीं, वॉशिंगटन की भी मजबूरी थी। ट्रंप ने अब कहा है कि उनका प्रशासन दुनियाभर में चिट्ठी भेजकर बताएगा कि किस देश पर कितना टैरिफ लगाया जा रहा है। उनके मुताबिक यह टैक्स कुछ भी हो सकता है

- 10%, 20% या 60-70%, और यह बढ़ा टैरिफ एक अगस्त से लिया जाएगा। यानी ट्रंप ने फिर से अनिश्चितता का खेल शुरू कर दिया है। लेकिन, इस बार हालात अप्रैल से अलग हैं। अब शायद ट्रंप का टैरिफ दबाव काम न आए।

कई फ्रंट खुलेः 6 महीने से भी कम समय में ट्रंप की स्थिति बदल चुकी है। वह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय, दोनों ही मोर्चों पर पहले की तरह मजबूत नजर नहीं आते। अपने कार्यकाल की शुरुआत उन्होंने जिन अजेंडों के साथ की थी - प्रवासी संकट, इकॉनमी, व्यापार घाटा और युद्ध का खात्मा, सभी पर वह फंसे हुए हैं। प्रवासियों को लेकर कैलिफोर्निया में बवाल हो गया, जबकि उनका 'one big beautiful bill' उन्हीं की पार्टी के कई लोगों को पसंद नहीं आया।

बढ़ रहे विरोधीः

ट्रंप के ड्रीम प्रॉजेक्ट DOGE ने घर में उनकी लोकप्रियता पर असर डाला है, जबकि यूक्रेन युद्ध को लेकर उनके फैसलों और अभी तक शांति स्थापित नहीं करवा पाने के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साख को धक्का लगा है। ट्रंप ने एक साथ कई मोर्चे खोल लिए हैं और जो भी उनकी नीतियों से सहमति नहीं रख रहा, उसे विरोधियों की लिस्ट में डालते जा रहे हैं। यहां तक कि कभी उनके बेहद करीबी रहे इलॉन मस्क भी अब उनके खिलाफ हैं। मुश्किल स्थितिः ट्रंप की घोषणाओं के कारण गोते लगा चुका अमेरिकी शेयर बाजार बहुत मुश्किल से संभला है। ऊपर से पहली तिमाही की कम विकास दर, 2% के लक्ष्य से ज्यादा की महंगाई और डॉलर की गिरती कीमतों का दबाव है। ट्रंप अब शायद टैरिफ को हथियार बनाने की हालत में नहीं। ऐसे में भारत को अपनी शर्तों पर ही उनसे व्यापार डील करनी चाहिए।

चेहरे पर दिखी गर्व की मुस्कान...
स्पेस से लौटे शुभांशु शुक्ला

धरती पर लौटने के बाद अब शुभांशु शुक्ला और एक्स-4 टीम को 10 दिन तक आइसोलेशन में रहना होगा. उसके बाद ही उनका सामान्य जीवन शुरू होगा. एक्सिओम-4 मिशन में शामिल अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य लोग मंगलवार (15 जुलाई,2025) को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर 18 दिन के प्रवास के बाद 22.5 घंटे की यात्रा करके पृथ्वी पर लौट आए. सभी अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर आ रहा ड्रैगन यान कैलिफोर्निया के सैन डिएगो में उतरा. स्पेस से लौटे शुभांशु शुक्ला की पहली तस्वीरें सामने आई हैं.

'Bone on ISS' और रेडिएशन रिसर्च में अग्रणी भूमिका

शनिवार को अपने विश्राम दिवस के बाद, शुभांशु और उनकी टीम ने अंतरिक्ष में हड्डियों पर पड़ने वाले प्रभाव और रेडिएशन निगरानी जैसे प्रयोगों की कमान संभाली। 'Bone on ISS' नामक इस रिसर्च में डिजिटल ट्विन तैयार करने की कोशिश की जा रही है—एक वर्चुअल मॉडल, जो अंतरिक्ष में हड्डियों की प्रतिक्रियाओं को दिखाएगा। यह अध्ययन पृथ्वी पर ऑस्टियोपोरोसिस जैसी हड्डी से जुड़ी बीमारियों के इलाज में भी मददगार साबित हो सकता है।

स्पेस माइक्रो एल्गी से नई उम्मीद

शुभांशु ने 'स्पेस माइक्रो एल्गी' नामक प्रयोग में भी हिस्सा लिया, जिसके तहत अंतरिक्ष में सूक्ष्म शैवाल (microalgae) के नमूनों को तैनात किया गया। इसका उद्देश्य यह जानना है कि ये एल्गी किस तरह भविष्य की स्पेस कॉलोनियों में भोजन, ऑक्सीजन और ईंधन के रूप में मदद कर सकती हैं।

भारत को अंतरिक्ष में मिल रही नई पहचान

Axiom-4 मिशन में शुभांशु की भागीदारी और उनका योगदान भारत के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। उनकी उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को न सिर्फ प्रेरित करेगी बल्कि अंतरिक्ष में भारत की सशक्त उपस्थिति को भी दर्शाएगी।

स्पेस से लौटे शुभांशु शुक्ला की पहली तस्वीर

मिशन पायलट शुभांशु शुक्ला, मुस्कुराते हुए चेहरे के साथ, ड्रैगन अंतरिक्ष यान से बाहर निकले और 18 दिनों में पहली बार गुरुत्वाकर्षण का अनुभव किया. ड्रैगन यान से सभी चारों अंतरिक्ष यात्री बाहर आ गए हैं. सबसे पहले कमांडर पैगी व्हिटसन गन अंतरिक्ष यान से निकलीं और उसके बाद मिशन पायलट शुभांशु शुक्ला बाहर निकले.धरती पर लौटने के बाद अब शुभांशु शुक्ला और एक्स-4 टीम को 10 दिन तक आइसोलेशन में रहना होगा. उसके बाद ही उनका सामान्य जीवन शुरू होगा. इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर रविवार (13 जुलाई 2024 को) विदाई समारोह में शुभांशु शुक्ला ने कहा, ''जल्द ही धरती पर मुलाकात करते हैं.'' राकेश शर्मा के 1984 में अंतरिक्ष की यात्रा करने के बाद शुक्ला दूसरे भारतीय अंतरिक्ष यात्री हैं. एक्सिओम-4 मिशन के साथ भारत, पोलैंड और हंगरी ने चार दशकों से भी अधिक समय के बाद अंतरिक्ष में वापसी की है.

ग्वालियर के गौरव सिविल अस्पताल हजीरा को मध्यप्रदेश में मिला प्रथम स्थान

प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के सुप्रयासों का ही परिणाम है कि उप नगर ग्वालियर में स्थापित सिविल अस्पताल हजीरा ने सेवा, समर्पण और सतत प्रयासों की शानदार मिसाल बनते हुए एक नहीं, दो-दो गौरवशाली उपलब्धियाँ अपने नाम की हैं। इस अस्पताल ने भारत सरकार द्वारा विकसित कायाकल्प मापदण्ड अनुरुप उत्कृष्ट कार्य कर कायाकल्प फाइनल मूल्यांकन में 94.43 फीसदी अंक प्राप्त कर प्रदेश में प्रथम पुरुस्कार प्राप्त किया है। सिविल अस्पताल हजीरा द्वारा कायाकल्प मापदण्ड के अंतर्गत किये गये कार्यों से उच्च स्तर की गुणवत्ता पूर्ण संक्रमण रहित स्वास्थ्य सेवायें विकसित की हैं। इस अस्पताल में किये जा रहे उत्कृष्ट कार्य से आम जनमानस में भी स्वास्थ्य संस्था के प्रति विश्वास सुदृढ़ हुआ है। इस उपलब्धि के साथ ही सिविल अस्पताल हजीरा ने "बेस्ट ईको-फ्रेंडली चिकित्सालय पुरस्कार 2023-24" प्राप्त कर ग्वालियरवासियों को गर्व, प्रेरणा

और आत्मीय खुशी का अवसर प्रदान किया है। सिविल अस्पताल हजीरा को मिली इस सफलता पर ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि यह ग्वालियर के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव , केन्द्रीय दूरसंचार मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया , उपमुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल तथा वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन से यह उपलब्धि संभव हो सकी। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि सिविल अस्पताल, हजीरा की पूरी टीम ने दिन-रात मेहनत कर यह सिद्ध किया है कि जब सेवा में संवेदना हो और कार्य में ईमानदारी तो परिणाम सिर्फ सम्मान नहीं, इतिहास बनते हैं। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सिविल अस्पताल, हजीरा की पूरी टीम को हार्दिक बधाई एवं साधुवाद देते हुए कहा कि आपने न सिर्फ ग्वालियर को गौरवांवित किया, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की नई परिभाषा गढ़ी है। उल्लेखनीय है कि ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर की नियत का ही सुपरिणाम है कि हजीरा सिविल अस्पताल को मध्यप्रदेश में पहला सरकारी सिविल अस्पताल होने का गौरव हासिल हुआ है। ग्वालियर के वाशिंदों के लिए यह उपलब्धि गर्व से सीना चौड़ा करने वाली है। अधोसंरचना विकास हो या फिर चिकित्सकीय सुविधा उप नगर ग्वालियर में हजीरा सिविल अस्पताल ने मिसाल कायम की। यही वह वजह है कि मध्य प्रदेश में इस अस्पताल को नई पहचान मिली है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने लोगों से अपील की है कि वे ग्वालियर को स्वच्छता में नंबर एक की पायदान दिलाने के लिए आगे आएं। आमजन के सहयोग से ही यह संभव हो सकेगा।

जीतू पटवारी जी पर एफ आई एक साजिश ओर दबाने वाली सोच है

एंकर -सुरेश राजे सत्ता पक्ष की साजिश है कैसे भी विपक्षी पार्टी को बदनाम करने का षडयंत्र जो वह शुरू से करती आई है। जीतू के पहले तो मीडिया ,दैनिक पेपर उन सभी व्यक्तियों पर भी एफ आई आर होनी चाहिए थी ।जिन्होंने मुद्दा पहले उठाया था । जीतू पटवारी जी के पास तो पीड़ित बहुत बाद में गया । उनके मिलने पर वह पुलिस के पास गए। इसमें किस प्रकार का अपराध किया। जिसमें एफ आई आर दर्ज की गई ।पहले तो उन पुलिस वालों पर एफ आई आर होनी चाहिए जिन्होंने उस पीड़ित की आवाज नहीं सुनी । अपराध को दबाने का प्रयास किया ।इस तरह तो प्रत्येक मीडिया पेपर सभी पर एफ आई आर कर दी जाएगी।

वर्तमान में किसानों को खाद की समस्या पर पूछा सवाल पर कांग्रेस विधायक सुरेश राजे की स्पष्ट कहा कि सरकार सिर्फ किसानों को लूटने का कार्य कर रही है सरकार द्वारा ही जानबूझ कर खाद की आपूर्ति एवं व्यापारियों से साठगांठ कर अधिकारियों के ढुल मूल रवैए से हमारे अन्न दाता का शोषण हो रहा है। सरकार सिर्फ टैक्स वसूलने के अलावा कोई दूसरा काम नहीं है। एंकर सुना है कि आपने डबरा को जिला बनाने की मांग की है स्लोगन। सुरेश राजे है बहुत ही विश्वास से कहा कि आने वाले समय में हमें अवसर मिलेगा तो डबरा को जिला बनाने की प्राथमिकता रहेगी।

मनोज चतुर्वेदी की रिपोर्ट

पर्यावरण,वन एवं वायु परिवर्तन पर ध्यान देना जिम्मेदारी नहीं बल्कि धर्म और दायित्व है

यह संपादक मनोज चतुर्वेदी से विशेष चर्चा मै कहा उदयन कुलश्रेष्ठ केंद्रीय वाईस चेयरमेन। पर्यावरण,वन जल वायु परिवर्तन संवर्धन परिषद ईकाई (भारत)

पर्यावरण,वन एवं वायु परिवर्तन पर ध्यान देना सभी का धर्म और कर्तव्य है यह बात उदयन कुलश्रेष्ठ केंद्रीय वाईस चेयरमेन। पर्यावरण,वन जल वायु परिवर्तन संवर्धन परिषद ईकाई (भारत) विशेष संवाद दाता मनोज चतुर्वेदी की दिल्ली में विशेष कार्यक्रम में मुलाकात के दौरान चर्चा में *पर्यावरण,वन एवं वायु परिवर्तन पर ध्यान देना सभी का धर्म और कर्तव्य है यह कहा पर्यावरण,वन जल वायु परिवर्तन संवर्धन परिषद ईकाई (भारत) के केंद्रीय वाईस चेयरमेन उदयन कुलश्रेष्ठ जी ने विशेष संवाद दाता मनोज चतुर्वेदी से दिल्ली ऑफिस मै विशेष चर्चा हुई। कहा कि पर्यावरण,वन, जलवायु परिवर्तन पर सभी लोगों को ध्यान देने की जरूरत है । इसी क्रम में हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी पर्यावरण,वायु,एवं जल वायु परिवर्तन पर जागरूकता अभियान ,के अंतर्गत अनेक कार्यक्रम का क्रियान्वयन करा रहे है। इसी क्रम में मां के नाम एक वृक्ष लगाने का भी अभियान के कार्यक्रम की शुरुआत स्वयं ने पौधा लगाकर शुरू किया। हमारा परिषद केंद्र की योजनाओं को जन जन तक जागरूकता एवं कार्यान्वित करने का प्रयास करता है। एवं स्वयं सेवी संस्था एवं पर्यावरण मित्र एवं प्रदेश स्तर के साथ साथ जिला एवं ब्लॉक स्तर तक इकाई के सदस्य बनाकर जन जन को भागीदार बनाने एवं पर्यावरण में सुधार के प्रयास हेतु अभियान चलाए जाने हेतु कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी के अनु क्रम में यह दिल्ली के पर्यावरण,वन जल वायु परिवर्तन संवर्धन परिषद ईकाई (भारत) के कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें प्रदेश के कई जिलों के सदस्य एवं विभिन्न क्षेत्रों के सामाजिक कार्यों में योगदान दे रहे कार्यकर्ता उपस्थित रहे साथ ही यह भी बताया कि 350 रु शुल्क लेके सदस्य बना रहे है जिसमें सदस्यों के घर जाकर पांच पौधे पहुंचाएंगे । इसमें पांच तुलसी के होंगे।

स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत जानने प्रभारी मंत्री पहुँचे हजार बिस्तर अस्पताल , मरीजों से हुए रूबरू

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 50 वर्ष पूर्व 1975 में देश में आपातकाल लागू किए जाने का घटनाक्रम याद करते हुए इसे लोकतंत्र का काला अध्याय और लोकतंत्र पर धब्बा बताते हुए कहा कि जिन लोगों ने इसे लगाया वे ही पूरी दुनिया में इस कलंक के लिए जिम्मेदार हैं। ये लोग कभी इससे बाहर नहीं आ सकते और इस कलंक से मुक्त नहीं हो सकते। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 25 जून को इंदौर और 26 जून को भोपाल में लोकतंत्र सेनानियों की उपस्थिति में संविधान हत्या दिवस कार्यक्रमों में भागीदारी करेंगे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर अपने संदेश में कहा कि लोकतंत्र सेनानियों ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ी। उस दौर में निरपराध लोगों को जेलों में बंद कर दिया गया है। अनेक लोगों ने आपातकाल की पूरी अवधि में जेल में गुजारी। आपातकाल में लोगों पर बेइंतहा अत्याचार किए गए। कई प्रतिबंध भी लगाए गए। हमारे लोकतंत्र सेनानियों ने अनेक कष्ट सहे, लेकिन लोकतंत्र सेनानी लोकतंत्र की रक्षा के लिए अडिग रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकतंत्र में आपातकाल के 50 वर्ष बाद यह एक सबक की तरह है। दोबारा कोई भी इस तरह के आपातकाल को लाने की हिमाकत न करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोकतंत्र सेनानियों और प्रदेशवासियों को बधाई दी है, जिनके कारण आज भारत सबसे बड़ा लोकतंत्र है और दुनिया के बड़े गणतंत्र के रूप में स्थापित हुआ है। विभिन्न स्थानों पर काले दिवस के आयोजन की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आपातकाल के भुक्तभोगी सदैव इसे याद रखेंगे साथ ही यह भी कामना है कि ऐसा खराब दिन कभी न आए।

सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर में उपनिरीक्षक (सीधी भर्ती) क्रमांक 70 की भव्य दीक्षांत परेड का हुआ आयोजन

डबरा संवाद दाता कमल वर्मा / अजय चतुर्वेदी, कीरिपोर्ट

सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर में आज उपनिरीक्षक (सीधी भर्ती) क्रमांक- 70 की भव्य दीक्षांत परेड का आयोजन किया गया। डॉ शमशेर सिंह भा.पु.से., अपर महानिदेशक / निदेशक, सीमा सुरक्षा बल अकादमी ने मुख्य अतिथि के तौर पर परेड की सलामी ली। इस परेड में कुल 52 प्रशिक्षु अधीनस्थ अधिकारियों ने मुख्य अतिथि डॉ शमशेर सिंह के समक्ष देश के संविधान के प्रति एकता, अखण्डता व सम्प्रभुता को बनाये रखने के लिये अपने आपको समर्पित करने की शपथ ली। वही पर बता दे की मानसिक सजगता, शारीरिक योग्यता तथा बुद्धि की तीक्ष्णता के आधार पर कर्मचारी चयन आयोग द्वारा खुली स्पर्धा के माध्यम से चुने गए इन युवा अधीनस्थ अधिकारियों में 01 स्नातकोत्तर, 49 स्नातक तथा 02 विशेष तकनीकी (BSF Water Wing) की शैक्षणिक योग्यता रखते हैं जिनमें 02 महिला प्रशिक्षु भी शामिल है। पास आऊट होने वाले अधीनस्थ अधिकारी देश के डीअलग-अलग राज्यों से संबंध रखते हैं। इन्होंने ब्रजेश कुमार, महानिरीक्षक / संयुक्त निदेशक, उमेद सिंह, महानिरीक्षक एवं कमाण्डर सी ओ टी. जसबीर सिंह, उप महानिरीक्षक, वरिष्ठ अनुदेशक की प्रशिक्षण टीम के कुशल मार्गदर्शन में इन प्रशिक्षु अधीनस्थ अधिकारियों ने कठिन प्रशिक्षण प्राप्त करके अपने आपको देश की सीमाओं की देखभाल के लिए सक्षम बनाया है। इन प्रशिक्षु अधीनस्थ अधिकारियों को 50 सप्ताह के कठिन प्रशिक्षण के दौरान सीमा सुरक्षा बल अकादमी की कुशल प्रशिक्षण टीम ने शारीरिक प्रशिक्षण, ड्रिल, युद्ध कौशल, निशानेबाजी, बिना हथियार लड़ने की कला, विधि व कानून, मानवाधिकार अधिनियम, पुलिस की रोजमर्रा की कार्यवाही, आपदा प्रबंधन, मैप रीडिंग, सीमा की निगरानी, आतंकवाद व उग्रवादियों से लड़ने जैसे विषयों के साथ वाहन चलाना, कम्प्यूटर प्रशिक्षण, तैराकी, घुड़सवारी और एडवेन्चर ट्रेनिंग का भी गहन प्रशिक्षण दिया गया है। ट्रेनिंग के दौरान इनके व्यक्तित्व को संवारने, चरित्र निर्माण तथा नेतृत्व क्षमता को विकसित करने पर विशेष कार्यक्रम चलाये गये हैं। ट्रेनिंग के दौरान उपनिरीक्षक (सीधी भर्ती) प्रशिक्षुओं को देश के विभिन्न सीमान्तों की सीमाओं का दौरा (बार्डर टूर) भी करवाया गया है।

सिविल अस्पताल डबरा में आशा भर्ती अनियमितता एवं अपात्र आशा भुगतान में की जांच में नहीं हुई कार्यवाही वरिष्ठ अधिकारी लगे बचाने में!

अंततः तीन माह बाद हटाए गए प्रभारी बीसीएम प्रदीप हेमंत

मासिक पत्रिका हमारा देश हमारा अभिमान के संवाददाता मनोज चतुर्वेदी द्वारा किया था खुलासा की ग्वालियर स्वास्थ्य विभाग के सिविल अस्पताल डबरा में वर्ष 2019-20 में आशा भर्ती में प्रभारी बीसीएम द्वारा अनियमितता का मुद्दा उठाया गया था। जिसमें संवादाता द्वारा आशा भर्ती एवं भुगतान में अनियमितता संबंधित आर टी आई के माध्यम से जानकारी चाही गई थी जो उपलब्ध नहीं कराई गई।एवं कुछ दी गई वह भी आधी अधूरी जानकारी दी गई। जिसके उपरांत जांच हेतु वरिष्ठ अधिकारीयो को दी। थी जिसमें प्रभारी बीसीएम प्रदीप हेमंत द्वारा नियम विरुद्ध आशा भर्ती अनियमितता की शिकायत पर श्रीमान मुख्य कार्यपालन अधिकारी ग्वालियर द्वारा संज्ञान लिया। एवं शिकायत में जांच के आदेश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला ग्वालियर को दिए। एवं आशा भर्ती संबंधित रिकॉर्ड भी उपलब्ध नहीं होने की जानकारी आ रही है।

जिसके चलते प्रभारी बीसीएम प्रदीप हेमंत को हटाए जाकर मूल पद पर कार्य करने के आदेश दिए गए थे। आदेश न0 एक छाया प्रति संलग्न है। उसके उपरांत भी वरिष्ठ अधिकारियों की मिली भगत से आदेश निरस्त कराया एवं मूल पद का कर्मचारी उपरांत भी प्रभार नहीं बदला गया। निरंतर वरिष्ठ जिला अधिकारी बदलते रहे। लेकिन सिविल अस्पताल डबरा प्रभारी बीसीएम अंगद के पांव की तरह बीसीएम के प्रभार में अपने कार्य को न करते हुए प्रभारी बी सी एम का कार्य निरंतर कर रहे है। प्रदीप हेमंत को पूर्व में भी हटाने के लिए आदेश न 0 2 वरिष्ठ कार्यालय के द्वारा जारी किए गए थे। लेकिन प्रदीप हेमंत mpw द्वारा प्रभार न देते हुए प्रभार हटाने का आदेश निरस्त करा कर लिए। वर्तमान में भी पुनः प्रभारी बीसीएम का कार्य कर रहे है। अब देखना है कि इस बार भी

हमारा देश
हमारा अभिमान
ग्वालियर, 28 मार्च 2025 |14

सीईओ जिला पंचायत कार्यालय ग्वालियर के निर्देशन के बाद भी नहीं हुई प्रभारी बीसीएम पर कार्यवाही

सिविल अस्पताल डबरा में तत्कालीन बी सी एम प्रदीप हेमंत द्वारा 2017 से 2020 तक तक आशा भर्ती में भ्रष्टाचार एवं नियम विरुद्ध आशाओं की भर्ती करने की शिकायत में श्रीमान कलेक्टर महोदय द्वारा जांच हेतु कहा गया था। जिसमें पत्रिका संवादाता मनोज चतुर्वेदी द्वारा आशा भर्ती में अनियमितता की जांच होने संबंधित जानकारी श्रीमान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी महोदय ने भी पुष्टि की थी जिसको हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका में प्रमुखता से प्रकाशित किया था। जिसमें कहीं न कहीं जिला कॉमनियॉटी मोबाइलाइजर भी संदेह के घेरे में होने की बात कही। लेकिन अब एक माह उपरांत भी तात्कालिक बी सी एम सिविल अस्पताल डबरा में अपने मूल कार्य न करते हुए प्रभारी बी सी एम का कार्य डीसीएम की छत्रछाया एवं मार्गदर्शन में ही संपादित कर रहा है। इससे यह स्पष्ट होता है कि आशा भर्ती में अनियमितता एवं भुगतान संबंधित अनियमितता में डीसीएम की संलिप्तता को दर्शाता है। एवं सूचना के अधिकार के तहत चाही गई जानकारी भी उपलब्ध नहीं कराई गई है। विभागीय वरिष्ठअधिकारी भी जांच प्रक्रिया को अवरुद्ध कर डीसीएम एवं बीसीएम को बचाने में सहयोग कर रहे हैं। हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका संवादाता के माध्यम से श्रीमान कलेक्टर महोदय एवं राज्य स्तर के स्वास्थ्य आयुक्त अधिकारी महोदय स्वयं संज्ञान में लेकर आशा भर्ती अनियमितता एवं भुगतान अनियमितताओं संबंधित जांच दोनों डीसीएम बीसीएम प्रभारियों को हटाकर जांच कराई जाने का कष्ट करेतो एक बहुत बड़ा घोटाला उजागर हो सकता है। जबकि आज दिनांक तक अपात्र आशाओं जिनकी भर्ती प्रक्रिया में अनियमितता हुई है उनको भी लगातार भुगतान किया जा रहा है। जिससे शासन की वित्तीय हानि पहुंचाई जा रही है। अपात्र आशाओं को किए गए भुगतान की वसूली भी डीसीएम एवं बीसीएम के वेतन से कराई जाने की कार्यवाही प्रस्तावित कराई जावे। न्याय तो होकर रहेगा।

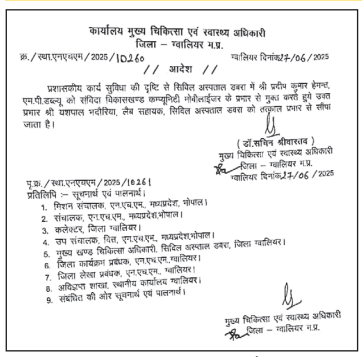

मासिक पत्रिका हमारा देश हमारा अभिमान के माह मार्च 2025 के अंक में प्रमुखता से छापा था। बीसीएम पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला ग्वालियर ने संपादक मनोज चतुर्वेदी से कही थी जांच कर कार्यवाही की बात।

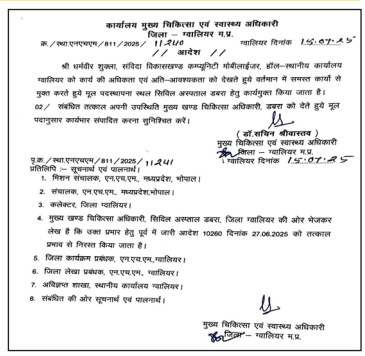

मासिक पत्रिका हमारा देश हमारा अभिमान के संपादक कार्यवाही न होने तक निडर एवं निर्भीकता के साथ सच्चाई की आवाज उठते रहेंगे। और नए खुलासे करते रहेंगे

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला – ग्वालियर म.प्र.
क्र./स्था.एनएचएम/2025/10260 ग्वालियर दिनांक27/06/2025
// आदेश //
प्रशासकीय कार्य सुविधा की दृष्टि से सिविल अस्पताल डबरा में श्री प्रदीप कुमार हेमन्त, एम.पी.डब्ल्यू. को संविदा विकासखण्ड कम्यूनिटी मोबीलाईजर के प्रभार से मुक्त करते हुये उक्त प्रभार श्री यशपाल भदौरिया, लैब सहायक, सिविल अस्पताल डबरा को तत्काल प्रभार से सौंपा जाता है।
(डॉ.सचिन श्रीवास्तव)
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला – ग्वालियर म.प्र.
पृ.क्र./स्था.एनएचएम/2025/10261 ग्वालियर दिनांक27/06/2025
प्रतिलिपि :– सूचनार्थ एवं पालनार्थ।
1. मिशन संचालक, एन.एच.एम., मध्यप्रदेश, भोपाल।
2. संचालक, एन.एच.एम., मध्यप्रदेश,भोपाल।
3. कलेक्टर, जिला ग्वालियर।
4. उप संचालक, वित्त, एन.एच.एम., मध्यप्रदेश,भोपाल।
5. मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी, सिविल अस्पताल डबरा, जिला ग्वालियर।
6. जिला कार्यक्रम प्रबंधक, एन.एच.एम.,ग्वालियर।
7. जिला लेखा प्रबंधक, एन.एच.एम., ग्वालियर।
8. अविज्ञप्त शाखा, स्थानीय कार्यालय ग्वालियर।
9. संबंधित की ओर सूचनार्थ एवं पालनार्थ।
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला – ग्वालियर म.प्र.

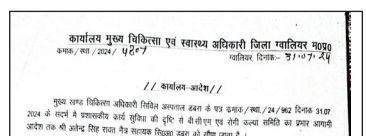

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला – ग्वालियर म.प्र.
क्र./स्था.एनएचएम/811/2025/11240 ग्वालियर दिनांक 15.07.25
// आदेश //
श्री धर्मवीर शुक्ला, संविदा विकासखण्ड कम्यूनिटी मोबीलाईजर, हॉल–स्थानीय कार्यालय ग्वालियर को कार्य की अधिकता एवं अति–आवश्यकता को देखते हुये वर्तमान में समस्त कार्यो से मुक्त करते हुये मूल पदस्थापना स्थल सिविल अस्पताल डबरा हेतु कार्यमुक्त किया जाता है।
02/ संबंधित तत्काल अपनी उपस्थिति मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी, डबरा को देते हुये मूल पदानुसार कार्यभार संपादित करना सुनिश्चित करें।
(डॉ.सचिन श्रीवास्तव)
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला – ग्वालियर म.प्र.
पृ.क्र./स्था.एनएचएम/811/2025/11241 ग्वालियर दिनांक 15.07.25
प्रतिलिपि :– सूचनार्थ एवं पालनार्थ।
1. मिशन संचालक, एन.एच.एम., मध्यप्रदेश, भोपाल।
2. संचालक, एन.एच.एम., मध्यप्रदेश,भोपाल।
3. कलेक्टर, जिला ग्वालियर।
4. मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी, सिविल अस्प्ताल डबरा, जिला ग्वालियर की ओर भेजकर लेख है कि उक्त प्रभार हेतु पूर्व में जारी आदेश 10260 दिनांक 27.06.2025 को तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाता है।
5. जिला कार्यक्रम प्रबंधक, एन.एच.एम.,ग्वालियर।
6. जिला लेखा प्रबंधक, एन.एच.एम., ग्वालियर।
7. अविज्ञप्त शाखा, स्थानीय कार्यालय ग्वालियर।
8. संबंधित की ओर सूचनार्थ एवं पालनार्थ।
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला – ग्वालियर म.प्र.

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला ग्वालियर म0प्र0
कमांक/स्था/2024/ 4807 ग्वालियर, दिनांक:– 31.07.24
// कार्यालय-आदेश //
मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी सिविल अस्पताल डबरा के पत्र कमांक/स्था./24/962 दिनांक 31.07.2024 के संदर्भ मे प्रशासकीय कार्य सुविधा की दृष्टि से बी.सी.एम एवं रोगी कल्या समिति का प्रभार आगामी आदेश तक श्री अतेन्द्र सिंह रावत नैत्र सहायक सि0अ0 डबरा को सौंपा जाता है।
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला–ग्वालियर
कमांक/स्था./2024/ ग्वालियर, दिनांक
प्रतिलिपिः– सूचनार्थ आवश्यक कार्यवाही हेतु।
01. मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी सि0अ0 डबरा जिला ग्वालियर म0प्र0।
02. श्री अतेन्द्र सिंह रावत नैत्र सहायक द्वारा मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी सि0अ0 डबरा जिला ग्वालियर म0प्र0।

वरिष्ठ अधिकरी प्रभार हटा पाते हैं या नहीं। या होगा पुनः आदेश निरस्त होगा। आखिर ऐसा क्या है कि जिला प्रशासन अपर कलेक्टर के आदेश के बाद भी जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला ग्वालियर प्रभारी बीसीएम को केवल मूल पद के कर्मचारी के होते हुए भी प्रभारी पद से हटा नहीं पा रहे है। आशा भर्ती अनियमितता की जांच में होने के उपरान्त भी अपनी मनमानी एवं हठधर्मिता के चलते अपात्र आशाओं को भी प्रभारी बीसीएम द्वारा लगातार भुगतान किया जा रहा है। अब देखना है। कि भ्रष्टाचार पर कार्यवाही होती हैं।या कानून की आंखों पर पट्टी ही बधी रहेगी। और मौन स्वीकृति मिलती रहेगी।

क्या आशा भर्ती में अनियमितता एवं अपात्र आशाओं के भुगतान पर होगी कार्यवाही वरिष्ठ कार्यालय के नाम न बताने की शर्त पर आशा भर्ती अनियमितता की जांच को भोपाल भेजने की बात भी सामने आ रही हैं। लेकिन कहीं न कहीं देखने में आ रहा है। प्रभारी बीसीएम की कार्य प्रणाली से लगता। की जांच में सिर्फ खाना पूर्ति की जा रही है। क्यों कि तीन माह बाद भी जांच में कोई कार्यवाही प्रस्तावित नहीं हुई है। प्रभार हटाने के आदेश के बाद भी वित्तीय कार्य लगातार किया जा रहा है। इस अनियमितता के लिए जिम्मेदार कौन। क्या होगी कार्यवाही या भ्रष्टाचार की एक और फाइल भोपाल के नाम पर दबके रह जाएगी।

क्या सिविल अस्पताल डबरा से प्रदीप हेमंत को प्रभारी बीसीएम पद से हटा पाएंगे।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला ग्वालियर एवं मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी सिविल अस्पताल डबरा मूल पद एम पी डब्ल्यू उप स्वास्थ्य केंद्र सिमरियातल का कार्य करा पाएंगे। कार्य पिछले कई वर्षों से मूल पद का कार्य किए बिना ले रहे हैं हजारों रुपए का वेतन। क्या होगी जांच की जावेगी कार्यवाही। कार्य नहीं है तो मध्य प्रदेश के आदेश के अनुरूप बिना कार्य करने वाले कर्मचारियों को 20 वर्ष सर्विस या 50 वर्ष उम्र में अनिवार्य सेवा निवृत्ति क्यों नहीं। यह भी एक जांच का विषय है।

ग्वालियर में सड़क दुर्घटना में घायल दो कांवड़ियों के स्वास्थ्य की जानकारी लेने प्रदेश के जल संसाधन मंत्री एवं ग्वालियर जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट अस्पताल मै लिया जानकारी। उन्होंने डॉक्टरों को इनका बेहतर से बेहतर इलाज करने के निर्देश दिए। इस मौके पर कलेक्टर रुचिका चौहान एवं अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।इसके उपरांत प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट ने घाटीगाँव के सिमिरियाटांकर के समीप स्थित बंजारों का पुरा पहुंच कर मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

जिले में हैंडपंपों के क्लोरीनेशन का कार्य जारी

ग्वालियर जिले में बरसात के दौरान हैंडपंपों एवं जल संरचनाओं के क्लोरीनेशन का कार्य कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा किया जा रहा है। ग्वालियर जिले में पीएचई अमले द्वारा 2 हजार से अधिक हैंडपंपों के क्लोरीनेशन का काम पूर्ण कर लिया गया है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए गए थे कि बरसात के दौरान आम जनों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो, इसके लिये हैंडपंपों के साथ-साथ जल संरचनाओं में क्लोरीनेशन का कार्य किया जाए। विभाग के माध्यम से सम्पूर्ण जिले में हैंडपंपों में

क्लोरीनेशन का काम किया जा रहा है। अब तक 2 हजार से अधिक हैंडपंपों में क्लोरीनेशन का काम पूर्ण कर लिया गया है। आगामी 10 दिनों में जिले में स्थापित सभी हैंडपंपों में क्लोरीनेशन का कार्य पूरा किया जायेगा।

क्राईम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में ग्वालियर जिले का अवैध फायर आर्म्स तस्कर आरोपी गिरफ्तार

आरोपी के कब्जे से 4 पिस्टल मय मैगजीन जब्त, आरोपी अवैध फायर आर्म्स बड़वानी से लाकर ग्वालियर शहर में सप्लाई करने का था इरादा

- **अपराध क्रमांक-** 133/2025 धारा- 25(1)
- घटना दिनांक - 16– 07–2025
- **घटना स्थल-** मरी माता मंदिर रीजनल पार्क इंदौर
- **आरोपी का नाम** : *(1). राहुल जोशी उम्र 25 साल निवासी हजीरा ग्वालियर
- **जब्त माल का विवरण :** 04 पिस्टल मय मैगजीन

आरोपी के कब्जे से 4 पिस्टल मय मैगजीन जब्त। आरोपी अवैध फायर आर्म्स बड़वानी से लाकर ग्वालियर शहर में सप्लाई करने का था इरादा।

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में अवैध फायर आर्म्स तस्करों के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा दिए गए थे , इसी अनुक्रम में क्राईम ब्रांच के द्वारा मुखबिर सूचना पर दिनांक - 16–07–2025 को मरी माता मंदिर रीजनल पार्क इंदौर से आरोपी (1). राहुल जोशी उम्र 25 साल निवासी हजीरा ग्वालियर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 04 पिस्टल मय मैगजीन को जब्त कर थाना अपराध शाखा जिला इंदौर में अपराध क्रमांक- 133/2025 धारा- 25(1)A आर्म्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही की जा रही है

क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में अवैध मादक पदार्थ डोडाचुरा के साथ 2 आरोपी गिरफ्तार

- आरोपी के कब्जे से लगभग करीब 10.53 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ "डोडाचुरा" (अंतराष्ट्रीय कीमत करीब 25 हज़ार रुपए) जप्त ।
- आरोपीगण ने पूछताछ में सस्ते दामों पर डोडाचुरा खरीदकर, इंदौर शहर में नशे के आदि लोगों को अधिक दामों पर बेचने का कार्य करना कबूला।

इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय–विक्रय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार आसूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है । क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा संदिग्ध की चेकिंग करते विमल श्री आनंद विहार गेट नवदा पंथ धार रोड इंदौर के पास में 2 व्यक्ति संदिग्ध दिखे जो शासकीय वाहन को देख घबराने लगे, जिन्हे घेराबंदी कर रोका, जिससे पूछताछ पर आरोपी के द्वारा अपना नाम (1). नाम -वासुदेव बैरागी उम्र 19 साल निवासी पिपलोद रतलाम(2).अनिल मीणा उम्र 20 साल निवासी पिपलोद रतलाम इंदौर का होना बताया। आरोपी ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया जल्द रुपये कमाने की नियत से अवैध मादक पदार्थ सस्ते में खरीदीकर महंगे दामों पर नशे के आदि लोगों बिक्री करने का कार्य करना कबूला है।आरोपी के कब्जे से 10.53 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ "डोडाचूरा " जप्त कर, आरोपी के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 130/25 धारा 8/15 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं ।

अपराध क्रमांक- 130/2025 धारा- 8/15 **घटना स्थल-** विमल श्री आनंद विहार गेट नावदा पंथ धार रोड इंदौर **आरोपी का नाम** : *(1). नाम -वासुदेव बैरागी उम्र 19 साल निवासी जावरा रतलाम 11वीं तक पढ़ा है (2).अनिल मीणा उम्र 20 साल निवासी जावरा रतलाम 8वीं तक पढ़ाई की , मजदूरी करता है **जब्त माल का विवरण** : - 10.53 किलो ग्राम "डोडाचुरा "

क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ 1 आरोपी गिरफ्तार

- **आरोपी के कब्जे से लगभग करीब 10.504 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ "गाँजा" (अंतराष्ट्रीय कीमत करीब 2 लाख 10 हज़ार रुपए) जप्त ।**
- **आरोपीगण ने पूछताछ में सस्ते दामों पर डोडाचुरा खरीदकर, इंदौर शहर में नशे के आदि लोगों को अधिक दामों पर बेचने का कार्य करना कबूला।**
- **आरोपी ने सस्ते दामो पर गांजा सस्ते दामो पर खरीदकर महंगे दामो पर बेचकर जल्द रुपये कमाने कि नियत से इंदौर आया था बेचने**

इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय–विक्रय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार आसूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है । क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा संदिग्ध की चेकिंग करते सार्वजनिक इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन के पास रीजनल पार्क इंदौर के पास में 01 व्यक्ति संदिग्ध दिखा जो शासकीय वाहन को देख घबराने लगे, जिन्हे घेराबंदी कर रोका, जिससे पूछताछ पर आरोपी के द्वारा अपना नाम (1). सोहन डावर उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम शैल महेश्वर खरगोन का होना बताया। आरोपी ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया जल्द रुपये कमाने की नियत से अवैध मादक पदार्थ सस्ते में खरीदीकर महंगे दामों पर नशे के आदि लोगों बिक्री करने का कार्य करना कबूला है।आरोपी के कब्जे से 10.504 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ "गाँजा" एवं 01 मोबाइल जप्त कर, आरोपी के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 132/25 धारा 8/20 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं ।

बुजुर्गों की सेवा, सम्मान और सुरक्षा हमारी संस्कृति का हिस्सा- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुजुर्गों को दी बड़ी सौगात- 18 करोड़ रुपये से नव निर्मित सर्वसुविधायुक्त स्नेहधाम का किया लोकार्पण "स्नेहधाम" जैसे प्रकल्प बुजुर्गों के लिए होंगे वरदान साबित मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर को 565 करोड़ रुपये से अधिक के लागत के विकास कार्यों की दी सौगातें

इन्दौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में "स्नेहधाम" भवन के लोकार्पण अवसर पर कहा कि यह प्रकल्प केवल सामाजिक सुरक्षा नहीं बल्कि सुरक्षित आवास सुविधा भी सुनिश्चित करता है। यह अपने आप में एक बड़ा और संवेदनशील कदम है, जो वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान और उत्तरदायित्व की भावना को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों की सेवा, सम्मान और सुरक्षा हमारी संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा, सम्मानजनक जीवन और सुरक्षित आवास सुविधा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इंदौर में 18 करोड़ रुपये की लागत से "स्नेह धाम" भवन इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा बनाया गया है। प्रदेश में अपने तरह की इस पहली अभिनव पहल का लोकार्पण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज किया। स्नेहधाम भवन में बुजुर्गों के लिए भोजन, चिकित्सा, मनोरंजन, स्वाध्याय, ध्यान और परामर्श जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे वे सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत कर सकें। यहां बुजुर्गों की सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोकार्पण अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में इंदौर को 565 करोड़ रुपये से अधिक के लागत के विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने इस मौके पर लगभग 90 करोड़ रुपये लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण किया और 476 करोड़ रुपये से अधिक लागत के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, विधायक श्री मधु वर्मा, श्री मनोज पटेलतथाश्री गोलू शुक्ला, अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम के अध्यक्ष श्री सावन सोनकर, इंदौर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष और संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, कलेक्टर श्री आशीष सिंह, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर.पी. अहिरवार, श्री श्रवण चावड़ा भी विशेष रूप से मौजूद थे। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समय के साथ सामाजिक ढांचा बदला है – कई बुजुर्ग दंपत्ति आज अकेले हैं, किसी के बच्चे विदेश में हैं तो कोई नौकरी के कारण दूर शहरों में रहते हैं। ऐसे में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरक्षित, आत्मसम्मानजनक और सुसज्जित आवास की आवश्यकता को स्नेहधाम जैसी पहलें पूरी करेंगी। मुख्यमंत्रीजी ने कहा कि इंदौर सिर्फ स्वच्छता में ही नहीं, बल्कि सामाजिक नवाचारों और जनकल्याण की दिशा में भी लगातार अग्रणी भूमिका निभा रहा है और आगे भी निभाता रहेगा। सर्वसुविधायुक्त स्नेह धाम- प्रदेश में अपने तरह की पहली अभिनव पहल वरिष्ठ नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा, सम्मान और सुरक्षित आवास सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से इंदौर विकास प्राधिकरण ने एक अभिनव पहल की है। योजना क्रमांक 134 के अंतर्गत लगभग 20 हजार वर्गफीट के भूखंड पर "स्नेहधाम" सीनियर सिटीजन कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया गया है। यह भवन प्रदेश में अपने तरह का पहला है, जिसमें वरिष्ठ नागरिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा के साथ-साथ सर्वसुविधायुक्त निःशुल्क आवास की व्यवस्था की गई है। इस 6 मंजिला भवन में कुल 32 फ्लैट बनाए गए हैं। जिसमें 2 BHK के 22 फ्लैट तथा 1 BHK के 10 फ्लैट शामिल हैं। लगभग 18 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस भवन में वरिष्ठ नागरिकों के अनुकूल सभी आधुनिक सुविधाएं दी गई हैं। परिसर में 24x7 सुरक्षा के लिए सीसीटीवी और डीजी सेट से बैकअप की भी व्यवस्था की गई है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए दो लिफ्ट भी रहेगी। प्रत्येक फ्लेट में 24x7 पानी, बिजली, गीजर, स्टडी टेबल, सोफा, टी.वी., फ्रिज, माइक्रोवेव, आदि सुविधाएँ हैं। कॉल करने पर चाय, नाश्ता, भोजन की रूम सर्विस भी रहेगी। साथ ही प्रथम तल पर मॉड्यूलर किचन, स्टाफ, डाइनिंग हॉल आदि हैं। प्रातः चाय से लेकर रात्रि भोजन तक की सभी व्यवस्थाएँ की गई है। भोजन का मीनू भी सर्वसम्मति से तय होगा। परिसर में वॉक करने के साथ-साथ इनडोर गेम्स जैसे बिलियर्ड्स, कैरम, चैस आदि की सुविधा उपलब्ध है। योग, प्राणायाम हेतु भी पृथक से प्रशिक्षक रहेंगे। स्वास्थ्य सुविधा की दृष्टि से नियमित चेकअप के लिए नर्सिंग स्टाफ 24x7 रहेगा। विस्तृत जांच व उपचार हेतु निकटतम अस्पताल से अनुबंध किया गया है ताकि तत्काल उपचार प्राप्त हो सके। संपूर्ण परिसर में 64 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। आवश्यकतानुसार और लगाए जायेंगे । बाहर परिसर में 24x7 सुरक्षा गार्ड लगाये गये हैं। प्रत्येक फ्लोर पर एक-एक अटेंडेंट भी रहेंगे। संचालन हेतु निविदा के माध्यम से होटल बालाजी सेंट्रल फर्म का चयन किया गया है। फर्म द्वारा अपनी टीम कार्य हेतु नियुक्त कर दी गई है। इसमें बुकिंग प्रारंभ हो गई है। इस प्रकार इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा निर्मित यह भवन वरिष्ठ नागरिकों को बेहतर आवास सुविधा प्रदान करने के साथ सुरक्षित वातावरण प्रदान करेगा जहाँ वे अपने जैसे ही नागरिकों के साथ प्रसन्नता पूर्वक रह सकेंगे। इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा निर्मित यह "स्नेहधाम" भवन न केवल प्रदेश का पहला है, बल्कि अपने तरह की एक प्रेरणादायी और मानवीय पहल भी है, जो वरिष्ठ नागरिकों को उनके जीवन के उत्तरार्ध में सम्मान, सुविधा और सुरक्षा प्रदान करेगा।

आपांतकाल के विरुद्ध लड़ाई देश के लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई थी - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संविधान हत्या दिवस' के अवसर पर संगोष्ठी संपन्न

देश में आपातकाल लागू होने की 50 वीं वर्षगांठ को बुधवार को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में 'आपातकाल विभीषिका' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्य अतिथि के रुप में संबोधित करते हुए कहा कि आपातकाल के विरुद्ध लड़ाई, देश के लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई थी। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान न्यायालयों के फैसलों को पलट दिया गया। आपातकाल देश के लोकतंत्र पर काले धब्बे के समान था। उन्होंने कहा कि आज से 50 वर्ष पूर्व 25 जून 1975 को जिन लोगों ने देश में आपात काल लागू किया था, वे ही इस कलंक के लिए जिम्मेदार हैं और वे कभी भी इस कलंक से मुक्त नहीं हो सकते हैं। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद श्री सुधांशु त्रिवेदी, प्रदेश के नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, पूर्व मंत्री श्री अजय विश्नोई और विधायक श्री महेंद्र हार्डिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे। इससे पूर्व संगोष्ठी का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कहा कि लोकतंत्र सेनानियों ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ी। उस दौर में हजारों निरपराध लोगों को जेलों में बंद कर दिया गया है। आपातकाल में लोगों पर बेइंतहा अत्याचार किए गए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संबोधन में लोकतंत्र की रक्षा के लिए दिवंगत लोकतंत्र सेनानियों के योगदान का स्मरण भी किया।राज्यसभा सांसद श्री सुधांशु त्रिवेदी ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि आपातकाल के विरुद्ध लड़ाई देश की आजादी की दूसरी लड़ाई थी। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान किसी की भी संपत्ति जप्त की जा सकती थी। आपातकाल के दौरान लोकसभा का कार्यकाल बढ़ाकर 6 वर्ष कर दिया गया था तथा संसद की बैठक के लिए कोरम की व्यवस्था समाप्त कर दी गई थी। राज्यसभा सांसद श्री त्रिवेदी ने इस अवसर पर कहा कि आपातकाल में विधायिका, कार्यपालिका और न्याय पालिका के साथ साथ मीडिया पर भी नियंत्रण किया गया था। उन्होंने कहा देश में वास्तविक लोकतंत्र आपातकाल की समाप्ति के बाद ही लागू हुआ है। राज्यसभा सांसद श्री त्रिवेदी ने कहा कि देश में वैचारिक स्वतंत्रता पाने की लड़ाई आज भी जारी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में हमें 'आत्म गौरव' का आभास होने लगा है। श्री त्रिवेदी ने कहा कि लोकतंत्र हमारे देश में 1947 से नहीं बल्कि हजारों वर्ष पूर्व से लागू रहा है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र तो है ही, साथ ही 'लोकतंत्र की जननी' भी है। प्रदेश के पूर्व मंत्री श्री अजय विश्नोई ने इस अवसर पर आपातकाल में अपनी जेल यात्रा के अनुभव सुनाए। उन्होंने बताया कि 25 जून की रात में ही देश में सभी विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार कर जेल भी दिया गया था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के कार्यकाल में मध्यप्रदेश लोकसेवा आयोग ने की 3,756 पदों पर भर्ती

5 हजार 317 पदों के लिए 61 भर्ती प्रक्रिया जारी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कार्यकाल में अब तक मध्यप्रदेश लोकसेवा आयोग ने 3 हजार 756 पदों पर भर्ती की है। आयोग के अध्यक्ष डॉ. राजेश लाल मेहरा ने बताया कि दिसम्बर 2023 से अब तक जारी 75 विज्ञापनों में शामिल 4 हजार 492 पदों के लिये 3 हजार 756 उम्मीदवारों की नियुक्ति के लिए संबंधित विभागों को अनुशंसा पत्र भेजे गये हैं। आयोग ने 81 भर्ती विज्ञापन जारी किए हैं। इनके माध्यम से आगामी महीनों में 5 हजार 562 पद भरे जाएंगे। वर्तमान में 5 हजार 317 पदों के लिए 61 भर्ती प्रक्रियाएं जारी हैं। आयोग जारी किये गए वार्षिक परीक्षा कैलेंडर का पालन करते हुए भर्ती प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। उपर्युक्त सभी परिणाम मध्यप्रदेश शासन एवं उच्च न्यायालय के कुल विज्ञापित पदों में से 87% पदों के परिणाम घोषित करने के निर्देशों के अनुपालन में घोषित किए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि एक संस्था के रूप में मध्यप्रदेश लोकसेवा आयोग ने प्रतिष्ठित सरकारी भूमिकाओं के लिए सबसे उपयुक्त और प्रतिभाशाली युवाओं की पहचान कर उनका चयन किया और राज्य की सेवा के प्रति अपने समर्पण को लगातार प्रदर्शित किया है। आयोग ने ऐसा करके राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सार्थक योगदान दिया है। इस तरह आयोग ने एक सक्षम और कुशल राज्य प्रशासन की आधारशिला के रूप में अपनी भूमिका को पुष्ट किया है। आयोग के सचिव श्री प्रबल सिपाहा ने बताया कि आयोग द्वारा उक्त अवधि में 3 राज्य सेवा परीक्षा - 2019, 2021, 2022 के लिए 1,109 पदों और 3 राज्य वन सेवा परीक्षा के लिए 200 पदों के लिए अंतिम चयन परिणाम घोषित किए गए। संबंधित विभागों को संस्तुतियां शीघ्र भेजी गईं, जिससे चयनित अभ्यर्थियों को विभिन्न विभागों में शीघ्र कार्यभार ग्रहण कराने में सुविधा हुई।

उपर्युक्त अवधि में राज्य सेवा परीक्षा के माध्यम से सामान्य प्रशासन एवं गृह विभाग को क्रमशः 72 डिप्टी कलेक्टर एवं 51 उप पुलिस अधीक्षक के पदों के लिए संस्तुतियां भेजी गईं। इसके अतिरिक्त इस परीक्षा के माध्यम से सहायक संचालक स्कूल शिक्षा विभाग के 132 पदों तथा मप्र वित्त सेवा के 22 पदों के लिए भी स्कूल शिक्षा एवं वित्त विभाग को संस्तुतियां की गईं। राज्य वन सेवा परीक्षा के अंतर्गत सहायक वन संरक्षक के 19 तथा वन क्षेत्रपाल एवं परियोजना क्षेत्र अधिकारी के 181 पदों के लिए वन विभाग को अनुशंसा पत्र भेजे गए। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में रेडियोलॉजी विशेषज्ञ के 7 पदों के लिए अनुशंसा भेजी गई। आयुष विभाग के लिए 17 विषयों में आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी के 543 तथा आयुष व्याख्याता के 71 पदों के लिए विभाग को अनुशंसा की गई। उच्च शिक्षा विभाग को सहायक प्राध्यापक परीक्षा 2022 के अंतर्गत 25 विषयों के 727 पदों के लिए अनुशंसा की मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग भारतीय संविधान के अनुच्छेद 315 के तहत स्थापित एक संवैधानिक निकाय है। इसकी प्राथमिक जिम्मेदारी मध्यप्रदेश राज्य की विभिन्न सार्वजनिक सेवाओं में उम्मीदवारों की भर्ती के लिए एक स्वतंत्र, निष्पक्ष, न्यायसंगत और पारदर्शी चयन प्रक्रिया सुनिश्चित करना है। आयोग द्वारा चयनित और अनुशंसित उम्मीदवारों को मध्यप्रदेश सरकार के लगभग 48 सरकारी विभागों द्वारा एक अनिवार्य और कठोर प्रक्रिया के बाद नियुक्त किया जाता है। अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों को छोड़कर, मध्यप्रदेश सरकार के 55 जिलों और विभिन्न विभागों में सेवारत सभी राजपत्रित अधिकारियों का चयन किसी न किसी समय मध्यप्रदेश लोकसेवा आयोग के माध्यम से हुआ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया देश के पहले पुलिस कमिश्नरेट में स्थित सामुदायिक मध्यस्थता केन्द्र का लोकार्पण

प्राचीन सोच को नूतन नवीन रूप से कायम कर समाज में आत्मीयता पूर्ण माहौल स्थापित करती है मध्यस्थता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर में 22 मध्यस्थता केंद्रों में 125 मध्यस्थ के द्वारा 5000 से अधिक मामलों को सुलझाया गया

इन्दौर। हमारे देश की प्राचीन सोच को नूतन नवीन रूप से कायम कर समाज में आत्मीयता पूर्ण माहौल बनाने के लिए मध्यस्थता की वर्तमान समय की मांग हैं। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में देश के पहले पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय में स्थित सामुदायिक मध्यस्थता केन्द्र के लोकार्पण के अवसर पर कही। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यस्थता से ना केवल मामलों का निपटारा होता है अपितु समाज में आपसी विश्वास पैदा होता हैं। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता की सोच को मध्य प्रदेश सरकार गांवों तक ले जाने के प्रयास करेगी जिससे गांवों में भी परस्पर सौहार्द्र का माहौल बन सके। उन्होंने कहा कि सामाजिक तानेबाने से सुचारू संचालन के लिए जरूरी है कि पारिवारिक रिश्तों की मजबूती बने रहे। उन्होंने इंदौर पुलिस कमिश्नरेट, जिला प्रशासन और विधिक सेवा प्राधिकरण को बधाई देते हुए कहा कि यह पुण्य कार्य के लिए सराहनीय मॉडल है। आज पुलिस कमिश्नरेट इन्दौर एवं उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति इन्दौर के संयुक्त तत्वावधान में कार्यालय पुलिस आयुक्त पलासिया में नवनिर्मित सामुदायिक मध्यस्थता केन्द्र का लोकार्पण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति एवं कार्यपालिक अध्यक्ष, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण म.प्र. उच्च न्यायालय जस्टिस श्री संजीव सचदेवा एवं प्रशासनिक न्यायाधिपति, म.प्र. उच्च न्यायालय, खण्डपीठ इन्दौर एवं अध्यक्ष, उच्च न्यायालय मध्यस्थता समिति जस्टिस श्री विवेक रूसिया की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस दौरान जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट , सांसद श्री शंकर लालवानी, उच्च न्यायालय के जजेस, संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर श्री आशीष सिंह एवं इंदौर के मध्यस्थ उपस्थित रहें। *मध्यस्थता समझौता कराने के साथ मानवीय रिश्तों को मजबूत बनती है* कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति एवं कार्यपालिक अध्यक्ष, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण म.प्र. उच्च न्यायालय जस्टिस श्री संजीव सचदेवा ने कहा कि मध्यस्थता विवादो में समझौता कराने के साथ साथ मानवीय रिश्तों को मजबूत करने का भी कार्य करती हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों में इसे मीडिएशन की संज्ञा दी गई है जबकि भारत में वर्षों से पंच सरपंचों द्वारा विवादों के मामले में समझौता किया जा रहा हैं। *इंदौर में 22 मध्यस्थता केंद्रों में 125 मध्यस्थ के द्वारा 5000 से अधिक मामलों का सुलझाया गया* प्रशासनिक न्यायाधिपति, म.प्र. उच्च न्यायालय, खण्डपीठ इन्दौर एवं अध्यक्ष, उच्च न्यायालय मध्यस्थता समिति जस्टिस श्री विवेक रूसिया ने बताया कि इंदौर में इंदौर में 22 मध्यस्थता केंद्रों में 27 विभिन्न सामाजिक समूहों के 125 मध्यस्थ के द्वारा 5000 से अधिक मामलों का सुलझाया गया। उन्होंने बताया कि इंदौर देश का एकमात्र शहर है जहां कलेक्टर कार्यालय एवं कमिश्नर कार्यालय में मध्यस्थता केंद्र स्थापित हैं। कमिश्नर कार्यालय में पिछले 4 माह से ट्रायल के आधार पर मध्यस्थता केंद्र का संचालन किया जा रहा है जिसके सकारात्मक परिणाम आने पर आज मूर्त रूप से इसका लोकार्पण किया गया हैं।*सम्मान स्वरूप प्रतीक चिन्ह भेंट* कार्यक्रम के अंत में पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को सम्मानस्वरुप से प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया।

निजी कार वाहनों का टैक्सी के रूप में नियम विरूद्ध व्यावसायिक उपयोग करने पर आरटीओ की बड़ी कार्रवाई यात्री बन आरटीओ की टीम ने जप्त की कई कारें

कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशानुसार इंदौर जिले में वाहनों के नियम विरूद्ध संचालन पर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। आरटीओ इंदौर की टीम द्वारा बुधवार को एयरपोर्ट क्षेत्र में निजी कार वाहनों का टैक्सी के रूप में नियम विरूद्ध संचालन करने पर कई कारें जप्त की गईं। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप कुमार शर्मा ने बताया कि लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थी कि एयरपोर्ट एवं उसके आस-पास के क्षेत्र में निजी कार वाहनों का टैक्सी के रूप में नियम विरूद्ध व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा है। जिसके कारण नियमानुसार टैक्सी के रूप में संचालित वाहनों को अनावश्यक समस्या हो रही थी। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप कुमार शर्मा के निर्देशन में सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री राजेश गुप्ता, परिवहन निरीक्षक श्री जितेन्द्र गुर्जर, परिवहन उड़नदस्ता एवं कार्यालय के श्री दिनेश शर्मा, श्री अतुल जोशी, श्री देवेन्द्र सिंह जादोन, श्री रीतेश देशमुख, श्री कोमल गौड़, श्री अर्चीत बनवारिया, श्री संदीप खरनाल की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से त्वरित कार्यवाही करते हुए बुधवार को प्रातः एयरपोर्ट एवं उसके आस-पास के क्षेत्र में यात्री बनकर अवैध रूप से संचालित निजी कार वाहन क्रमशः MP36C4143, MP09CQ0378, MP36C4143, MP09CF8491, MP09CW8257 को बुक कर यात्रा करते हुए विजयनगर स्थित पुराने आरटीओ कार्यालय परिसर में लाकर जप्त कर खड़ा किया गया है। इन वाहनों पर नियमानुसार दण्डात्मक कार्रवाई की जा रही है। उक्त कार्रवाई की भनक लगते ही ऐसे अन्य वाहन इधर-उधर हो गये । उक्त कार्रवाई आकस्मिक रूप से निरंतर जारी रहेगी। ऐसे समस्त वाहन स्वामियों को निर्देशित किया गया है कि यदि वे अपनी वाहनों का टैक्सी के रूप में संचालन करना चाहते हैं तो परिवहन कार्यालय में उपस्थित होकर अपनी वाहनों को नियमानुसार टैक्सी के रूप में पंजीकृत कराकर परमिट, फिटनेस प्राप्त कर वैध दस्तावेजों के साथ ही संचालन करें ।

इंदौर के औद्योगिक क्षेत्र में बिजली प्रदाय सुधार के लिए गंभीरता से प्रयास

ग्रिडों, लाइनों, ट्रांसफार्मरों के मेंटेनेंस के साथ ही फीडरों का विभक्तिकरण भी

मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर शहर के औद्योगिक क्षेत्र में बिजली प्रदाय में गुणात्मक सुधार के लिए गंभीरता से प्रयास कर रही हैं। कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह के निर्देश पर सुधार कार्य की प्रति सप्ताह समीक्षा भी की जा रही हैं। शहर अधीक्षण यंत्री श्री दिलीप कुमार गाठे ने बताया कि सांवेर रोड, पालदा, उज्जैन रोड, राऊ, धार रोड जीएनटी मार्केट, पोलोग्राउंड इत्यादि क्षेत्र के उद्योग संचालकों, औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारियों से बिजली अधिकारियों का सतत संवाद जारी हैं, ताकि उनकी परेशानी खत्म हो, सुझावों पर अमल लाया जा सके। अधीक्षण यंत्री ने बताया कि पश्चिम संभाग द्वारा रामबली, गोपाला कंपाउंड, अवंतिका नगर, लक्ष्मीबाई नगर, पोलोग्राउंड के 11 केवी फीडरों का मेंटेनेंस किया गया हैं। डेढ़ किमी क्षेत्र में तार बदले गए हैं। 7 स्थानों पर ट्रांसफार्मरों का मेंटेनेंस कर पेटी बदली गई हैं। मध्य शहर संभाग द्वारा राऊ के एमपीआईडीसी एवं अन्य फीडर के साथ ही धार रोड जीएनटी मार्केट फीडरों का मेंटेनेंस किया गया, साथ ही 12 ट्रांसफार्मरों का मेंटेनेंस कर पेटी बदली गई हैं। शहर अधीक्षण यंत्री ने बताया कि सांवेर रोड, उज्जैन रोड स्थित औद्योगिक क्षेत्र में उत्तर संभाग द्वारा ई सेक्टर स्थित ग्रिड का रिनोवेशन, मार्डन ग्रिड में आईसोलेटर बदलने के साथ ही सेक्टर सी के फीडर का विभक्तिकरण किया गया, ताकि आपूर्ति में गुणात्मक सुधार नजर आए। 33 केवी फीडरों व 11 केवी फीडरों का मेंटेनेंस किया गया हैं। आरडीएसएस अंतर्गत 33 केवी की सप्लाय से संचालित होने वाले 38 उच्चदाब उद्योगों की मदद के लिए नए कार्य जारी हैं, जो 90 प्रतिशत तक पूर्ण हो चुके हैं, इससे ट्रिपिंग घटेगी, गुणवत्ता में बढ़ोत्तरी होगी। उत्तर क्षेत्र में 40 ट्रांसफार्मरों का मेंटेनेंस किया गया, पेटियां भी बदली गई। इंदौर शहर के दक्षिण संभाग के पालदा उद्योगिक क्षेत्र में

11 केवी के 6 फीडरों पर ट्रि ब्रांच कटिंग, इंसुलेटर, जम्पर इत्यादि के कार्य किए गए, ग्रिड पर अन्य जरूरी कार्य किए गए। वरूण विक्ट्री फैक्टरी के पास से आरडीएसएस अंतर्गत फीडर का विभक्तिकरण कार्य किया गया हैं, इससे उद्योगों की आपूर्ति में सुधार आया हैं। 220 केवी बिचौली अति उच्चदाब ग्रिड से नया 33 केवी पैंथर लाइन फीडर की मंजूरी दी गई हैं, इससे 33 केवी से संबंधित औद्योगिक उच्चदाब उपभोक्ता को और अच्छी बिजली मिलेगी, 11 केवी लाइनों की ट्रिपिंग में भी कमी आएगी। पालदा औद्योगिक क्षेत्र में आगे जाकर एक नया ग्रिड भी प्रस्तावित हैं। पालदा औद्योगिक क्षेत्र में आपूर्ति संबंधी त्वरित मदद के लिए एक अतिरिक्त वाहन भी लगाया गया हैं, इससे शिकायतों के समाधान में समय कम लग रहा हैं। श्री गाठे ने बताया कि उद्योग संचालकों के साथ सतत संवाद कायम रहेगा, ताकि औद्योगिक विकास को गति मिलती रहे।

जिला स्तरीय इंस्पायर अवार्ड विज्ञान प्रदर्शनी का हुआ शुभारम्भ

इंदौर में जिला स्तरीय इंस्पायर अवार्ड विज्ञान प्रदर्शनी का आज शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संयुक्त कलेक्टर एवं जिला शिक्षा अधिकारी श्री विजय कुमार मण्डलोई ने की। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर श्री नरेन्द्र जैन एडीपीसी, श्रीमती आभा जौहरी प्राचार्य श्री क्लॉथ मार्केट वैष्णव बाल मन्दिर गर्ल्स हायर सेकंडरी स्कूल, ज्यूरी सदस्य श्री सुमित रघुवंशी, श्री पारस दुबे, श्रीमती अंजली सोनी, नोडल अधिकारी श्री आर के चेलानी, श्री मनोज खोपकर एवं समिति के नोडल अधिकारी उपस्थित रहे। श्री चेलानी द्वारा जिला स्तरीय इंस्पायर अवार्ड विज्ञान प्रदर्शनी जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम का संचालन सुश्री वंदना वर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान श्रीमती भारती पंवार प्राचार्य एवं विद्यार्थियों के द्वारा अंधविश्वास को दूर करने के लिए वैज्ञानिक प्रयोग का प्रदर्शन किया। श्री मनोज खोपकर द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। संयुक्त कलेक्टर एवं जिला शिक्षा अधिकारी श्री विजय मण्डलोई द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। ज्यूरी सदस्यों द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी के मॉडल का मूल्यांकन किया जाकर राज्य स्तरीय आयोजन हेतु विद्यार्थियों को चयनित

किया जायेगा और चयनित विद्यार्थी राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में सहभागिता करेंगें। प्रदर्शनी का समापन 26 जून 2025 को होगा।

ग्राम पंचायतों को मिलेगा सशक्तिकरण, पारदर्शिता व स्थायित्व : मंत्री श्री पटेल

ग्राम रोजगार सहायक मार्गदर्शिका-2025 हुई लागू

भोपाल – पंचायत एवं ग्रामीण विकास के तत्वावधान में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) की उच्चस्तरीय बैठक में ग्राम रोजगार सहायक मार्गदर्शिका-2025 को औपचारिक रूप से लागू करने की घोषणा की गई। इस ऐतिहासिक निर्णय में पंचायत, ग्रामीण विकास एवं श्रम विभाग के मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल की सशक्त नेतृत्व भूमिका रही। श्री पटेल ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए इस नई मार्गदर्शिका को "स्थानीय रोजगार व्यवस्था में स्थायित्व, जवाबदेही और दक्षता का आधुनिक रूपांतरण" बताया। श्री पटेल ने कहा कि यह दस्तावेज ग्राम रोजगार सहायकों के चयन, मूल्यांकन और अनुशासन को लेकर आने वाले वर्षों की ग्रामीण विकास संरचना की रीढ़ सिद्ध होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि मार्गदर्शिका 2025 का तत्काल प्रभाव से क्रियान्वयन किया जाएगा, जिसके तहत सभी नियुक्तियां, मूल्यांकन, नवीनीकरण एवं अनुशासन की प्रक्रिया संचालित की जाएगी। चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए अब सभी नियुक्तियां लिखित परीक्षा के माध्यम से की जाएंगी, जिससे योग्य और स्थानीय युवा ग्रामीण विकास से सीधे जुड़ सकेंगे। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि ग्राम रोजगार सहायक केवल संविदा कर्मी नहीं, बल्कि ग्रामीण नव निर्माण के मूल स्तंभ हैं। यह मार्गदर्शिका उन्हें न केवल दिशा देगी, बल्कि गरिमा, संरक्षण और प्रेरणा भी प्रदान करेगी। हमारा लक्ष्य है – 'हर गाँव सक्षम, हर पंचायत सजग'। नई मार्गदर्शिका में मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली की शुरुआत की जा रही है, जिसके माध्यम से GRS का मूल्यांकन, नवीनीकरण और समस्त डाटा डिजिटल रूप से प्रबंधित किया जाएगा। पहली बार ग्राम रोजगार सहायकों को सेवा सुरक्षा और अपील की न्यायसंगत प्रक्रिया सुनिश्चित की गई है। इसके साथ ही सेवा में अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, नैतिकता और पारदर्शिता के लिए कठोर प्रावधान किए गए हैं। मार्गदर्शिका के अंतर्गत अब ग्रामीण रोजगार सहायक का वार्षिक मूल्यांकन प्रत्येक वर्ष 01 अप्रैल से 15 मार्च के बीच किया जाएगा, जिसमें 60 अंकों से कम मिलने पर सेवा समाप्ति संभव होगी। अवकाश व्यवस्था को भी सुदृढ़ करते हुए 13 आकस्मिक, 3 ऐच्छिक और 15 विशेष अवकाश का प्रावधान किया गया है। पहली बार स्थानांतरण नीति लागू की गई है, जिसके तहत तीन वर्षों की सेवा के बाद स्थानांतरण अनुमति होगी। ग्राम रोजगार सहायकों के कर्तव्यों को भी स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है, जिसमें जॉब कार्ड निर्माण, मजदूरी भुगतान, कार्यों की जियो टैगिंग और शासन की योजनाओं के समन्वय तक की जिम्मेदारी शामिल है। मंत्री श्री पटेल के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में प्रबंधन सुधार के साथ समावेशी विकास का स्पष्ट रोडमैप तैयार किया जा रहा है। ग्राम रोजगार सहायक मार्गदर्शिका-2025 इस दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत को वैश्विक मंच पर दी नई पहचान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

दुनियाभर में भारतीयों की ढाल बनी सरकार मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक में शामिल हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह की अध्यक्षता में 4 राज्यों के मुख्यमंत्री ने की सहभागिता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने न केवल आंतरिक विकास की दिशा में ऐतिहासिक प्रगति की है, बल्कि वैश्विक मंच पर भी भारत की आवाज़ को निर्णायक और सम्मानजनक मान्यता मिली है। 'ऑपरेशन सिंदूर' इस बात का प्रतीक है कि भारत अब अपने नागरिकों की सुरक्षा, सम्मान और प्रतिष्ठा के लिए किसी भी सीमा तक जा सकता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने यह विश्वास दिलाया है कि हर भारतीय, चाहे वो कहीं भी हो, भारत सरकार उसकी ढाल बनकर खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को वाराणसी में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक में सहभागिता कर संबोधित कर रहे थे। बैठक में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, एवं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय सहित उक्त राज्यों के मुख्य सचिव, केंद्र सरकार एवं संबंधित राज्य के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज भारत 'विकसित भारत 2047' के जिस मार्ग पर चल रहा है, उसमें राज्यों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। नीति आयोग, मुख्यमंत्री परिषद् और क्षेत्रीय परिषद जैसे संस्थागत तंत्र ने इन्हें केवल संवाद का साधन नहीं, बल्कि 'समाधान का माध्यम' बनाया है। हमें सिखाया गया है कि विचारधाराएँ अलग हो सकती हैं, लेकिन देश का भविष्य साझा है; दृष्टिकोण भिन्न हो सकते हैं, लेकिन लक्ष्य एक 'सशक्त, समावेशी और आत्मनिर्भर भारत' होना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह क्षेत्रीय परिषद केवल प्रशासनिक विचार-विमर्श का मंच नहीं, बल्कि सहकारी संघवाद की जीवंत अभिव्यक्ति है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने हमेशा इस बात पर बल दिया है कि भारत की शक्ति उसकी विविधता में है लेकिन उसकी गति, उसका विकास 'टीम इंडिया' की भावना में निहित है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बाबा विश्वनाथ की धरती काशी में मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक का आयोजन हो रहा है। हमारा सौभाग्य है कि हम भगवान श्रीराम, आराध्य श्रीकृष्ण की जन्मस्थली और भगवान शिव के प्रिय निवास स्थान उत्तर प्रदेश की पुण्यभूमि पर एकत्रित हुए हैं। भारत के फेडरल स्ट्रक्चर को केवल संवैधानिक प्रावधान नहीं बल्कि संवेदनशील नेतृत्व और संकल्प की शक्ति ही जीवंत बनाती है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में देखा गया है कि चाहे आपदा प्रबंधन हो, आंतरिक सुरक्षा या अधोसंरचना विकास, जब राज्य एकजुट होकर कार्य करते हैं, तो भारत की गति दोगुनी हो जाती है

। प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रयासों से राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ नियमित संवाद, केंद्र-राज्य समन्वय समितियाँ और निवेश सम्मेलन इन सभी माध्यमों से संघीय व्यवस्था को नया बल मिला है। प्रधानमंत्री ने इस धारणा को बदल दिया है कि 'राज्य और केंद्र' प्रतिस्पर्धी हैं। अब हम 'राज्य और केंद्र' साझेदार हैं, इस सोच के साथ आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना भारत सरकार द्वारा वर्ष 2018 में लागू की गई थी। योजना अंतर्गत SECC के हितग्राहियों पर होने वाले व्यय का वहन भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन द्वारा 60: 40 के अनुपात में किया जाता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा प्रतिवर्ष प्रति परिवार व्यय की अधिकतम सीमा राशि 1052 रूपये सीलिंग निर्धारित की गई है, जो कि वर्ष 2018 से आज तक यथावत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्धारित सीलिंग को बढ़ाने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महिला बाल विकास एवं स्वास्थ्य विभागों में अलग-अलग पोर्टल होने के कारण बच्चों के स्वास्थ्य पैरामीटर को ट्रैकिंग करने में कठिनाई आ रही है इसका समाधान करने के लिए एक

इंटीग्रेटेड पोर्टल विकसित किए जाने की आवश्यकता है। प्रदेश सरकार की उपलब्धियों से कराया अवगत बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश की उपलब्धियों और विकास संबंधी जानकारियां प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि प्रदेश के अधिकारी एवं कर्मचारी की 9 वर्षों से पदोन्नतियां रुकी हुई थीं। ऐसी स्थिति में राज्य शासन की कार्य दक्षता एवं कर्मचारियों की पदोन्नति कर्मचारियों की नवीन नियुक्तियां एवं लोक सेवकों के मनोबल पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा था। इसका निराकरण करते हुए मध्यप्रदेश में लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 स्वीकृत किए गए हैं। जिससे प्रदेश के 5 लाख कर्मचारियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। पदोन्नति से जो 2 लाख पद खाली होंगे उनसे सीधी भर्ती के पदों पर नवीन नियुक्तियां की जा सकेगी। इस ऐतिहासिक निर्णय से शासकीय कर्मचारी के मनोबल में वृद्धि होगी एवं राज्य शासन की कार्य दक्षता बढ़ेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहरी क्षेत्र को नीति आयोग के ग्रोथ हब मॉडल के अनुरूप औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्र के हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। मध्यप्रदेश महानगर क्षेत्र नियोजन एवं विकास अधिनियम 2025 पारित कर इंदौर, उज्जैन, भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर को उनके आसपास के जिलों को साथ में लेकर मेट्रोपॉलिटन सिटी के रूप में विकसित करने की रणनीति तैयार की गई है। वर्तमान में प्रदेश में 17 शासकीय मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं शीघ्र ही सिंगरौली और श्योपुर में नए शासकीय मेडिकल कॉलेज प्रारंभ होंगे। अगले दो वर्षों में 6 नए शासकीय मेडिकल कॉलेज स्थापित किया जाएंगे और उज्जैन में मेडिसिटी का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। राज्य शासन ने पीपीपी मॉडल पर 12 मेडिकल कॉलेज की स्थापना का निर्णय लिया है इसमें चार मेडिकल कॉलेज को सफलतापूर्वक अवार्ड कर दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन शिशु मृत्यु दर एवं मातृ मृत्यु दर को कम करने में निरंतर प्रयासरत है। स्वास्थ्य, शिक्षा, जनजाति और पेयजल विभागों के विशेष कार्य दल गठन कर जमीनी स्तर पर कार्य किया जा रहा है। जन्म से 5 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं के पोषण स्तर में सुधार आया है मिशन वात्सल्य एवं पोषण 2.0 के तहत 12 लाख 51 हजार बच्चों को कुपोषण से बाहर निकाला गया है। ग्राम पंचायत स्तर पर नागरिकों को सामान्य सेवाओं की ऑनलाइन डिलीवरी के लिए सरकार ने ई पंचायत परियोजना शुरू की है। मुख्य सामान्य सेवाओं में जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र, विवाह प्रमाण-पत्र, निर्माण परमिट निवास का प्रमाण और मनरेगा से संबंधित सेवाएं शामिल है। संपदा 2.0 पोर्टल के माध्यम से संपत्ति पंजीकरण प्रक्रिया को डिजिटल बनाया गया है जिससे प्रॉपर्टी की खरीदी बिक्री आसान और पारदर्शी हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश को दूध कैपिटल बनाने की दिशा में हम प्रयासरत हैं। राज्य में दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और मध्यप्रदेश दुग्ध संघ के बीच समझौता हुआ है। यह एग्रीमेंट डेयरी नेटवर्क को सशक्त करेगा और सांची ब्रांड को मजबूती मिलेगी। अगले 5 साल में प्रदेश के कम से कम 50% गांव में प्राथमिक डेयरी सहकारी समितियां की स्थापना का लक्ष्य है। केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के निर्देश पर प्रदेश में दूध संकलन 10 लाख लीटर से बढ़कर 50 लाख लीटर करने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बच्चों से जुड़े संवेदनशील अपराधों के शीघ्र न्याय के लिए फास्ट ट्रेक स्पेशल कोर्ट की स्थापना की गई है। वर्ष 2025 में POCSO में दर्ज प्रकरणों की जांच पूरी करने की दर 70. 87% और FIR मामले के निपटान की दर 61.38% रही है। पिछले कुछ वर्षों में निराकृत किए गए मामले कई बार दर्ज मामलों से ज्यादा रहे, फिर भी लंबित मामलों की संख्या कम नहीं हुई इसलिए फास्ट्रैक कोर्ट के कामकाज को और बेहतर बनाने, जरूरी संसाधन बढाने और नियमित निगरानी करने की दिशा में हम काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्षा के जल को संग्रहित करने और पुराने जल स्रोतों के जीर्णोद्धार के लिये प्रदेश में 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जनभागीदारी पर केन्द्रित इस अभियान में व्यापक सफलता मिली है। प्रदेश के सभी जिलों में जिला प्रशासन के साथ जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और आम नागरिकों ने भी अभियान में अपनी सहभागिता निभाई है। परिणामस्वरूप प्रदेश में व्यापक जल संरचनाओं का निर्माण, नदियों के उदगम स्थल का सौन्दर्यीकरण सहित जल संवर्धन के अनेक कार्य हुए हैं। प्रदेश का खण्डवा जिला जल संरचनाओं के इस अभियान में देश में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने बताया कि आगामी माहो में जल गंगा संवर्धन अभियान के बाद अब पौध-रोपण का व्यापक अभियान चलाया जायेगा।

वीरांगना रानी दुर्गावती की वीरता-शौर्य और पराक्रम भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

रानी दुर्गावती के नाम पर चिड़ियाघर व रेस्क्यू सेंटर बनाए जाने की घोषणा बलिदान दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि रानी दुर्गावती अपने नाम के अनुरूप मां दुर्गा के समान वीर और पराक्रम की प्रतिमूर्ति थीं। आज उनका बलिदान दिवस है। रानी दुर्गावती का जन्म लगभग 500 वर्ष पहले हुआ था। अमेरिका सहित पश्चिम के देशों को सामान्य तौर पर संस्कृति में अग्रणी माना जाता है, लेकिन भारत का गौरवशाली अतीत रहा है। आदिवासी अंचल की रानी दुर्गावती और रानी अवंतीबाई नारी सशक्तिकरण की सबसे बड़ी उदाहरण हैं। रानी दुर्गावती के पिता ने 500 साल पूर्व उन्हें घुड़सवारी, तलवारबाजी और युद्ध कौशल में निपुण बनाया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को जबलपुर के नरई नाला स्थित वीरांगना रानी दुर्गावती की समाधि पर श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद बारहा ग्राम में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। भोपाल के वन विहार की तर्ज पर जबलपुर में बनेगा आधुनिक चिड़ियाघर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जबलपुर का ठाकुरताल पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा। यहां भोपाल के वन विहार की तर्ज पर एक आधुनिक चिड़ियाघर (रेस्क्यू सेंटर एवं जू) बनाया जाएगा, यह सेंटर गौंडवाना साम्राज्य की वीरांगना रानी दुर्गावती को समर्पित होगा। यह वन्यप्राणी रेस्क्यू सेंटर रानी दुर्गावती के नाम से जाना जाएगा।राज्य सरकार रानी दुर्गावती सहित सभी महान हस्तियों का सम्मान करते हुए आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मैराथन जैसे आयोजनों के लिए नगर निगम जबलपुर को 5 लाख रुपए और कार्यक्रम में मनमोहक प्रस्तुति देने वाले प्रत्येक लोक कलाकार को 5-5 हजार रुपए देने की घोषणा की। स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल होंगी दुर्गावती की वीरता की कहानियां मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने मोटे अनाज के प्रोत्साहन एवं उपार्जन के लिए रानी दुर्गावती के नाम पर योजना की प्रारंभ की है। रानी दुर्गावती ने अपने जीवनकाल में 52 लड़ाइयां लड़ीं और 51 में विजय श्री प्राप्त की। उनके गौंडवाना साम्राज्य में 23 हजार गांव शामिल थे। वीर रानी दुर्गावती ने 3 बार मुगल सेना को धूल चटाई थी। राज्य सरकार ने उनकी वीरता की कहानियों को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने का निर्णय लिया है। यह विरासत से विकास का एक क्रम है। वीरांगना दुर्गावती ने जल संरक्षण की दिशा में भी उल्लेखनीय प्रयास किए थे। उनके साथ इसी स्थान पर विश्वासघात हुआ था और उन्होंने वीरतापूर्वक अपना बलिदान कर दिया था। रानी दुर्गावती भी चंद्रशेखर आजाद की तरह आजाद रहीं दुश्मन उन्हें कभी हाथ नहीं लगा पाया। उन्होंने वीरांगनाओं को याद करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में रानी अवंतीबाई व रानी लक्ष्मीबाई की शौर्य व पराक्रम की अद्भुत गाथा है। वर्तमान समय में आदिवासी अंचल की बहन राष्ट्रपति पद को गौरवांवित कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परिसीमन के बाद विधानसभा चुनाव में बहनों को भी 33 प्रतिशत आरक्षण देने की भावना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम के दौरान रानी दुर्गावती मैराथन दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले धावकों को चेक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद कैबिनेट की पहली बैठक रानी दुर्गावती को समर्पित करते हुए गोंडवाना की धरती पर करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों 10 करोड़ रुपए की राशि समाधि स्थल के विकास के लिए स्वीकृत कराई गई थी। समाधि स्थल को और भव्य तथा आकर्षक बनाने के लिए केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से और राशि स्वीकृत करने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में रानी दुर्गावती का यह समाधि स्थल महाकौशल के लिए नहीं बल्कि पूरे देश में नारी शक्ति के बलिदान की जीती जागती मिसाल होगी। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, राज्य सभा सदस्य श्रीमती सुमित्रा वाल्मीकि, सांसद श्री आशीष दुबे, महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक सर्वश्री सुशील कुमार तिवारी इंदु, अशोक रोहाणी, संतोष वरकड़े, डॉ. अभिलाष पांडे एवं नीरज सिंह, जनजातीयजन और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में प्राचीन जल-स्रोतों के संरक्षण में समाज की भागीदारी

नगरीय क्षेत्रों में 30 मार्च से शुरू हुए जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्य अब लगभग अंतिम चरण की aओर हैं। नगरीय निकायों में स्थित जल संरचनाओं की साफ-सफाई एवं पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन के लिये रैन वाटर हॉर्वेस्टिंग संरचना तैयार करने के कार्य को हाथ में लिया गया। इसी के साथ नगरीय इलाकों में हरित क्षेत्र विकास के लिये पौध-रोपण का कार्य विभागीय योजनाओं और जन-भागीदारी से किया गया। इन कार्यों की समीक्षा नगरीय निकायों में नियमित रूप से की गयी। नगरीय क्षेत्र के निवासियों में जल एवं पर्यावरण संरक्षण तथा उनके प्रति स्वामित्व की भावना का विकास करने के लिये नगरीय निकायों में जन-जागरूकता और प्रचार-प्रसार का कार्य प्रमुखता से किया गया। नगरीय क्षेत्र के विद्यालयों में चित्रकला, निबंध और रंगोली प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयीं। इन गतिविधियों से विद्यार्थियों में प्रकृति से प्रेम की भावना मजबूत हुई। प्रकृति संरक्षण कार्यक्रम में समाज का योगदान पर्यावरण जिसमें प्रकृतिक संसाधन, जल और स्वच्छ वायु के लिये समाज की महिलाओं ने विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस पुनीत कार्य में विद्यार्थी और युवा शक्ति ने अपनी भागीदारी की। समाज के सभी वर्गों ने अपनी रूचि अनुसार प्रकृति के विभिन्न रूपों को चित्रकला, श्लोगन लेखन, वॉल पेंटिंग आदि के माध्यम से पर्यावरण से जुड़े संदेश जन-सामान्य तक पहुँचाये। ऐतिहासिक मंदिरों के आस-पास की जल संरचनाओं के संरक्षण की अपील नगरपालिक निगम सागर में जलगंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम में भूतेश्वर बावड़ी कुआँ की सफाई एवं जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने पिछले दिनों अपने प्रवास के दौरान किया। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि ऐतिहासिक मंदिरों के आस-पास नदी, तालाब, बावड़ी, कुआँ या कम से कम एक छोटा जलकुंड तो निश्चित रूप से होता है। हम सबका कर्त्तव्य है कि इन्हें संरक्षित किया जाये। उन्होंने कहा कि ये जल-स्रोत मंदिर में जल आपूर्ति करने के साथ ही आवश्यकता पड़ने पर स्थानीय निवासियों की जल मांग को पूरा करते थे। इस जल संरचना में नगर निगम सागर द्वारा जन-भागीदारी से संरक्षण का कार्य निरंतर किया गया। जन-भागीदारी में महिलाओं और युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शहर के अनेक स्वयंसेवी संगठन इस कार्य के लिये सामने आये और उन्होंने अपना योगदान दिया। जल संरचनाओं के समीप पौध-रोपण प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में पेयजल स्रोतों और जल संरचनाओं के आसपास साफ-सफाई का कार्य नियमित रूप से किया गया। वर्षा के मौसम को देखते हुए पौध-रोपण में गड्ढ़े की गहराई, स्थल का चयन तथा आगामी 1-2 वर्ष तक उनकी देखरेख के कार्य की योजना बनाकर चर्चा कर जिम्मेदारी तय की गयी। नगरीय क्षेत्रों में स्थानीय आवश्यकता के अनुसार पौधों का चयन किया जा रहा है। पौधों की सुरक्षा के लिये आवश्यक सामग्री एकत्र करने का कार्य स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से किया जा रहा है। कुछ नगरीय क्षेत्रों में जल-स्रोतों के आसपास बगीचे तैयार करने की योजना भी तैयार की गयी। तालाबों से जल कुंभी निकासी अनूपपुर जिले के नगर परिषद अमरकंटक स्थित पुष्कर तालाब की साफ-सफाई कर जलकुंभी निकासी का कार्य किया गया। इसके साथ ही तालाब के आस-पास पौध-रोपण किया गया। स्थानीय नागरिकों ने नगरीय क्षेत्र में जल बचत की शपथ और क्षेत्र में हरित संरक्षण की शपथ भी ली। इस अवसर पर नगरीय निकाय के मुख्य नगरपालिका अधिकारी, उपयंत्री एवं फील्ड स्टॉफ उपस्थित रहे। अमरकंटक माँ नर्मदा का उद्गम स्थल है। नागरिकों ने इस क्षेत्र में जैव विविधता को ध्यान में रखते हुए विभिन्न किस्मों के पौधों का रोपण करने का संकल्प लिया। नागरिकों ने जल-स्रोत की साफ-सफाई और पौधों की सुरक्षा की भी शपथ ली। प्राचीन बावड़ी की सफाई नगर निगम रीवा में स्थित ऐतिहासिक अजब कुँवरि बावड़ी का इतिहास करीब 350 वर्ष पुराना है। यह बावड़ी गुढ़ चौराहे के पास महाराजा भाव सिंह द्वारा महारानी अजब कुँवरि के लिए सन् 1664 से सन् 1670 के मध्य बनवाई गई थी। इसकी अद्वितीय और स्थापत्य कला इसे रीवा की सांस्कृतिक धरोहर बनाती है। समय के साथ यह बावड़ी संरचनात्मक रूप से मजबूत बनी रही है। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बावड़ी के परिसर में सफाई और सौंदर्यीकरण का कार्य किया गया। यह प्रयास रीवा की समृद्ध विरासत को जन-मानस से जोड़ने की दिशा में एक सराहनीय पहल रही।

नदी और जल संरचनाओं का संरक्षण जनजागरण और सहयोग से ही संभव

भारत भवन के अंतरंग सभागार में अथः नदी कथा वैचारिक समागम सम्पन्न

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सदानीरा समागम के पाँचवें दिन भारत भवन के अंतरंग सभागार में जलीय जीव एवं जल संरचनाओं पर एकाग्र वैचारिक समागम का आयोजन हुआ। इस मौके पर सभी विद्वानों ने एक स्वर में कहा कि नदी तालाबों और जल संरचनाओं को संबोधित संरक्षित करने के लिए सरकार के साथ-साथ लोक समाज को भी आगे आना होगा। यह जनजागरण और सहयोग से ही संभव है। तभी हम अपना भविष्य सुरक्षित कर पाएंगे। वरिष्ठ लेखक व पत्रकार अजय बोकिल ने कहा कि पानी को बचाने, साफ रखने और उसके महत्व को कायम रखने के लिए भोपाल सबसे बड़ा उदाहरण है। एक समय ऐसा भी आया जब बड़े तालाब का पानी मूर्ति और ताजिया विसर्जन के चलते दूषित होता चला गया था। मतलब पीने योग्य नहीं था तब भोपालवासियों ने यह तय किया कि तालाब में मूर्ति विसर्जन नहीं किया जाएगा इसके लिए अलग से कुंड बनाए जाएंगे ऐसा करने पर पहले की तुलना में तालाब का पानी साफ भी हुआ और शुद्ध भी। यह एक ऐसा उदाहरण है जिसे अन्य स्थानों पर भी लागू किया जाना चाहिए। वरिष्ठ साहित्यकार श्री संतोष चौबे ने कहा कि जल संरचनाओं और नदियों को संरक्षित करने के लिए पानी के पक्ष में जन अभियन चलाया जाना चाहिए। आज इस विषय पर गंभीरता से सोचने की जरूरत है और जल संरचनाओं को बचाने के लिए प्रदेश और देश के दुनिया के मॉडलों को अपनाना चाहिये। इस मौके पर वरिष्ठ पुरातत्वविद श्री शिवाकांत वाजपेई ने कहा कि जल जीवन और जन्म त्रिवेणी हैं। इसे हमें समझना होगा। विक्रमादित्य वैदिक घड़ी के अन्वेषणकर्ता श्री आरोह श्रीवास्तव ने जल और समय पर चर्चा की। उन्होंने फ्रेश वाटर को लेकर सुझाव दिया कि हमारे जीवन में फ्रेश वाटर का इस्तेमाल बहुत कम होता है, लेकिन दैनिक दिनचर्या में इस फ्रेशवाटर को हम वेस्टेज के रूप में इस्तेमाल कर देते हैं यह चिंता का विषय है। मथुरा के युवा शोधकर्ता श्री योगी अनुराग ने नदियों के महत्व को बताते हुए उन्हें संरक्षित करने की बात कही। श्री संजय सिंह ने जल संरचनाओं को संरक्षित करने के लिए विज्ञान का विषय न मानते हुए हमें आस्था का विषय बनाना होगा तभी जल स्रोतों नदियों और पानी को बचाया जा सकता है। वरिष्ठ चिकित्सक श्री राजेश शर्मा ने नदियों को आरोग्य कैसे रखें इस पर बात करते हुए कहा कि सबसे पहले हमें नदियों के रोग को, उसमें पनप रहे कीटाणुओं को समझना होगा। यह कीटाणु, यह रोग, हम खुद हैं, उद्योग हैं, जो नदियों को पवित्र बनाने से रोक रहे हैं। हमें याद है कोविड का समय जब नदी की पवित्रता और उसमें जल जीव स्वतंत्र रूप से रह रहे थे।

हम खुद ये कहने लगे थे कि प्रत्येक साल लॉकडाउन जैसी स्थिति बन जानी चाहिए ताकि हमारी नदी, जल संरचनाएं पवित्र हो सके। युवा पत्रकार सुश्री मीणा जांगिड़ ने कहा कि जल का विषय सरकार का नहीं समाज का विषय होना चाहिए। हमारी प्राचीन परंपराएं पानी के महत्व को बताती आई हैं इसे भविष्य में भी कायम रखने की जरूरत है। डॉ. रमेश यादव ने भोपाल के बड़े तालाब का जिक्र करते हुए कहा कि राजा भोज ने जिस झील को बनाया आज उसे बचाने की बात आ रही है। प्राचीन काल में लोग नदियों की पवित्रता को ध्यान में रखते थे नदियों में कभी भी दूषित पानी नहीं जाने देते थे। आज जल स्रोतों को संरक्षित करने की जरूरत है तभी भविष्य सुरक्षित हो सकता है।डॉ. इंदिरा खुराना ने कहा कि आज जलवायु परिवर्तन की बात आती है तो सबसे पहले कार्बन उत्सर्जन की बात की जाती है। लेकिन जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा प्रभाव यदि किसी पर पड़ता है तो वह पानी पर पड़ता है। जैसे बाढ़ का आना, ग्लेशियर का पिघलना, समुद्र में तूफान, अकाल पड़ना आदि यह वैश्विक चुनौतियां भी बनाकर हमारे सामने हैं। पारंपरिक ज्ञान से ही है इन आपदाओं से बचा जा सकता है। आज विकेंद्रित जल प्रबंधन की दिशा में कार्य करने की जरूरत है।वरिष्ठ अधिकारी श्री नागार्जुन गौड़ा ने कहा जल संचय-जल भागीदारी अभियान ने देश भर में एक नई पहचान बनाई है। जिसके चलते खंडवा देश का नंबर वन शहर बनकर सामने आया है। हमने 1 लाख 30 हजार से अधिक स्ट्रक्चर्स तैयार किये जिसमें वाटर रिचार्ज का काम हुआ। इस अभियान का मुख्य बिंदु रूफ़ वाटर हार्वेस्टिंग था जिसके चलते लाखों लीटर पानी को संचित किया गया। समागम का समन्वय माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी, विस्तार न्यूज़ के चैनल हेड श्री ब्रजेश राजपूत ने किया। इसके पहले भूमिका वीर भारत न्यास के न्यासी सचिव श्रीराम तिवारी ने रखी और जल गंगा संवर्धन अभियान की जानकारी दी और समागम की आवश्यकता को बताया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग में योग सत्र

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून शनिवार को नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने भोपाल के शिवाजी नगर स्थित पालिका भवन कार्यालय परिसर में योग सत्र का आयोजन किया गया। सामूहिक योग सत्र में विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने योगाभ्यास कर तन, मन और आत्मा की शुद्धि के साथ "योग से एकता" के संदेश को आत्मसात किया। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने कहा कि सामूहिक योग के आयोजन का उद्देश्य शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि योग हमारी प्राचीन परंपरा का अभिन्न हिस्सा है, जो व्यक्ति के समग्र विकास में सहायक होता है। योग सत्र के दौरान अपर आयुक्त श्री कैलाश वानखेड़े, श्री के.एल. मीणा, डॉ परीक्षित झाड़े, प्रमुख अभियंता श्री आनंद सिंह, अपर संचालक श्री अनिल गोंड, अधीक्षण अभियंता श्री जीवन सिंह एवं श्री रवि चतुर्वेदी सहित विभाग के समस्त अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रतिभागियों ने नियमित रूप से योग को अपने जीवन में शामिल करने का संकल्प लिया और सभी को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डोंगला में अत्याधुनिक तारामंडल का किया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को उज्जैन जिले के डोंगला में अत्याधुनिक वराहमिहिर तारामंडल का लोकार्पण किया। इस आधुनिक तारामंडल में खगोल विज्ञान के रहस्यों के बारे में डोंगला आने वाले बच्चो और अगुंतको को 4k फिल्म के माध्यम से जानकारी दी जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वराहमिहिर वेधशाला तारामंडल में बच्चों के साथ बैठकर सूर्य विकिरण और उसके तरंगों के अध्ययन पर आधारित फिल्म को भी देखा।

उल्लेखनीय है कि आचार्य वराहमिहिर न्यास द्वारा अवादा फाउण्डेशन के आर्थिक सहयोग एवं डीप स्काई प्लेनेटेरियम, कोलकाता के तकनीकी सहयोग से डोंगला में अत्याधुनिक डिजीटल तारामंडल की स्थापना की गई है। तारामंडल में डिजीटल प्रोजेक्टर एवं डिजीटल साउण्ड सिस्टम भी लगाया गया हैं। इस वातानुकूलित गोलाकार तारामण्डल में 55 लोग एक साथ बैठकर रोमांचक अनुभव ले सकेंगे। इस तारामण्डल की लागत लगभग 1.6 करोड़ रूपये हैं।

सुरक्षा से सुशासन और सहकार से समृद्धि ही ध्येय : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में मंगलवार को वाराणसी में हुई मध्य क्षेत्रीय परिषद् की 25वीं बैठक में सहभागिता की। बैठक में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर धामी, एवं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सुरक्षा से सुशासन और सहकार से समृद्धि ही सरकार का मुख्य ध्येय है और हमारी सरकार इसी दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि राज्यों के बीच समन्वय, विकास के विभिन्न आयाम, सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यटन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केन्द्रित यह बैठक यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में सार्थक सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि बैठक में तय एजेंडा बिन्दुओं पर गहन विचार-विमर्श के अलावा राज्यों में हुई बेस्ट प्रैक्टिसेस का प्रेजेंटेशन भी दिया गया।

योग का अर्थ है जोड़ना और मैं से हम की यात्रा ही योग का आधार हैः प्रधानमंत्री श्री मोदी

भारत के मूलदर्शन और योगशैली से दुनिया को परिचय कराने का दिन है अंतर्राष्ट्रीय योग दिवसः मुख्यमंत्री डॉ.यादव शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के लिए महर्षि पंतजलि का मानवता को वरदान है योग मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रतिभागियों के साथ किया योगाभ्यास राष्ट्रीय कार्यक्रम से प्रसारित कॉमन योग प्रोटोकॉल का अनुसरण करते हुए अटल पथ पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी और जनसामान्य योगाभ्यास में शामिल हुए 'एक पृथ्वी-एक स्वास्थ्य के लिए योग' की थीम पर मना 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आंध्रप्रदेश के विशाखापत्तनम में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर हुए राष्ट्रीय कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़ते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल के अटल पथ पर राज्य स्तरीय'योग संगम' सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर स्वस्थ एवं निरोगी काया के लिए प्रतिभागियों के साथ योगाभ्यास भी किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी के संबोधन का इस अवसर पर सजीव प्रसारण किया गया। राष्ट्रीय कार्यक्रम से प्रसारित कॉमन योग प्रोटोकॉल का अनुसरण करते हुए अटल पथ पर बड़ी संख्या में उपस्थित विद्यार्थियों और जनसामान्य ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में योग किया। कार्यक्रम में केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उइके, सांसद श्री वी.डी. शर्मा तथा श्री आलोक शर्मा उपस्थित थे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने विशाखापत्तनम् में योगांध्र कार्यक्रम में कहा कि योग का अर्थ है जोड़ना। योग ने बीते एक दशक में दुनिया को जोड़ा है।

भारत ने जब संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता देने के लिए प्रस्ताव रखा तो 175 देश भारत के प्रस्ताव के साथ खड़े थे। वर्तमान दौर में ऐसा अभूतपूर्व समर्थन सामान्य नहीं है। यह सिर्फ समर्थन नहीं, बल्कि यह दुनिया की भलाई के लिए एक प्रयास था। आज दुनियाभर में करोड़ों लोगों के लिए योग जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। योग सभी के लिए है और सभी का है। उम्र और अन्य सभी सीमाएं तोड़ते हुए यह उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करता है। योग का समाज में सोशल प्रमोशन कैसे हो सकता है, इसे योगांध्र अभियान की सफलता से समझा जा सकता है। इस वर्ष एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग की थीम है। योग हमारे लिए वसुधैव कुटुंबकम के मार्ग पर चलते हुए दुनिया को एक मंच पर लाने का माध्यम है। यह मैं से ऊपर उठकर हम की यात्रा है, समर्पण, सेवा और सहअस्तित्व का भाव है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि दुनिया के कई क्षेत्रों में अशांति का दौर है, लेकिन योग से हमें शांति मिलती है। विश्व समुदाय से अनुरोध है कि योग को ग्लोबल पार्टनरशिप का माध्यम बनाएं। आज योग की वैज्ञानिकता को आधुनिक चिकित्सा पद्धति में स्थान दिलाने के लिए प्रयास जारी हैं। योग को आगे बढ़ाने में डिजिटल टेक्नोलॉजी ने भी अहम भूमिका निभाई है। आज हील इन इंडिया का मंत्र दुनिया में प्रसिद्ध हो रहा है और इसमें भी योग की बड़ी भूमिका है। देशभर में आयुष्मान योग मंदिरों में प्रशिक्षित योग टीचर तैनात किए जा रहे हैं। हमारा प्रयास दुनिया को योग का फायदा देने का है। बढ़ता मोटापा दुनिया के लिए बड़ी चुनौती है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने योग दिवस पर देशवासियों और दुनिया के लोगों से मोटापा घटाने के लिए संकल्प लेने का आव्हान करते हुए कहा कि कम तेल वाला भोजन करने के साथ योग को स्वस्थ्य जीवनशैली का माध्यम बनाना जरूरी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत वसुधैव कुटुंबकम की भावना के साथ आगे बढ़ रहा है। हमारे लिए विश्व एक परिवार है, और विश्व योग दिवस का अवसर दुनिया को भारत के मूलदर्शन और योगशैली से परिचय कराने का दिन है। योगाभ्यास करने से मन शांत होता है, शांति से संतोष आता है और जब मन में संतोष हो तो मनुष्य अहिंसा की तरफ बढ़ता है। योग, शारीरिक बल और मानसिक शांति व प्रफुल्लता बढ़ाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आष्टांग योग दर्शन के रचयिता महर्षि पतंजलि को प्रणाम कर, शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के लिए मानवता को योग का वरदान देने के लिए उनका आभार माना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 21 जून का दिन खगोलीय गणना की दृष्टि से भी बहुत महत्वपूर्ण है। आज के दिन भगवान सूर्यनारायण उत्तरायण की यात्रा पूरी कर दक्षिणायन में प्रवेश करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने योग के माध्यम से भारत के मूल दर्शन और जीवन शैली से विश्व को परिचित कराया है। समूची वंसुधरा को परिवार मानते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कोविड के दौर में देश के लोगों को बचाने के साथ-साथ दुनिया के 100 से अधिक देशों को आवश्यक सहायता उपलब्ध करा कर लोगों की जान बचाई। केंद्रीय राज्यमंत्री जनजातीय कार्य श्री दुर्गादास उइके ने कहा कि योग दिवस विभिन्न धर्मों और संस्कृति के बीच सामंजस्य का माध्यम बन चुका है। योग ने वसुधैव कुटुंबकम की भावना से दुनिया को एक परिवार के रूप में विकसित किया है। योग हमें भागदौड़ भरी जिंदगी में कुछ समय के लिए अपने अंदर झांकने का अवसर देता है। योग से चित्त यानी मन को निरोगी रखा जा सकता है। गीता में योगेश्वर श्रीकृष्ण ने कहा है कि मनुष्य के लिए कर्मों की कुशलता ही योग है। सांसद श्री वीडी शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दुनिया को सुखी बनाने के लिए योग करने का संदेश दिया था। विश्व योग दिवस के 10 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। आज हम 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने योग के माध्यम से भारत की स्वास्थ्य के प्रति चेतना का विस्तार संपूर्ण विश्व में किया है। 'एक पृथ्वी-एक स्वास्थ्य के लिए योग' की थीम पर 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के भोपाल में हुए कार्यक्रम में विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, श्री भगवानदास सबनानी, भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना सहित जनप्रतिनिधि एवं योग प्रेमी उपस्थिति थे। प्रदेश के सभी जिलों में अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

जगदीप धनखड़ ने उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया है जिसके बाद राजनीतिक गलियारों में अटकलों का बाजार गर्म

जगदीप धनखड़ उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने मानसून सत्र के पहले दिन ये फैसला किया। राष्ट्रपति को लिखे पत्र में उन्होंने अपने स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया। उनके इस्तीफे के बाद देश में सियासी हलचल तेज हो गई है।

इस बीच विपक्ष का कहना है कि मामला कुछ और है, जो साफ नजर नहीं आ रहा है। धनखड़ के इस्तीफे के बाद तमाम अटकलें लगाई जाने लगी हैं। धनखड़ के अचानक पद छोड़ने के बाद कई प्रकार की चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है। आइए आपको तीन ऐसी चर्चाओं के बारे में बताते हैं, जिसको लेकर तमाम चर्चाओं का बाजार गर्म है...

इस्तीफे की टाइमिंग को लेकर उठने लगे सवाल

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे। मार्च से लेकर जुलाई के बीच में कई बार उनके बीमार होने और अस्पताल में भर्ती होने की खबरें सामने आईं।

हालांकि, मानसून सत्र के पहले दिन जगदीप धनखड़ के इस्तीफे ने सभी को चौंका दिया। एक विपक्षी दल के नेता ने दावा किया कि अगर उनको इस्तीफा देना ही था तो सत्र की शुरुआत में दे देते। सत्र के पहले दिन की शाम के क्यों दिया। वहीं, सोमवार शाम 4 बजे ही उपराष्ट्रपति सचिवालय की ओर से कहा गया कि इसी हफ्ते जगदीप धनखड़ जयपुर जाने वाले थे। तय कार्यक्रम के बीच में इस्तीफा देने के कारण ये रहस्य और गहरा गया है।

बिहार विधानसभा चुनाव से जुड़ा है कनेक्शन?

इसी साल के अंत तक बिहार में विधानसभा चुनाव होने को है। राज्य में जेडीयू और बीजेपी की गंठबंधन वाली सरकार है। हालांकि, बिहार में बीजेपी अपना पांव पसारने की कोशिश में है। राजनीतिक गलियारों में तो ये चर्चा भी की जाने लगी कि जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद नीतीश कुमार का उपराष्ट्रपति बनने का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि, इस प्रकार की अटकलों पर नीतीश कुमार ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। अटकलों का बाजार तो उस वक्त गरमा गया, जब बीजेपी विधायक हरिभूषण ठाकुर ने कहा कि अगर नीतीश कुमार को उपराष्ट्रपति बनाया जाता है तो बिहार के लिए अच्छा होगा।

कहीं अपमान तो नहीं असली वजह?

वहीं, कुछ जानकारों का मानना है कि मानसून सत्र के पहले दिन राज्यसभा में जो घटनाएं घटीं, कही वह तो जगदीप धनखड़ के इस्तीफे की मुख्य वजह नहीं? संसद के मानसून सत्र के पहले ही दिन जगदीप धनखड़ ने एक नोटिस स्वीकार किया था, जिसमें 60 से अधिक विपक्षी सांसदों ने जस्टिस यशवंत वर्मा को हटाने की मांग की थी। इसके ठीक

बाद राज्यसभा की बिजनेस एडवाइजरी कमिटी की एक बैठक में जेपी नड्डा और किरेन रिजिजू अनुपस्थित रहे। चूकि यह बैठक संसद की कार्यसूची तय करने के लिए काफी अहम मानी जाती है। हालांकि, बाद में नड्डा की ओर से बैठक में अनुपस्थित रहने पर सफाई भी सामने आई।

उन्होंने कहा कि दोनों मंत्री पहले से व्यस्त थे और इस संबंध में दोनों ने पहले से ही जगदीप धनखड़ को सूचित कर दिया था। बावजूद इसके कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने नड्डा की इस टिप्पणी को भी अपमान करार दिया है।

क्या न्यायपालिका से टकराव बनी मुख्य वजह

वहीं, एक अन्य थ्योरी या अटकलें इसको लेकर के है कि जगदीप धनखड़ लगातार न्यायपालिका के खिलाफ तीखे बयान भी देते रहे हैं। उनके इन बयानों के कारण सरकार को भी कई बार असहजता महसूस हुई है। गत दिनों धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा नेशनल ज्यूडिशियल अपॉइंटमेंट्स कानून को रद किए जाने की निंदा की थी। धनखड़ के बयानों के कारण कई बार केंद्र सरकार आलोचनाओं के घेरे में आ जाती थी। कई बार धनखड़ के किसी टिप्पणी के कारण भी विपक्ष को कुछ मुद्दे मिल जाते हैं। हालांकि, इस्तीफे के पीछे जो भी वजह हो, संभव है कि जगदीप धनखड़ ने खराब स्वास्थ्य के कारण ही इस्तीफा देने का मन बनाया हो और खुद ये फैसला लिया हो।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे से शुरुआती सदमे के बाद सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में उनके संभावित उत्तराधिकारी को लेकर चिंताएँ बढ़ती दिख रही हैं। गठबंधन के वरिष्ठ नेताओं ने संकेत दिया है कि अगला उम्मीदवार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करीबी लोगों में से कोई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का नेता हो सकता है, जिसके पास राज्यसभा की कार्यवाही को संभालने के लिए आवश्यक राजनीतिक कौशल हो।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के रूप में कार्यकाल पूरा करने के बाद उपराष्ट्रपति बने श्री धनखड़ पहले जनता दल और कांग्रेस पार्टी से जुड़े रहे थे। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने बताया कि एक सूची तैयार की जा रही है, जिसमें ज़्यादातर भाजपा नेता, खासकर राज्यपाल पद का अनुभव रखने वाले नेता शामिल होंगे। एनडीए के सहयोगियों को अनौपचारिक रूप से बता दिया गया है कि उनकी जगह भाजपा से कोई और आ सकता है।

कोई विदाई भाषण नहीं

सरकारी सूत्रों ने बताया कि जगदीर धनखड़ के लिए कोई औपचारिक विदाई भाषण नहीं होगा। मंगलवार को राज्यसभा में भाजपा सांसद घनश्याम तिवारी, जो उपसभापति पैनल के सदस्य हैं, ने सदन को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की तरफ से जगदीप धनखड़ का इस्तीफा स्वीकार किए जाने की जानकारी दी। उन्होंने कहा, 'गृह मंत्रालय ने संविधान के अनुच्छेद 67A के तहत उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है।'

अब क्या होगा?

भारत के उपराष्ट्रपति का चुनाव सांसदों के दोनों सदनों के सदस्य मिलकर करते हैं। यह चुनावगुप्त मतदान और प्रोफेशनल प्रतिनिधित्व पद्धति से होता है। अगर उपराष्ट्रपति की मृत्यु, इस्तीफा या हटाए जाने से पद खाली होता है, तो संविधान के अनुसार 'जितना जल्दी हो सके' चुनाव कराया जाना चाहिए। हालांकि इसके लिए कोई निश्चित समय सीमा तय नहीं है। इस बीच,नए उपराष्ट्रपति के चुनाव की प्रक्रिया जल्द शुरू होने की उम्मीद है। जो भी व्यक्ति चुना जाएगा, वह पदभार ग्रहण करने की तिथि से पूरे 5 साल का कार्यकाल पूरा करेगा।

कहां से और कैसे चुने जाएंगे उपराष्ट्रपति पद के दावेदार?

जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद नए उपराष्ट्रपति के लिए नामों पर मंथन शुरू हो गया है। उपराष्ट्रपति पद के लिए भाजपा का नया उम्मीदवार पार्टी के कोर काडर या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पृष्ठभूमि का हो सकता है। पार्टी के अंदर इस बात पर चर्चा है कि अति महत्त्वपूर्ण पदों पर नियुक्ति केवल मूल विचारधारा से जुड़े लोगों की ही की जाए। दूसरे दलों से आए कई नेताओं ने केंद्र सरकार और भाजपा के लिए असहज स्थिति पैदा कर चुके हैं। ऐसे में अब पार्टी महत्त्वपूर्ण पदों पर नियुक्ति करते समय पार्टी की कोर विचारधारा से जुड़े लोगों के नामों पर ही विचार कर सकती है। प्रधानमंत्री के विदेश यात्रा से लौटने के बाद उनकी सहमति से इस पर अंतिम नाम पर मुहर लग सकती है।

भाजपा ने हाल में चुनाव जीतने वाले राज्यों में जिस पृष्ठभूमि के उम्मीदवारों पर अंतिम मुहर लगाई है, उसे देखते हुए भी कहा जा सकता है कि पार्टी अब अहम जिम्मेदारियों के लिए केवल मूल विचारधारा से जुड़े नेताओं को ही प्राथमिकता देगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अपने छात्र जीवन से एबीवीपी से जुड़ी रही हैं। वे पार्षद होने के साथ-साथ संघ के कार्यों से भी जुड़ी रही हैं। इसी तरह मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी छात्र जीवन से एबीवीपी से जुड़े रहे हैं और कई अहम जिम्मेदारियों को संभाल चुके हैं।

भाजपा नेताओं के अनुसार, उपराष्ट्रपति का पद अत्यंत महत्त्वपूर्ण होता है। महत्त्वपूर्ण विधेयकों को राज्यसभा से पारित कराने में उसकी भूमिका अहम होती है। ऐसे में इस पद पर पार्टी के मूल विचारधारा से जुड़े वरिष्ठ और अनुभवी नेता के नाम पर विचार किया जा सकता है। पार्टी में इस समय कई ऐसे नेता हैं जो इस समीकरण पर फिट बैठ सकते हैं। बिहार और पश्चिम बंगाल के आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए इन राज्यों से भी नया उपराष्ट्रपति लाए जाने पर विचार किया जा सकता है।

दक्षिण के राज्यों से यह मांग उठने लगी है कि अब नया उपराष्ट्रपति दक्षिण भारत से बनाया जाए। इसी तरह सहयोगी दलों की मांग भी हो सकती है कि सत्ता संतुलन बनाए रखने में उनके नेताओं के नामों पर भी विचार किया जाए। हरिवंश पहले ही जदयू के कोटे से उपसभापति बनकर राज्यसभा का कामकाज देख रहे हैं। माना जा रहा है कि टीडीपी अपना महत्त्व बढ़ाने के लिए एनडीए के अंदर इस पद पर अपना दावा ठोंक सकती है। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के प्रकरण में पार्टी को चालू संसद सत्र में ही असहज स्थिति का सामना करना पड़ा है। जगदीप धनखड़ भाजपा में शामिल होने से पहले कांग्रेस और जनता दल में रह चुके थे। इसके पहले जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल रहे सत्यपाल मलिक ने भी आपत्तिजनक बयानबाजी कर केंद्र सरकार को असहज करने का काम किया था। वे भी कांग्रेस, जनता दल, लोक दल, समाजवादी पार्टी और भारतीय क्रांति दल में रह चुके थे। जनता पार्टी के अध्यक्ष रहे डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी भी कई बार अपनी बयानबाजी से सरकार के सामने मुश्किलें खड़ी कर चुके हैं।

धनखड़ ने अपने इस्तीफे में लिखा, 'मैं स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए और डॉक्टरों की सलाह का पालन करते हुए भारत के उपराष्ट्रपति पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देता हूं।

टीबी उन्मूलन हेतु नशा मुक्ति केन्द्र में टीबी स्क्रीनिंग कैम्प का आयोजन किया गया

उज्जैन। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025 को टीबी उन्मूलन हेतु निर्धारित किया गया है जिसमें सघन टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत अधिक से अधिक जांच एवं उपचार प्रदाय किया जा रहा है।सघन टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत आज नशा मुक्ति केन्द्र मक्सी रोड़ में टीबी स्क्रीनिंग कैम्प का आयोजन किया गया है जिसमें 22 लोगों का एक्सरे किये गये एवं खखार की जांच की गई तथा सभी के CYTB टेस्ट किये गये ।इन कैम्पों के आयोजन के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ० अशोक पटेल द्वारा बताया गया कि टीबी शत प्रतिशत ठीक हो सकते हैं, बशर्ते टीबी इलाज चिकित्सक की निगरानी में समय पर पुरा लिया जाये। टीबी की जांच एवंईलाज सभी स्वास्थ्य संस्थाओं पर निःशुल्क उपलब्ध है। जिला क्षय अधिकारी डॉ० अरूण कुशवाह द्वारा आमजनों से अपील की गई वे अधिक से अधिक जांच करवायें एवं राष्ट्र को टीबी मुक्त करने में अपना सहयोग प्रदान करें।

शंकर लाल जी अग्रवाल कृष्णा गौ रक्षक सभा के निर्विरोध चुने.

श्री कृष्णा गौ रक्षक सभा के श्री शंकर लाल जी अग्रवाल निर्विरोध चुने जाने पर उनके सुपुत्र श्री राम अग्रवाल इन्होंने श्री राजू जैन जी का चौबे हाउस में फूल माला पुष्प गुच्छ देकर सत्कार किया श्री राम अग्रवाल के साथ में श्री अजीत सिंह श्री मोहताजी ब्रह्मपुरी सॉल्वेंटजय प्लांट के मलिक वह भुवनेश कुमार चौबे दिनेश ठाकुर सुशील सोनी भइयो चौबे देवेंद्र चौबे आदि ने स्वागत किया जय गओ माता की

डोंगला की प्रतिष्ठा के साथ आधुनिकीकरण पर दिया जाएगा विशेष ध्यान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उज्जैन जिले के काल गणना केंद्र डोंगला का देश में एक विशिष्ट स्थान है। डोंगला को विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित करने के साथ ही यहां स्थापित वेधशाला के समय-समय पर आधुनिकीकरण के लिए विशेष ध्यान दिया जाएगा । मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को डोंगला में " खगोल विज्ञान एवं भारतीय ज्ञान परंपरा'' पर केन्द्रित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन के साथ डोंगला भी काल गणना का महत्वपूर्ण केंद्र है। डोंगला के विकास और आधुनिकीकरण के लिए समय-समय पर कार्य किया जाएगा। डोंगला की महत्ता सर्वविदित है। राज्य सरकार वैज्ञानिक प्रबंधन तथा वैज्ञानिक शोध के लिए कटिबद्ध है। प्राचीन भारतीय ज्ञान पर और अधिक रिसर्च को बढ़ावा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर डोंगला में भारतीय ज्ञान परंपरा पर आयोजित कार्यशाला का आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजन के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद भी दिया। उन्होंने कहा कि हमारा प्राचीन ज्ञान अत्यंत महत्वपूर्ण है आधुनिक विज्ञान के साथ प्राचीन भारतीय ज्ञान का समन्वय करते हुए आज के युग की समस्याओं के समाधान के लिए शासन द्वारा कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने उज्जैन के ऐतिहासिक महत्व,महापुरुषों और नगरी की प्रतिष्ठा पर चर्चा करते हुए सिंहस्थ स्नान के परम आध्यात्मिक आनंद को भी वर्णित किया।

विज्ञान भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. शिवकुमार शर्मा ने कहा कि डोंगला भारतीय काल गणना का महत्वपूर्ण केंद्र है। भारतीय काल गणना में सूक्ष्म गणना को महत्व दिया गया है। डोंगला में प्राचीन भारतीय विरासत देखने को मिलती है, जहां विज्ञान आधारित शुद्ध भारतीय ज्ञान है । वैज्ञानिक डॉ. श्रीनिवासन ने राज्य शासन द्वारा विज्ञान के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। डॉ. अरविंद रानाडेने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा प्रदेश में विज्ञान के क्षेत्र में विकास के लिए सराहनीय कदम उठाए गए हैं। वे आमजन के साथ वैज्ञानिक समुदाय में भी लोकप्रिय है। राष्ट्रीय नव प्रवर्तन प्रतिष्ठान मध्यप्रदेश में नव प्रवर्तकों को आगे लाने के साथ ही नवाचार के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करेगा। अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री संजय दुबे ने कहा कि मध्यप्रदेश में एस्ट्रोनॉमी, एस्ट्रोफिजिक्स तथा स्पेस टेक्नोलॉजी के सामंजस्य पर कार्य किया जा रहा है। उज्जैन तथा डोंगला काल गणना का केंद्र है। कार्यशाला कोमहाप्रबंधक आरआरएससी सेंट्रल इसरो भारत सरकार डॉ. जी. श्रीनिवासन तथा प्रोफेसर मूर्ति ने भी संबोधित किया । एमओयू हुआ साइन मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के भारतीय ज्ञान परंपरा डिवीजन नई दिल्ली तथा मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के मध्य एमओयू साइन किया गया। इसके अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रमाणीकरण दस्तावेजीकरण तथा मानकीकरण का कार्य किया जाएगा । इसके अलावा आगामी मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले राष्ट्रीय ड्रोन एवं रोबोटिक्स हैकाथॉन पोस्टर का विमोचन किया गया। साथ ही आगामी जनवरी में भारतीय ज्ञान प्रणाली तथा एमपीसीएसटी द्वारा आयोजित की जाने वाली अंर्तराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के पोस्टर का भी विमोचन किया गया। इस अवसर पर जिले के प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल , सांसद श्री अनिल फिरोजिया, श्री राजेश धाकड़, विधायक डॉ. तेजबहादुर सिंह चौहान, विधायक श्री जितेन्द्र पंड्या , राष्ट्रीय नव प्रवर्तन प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. अरविंद रानाडे, राष्ट्रीय संयोजन भारतीय ज्ञान प्रणाली के राष्ट्रीय संयोजक प्रोफेसर जी.एस मूर्ति, डॉ. सोरभ शर्मा, महानिदेशक मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद श्री अनिल कोठारी, डॉ. रमन सोलंकी, डॉ. बृजेश पाण्डे, डॉ. नरेंद्र नाथ पात्रा, डॉ. गुंजन वर्मा भी कार्यशाला में सम्मिलित हुए। कार्यशाला का संचालन विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी परिषद के श्री तसलीम हबीब ने किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव महायज्ञ में हुए शामिल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को उज्जैन प्रवास के दौरान सिंहस्थ बायपास रोड़ स्थित तिरुपती क्रिस्टल कालोनी में आयोजित किए जा रहे महायज्ञ में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंच कर संत श्री टाटंबरी महाराज से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया तथा मंदिर में भगवान के दर्शन किए। इस दौरान महामंडलेश्वर रामदास जी त्यागी, श्री सियाराम दास जी पंछी घाट, महंत श्री ध्रुव दास जी महाराज सहित जनप्रतिनिधि एवं नागरिक मौजूद रहे।

प्रकृति के साथ जुड़ने की भावना का प्रकटीकरण है जल गंगा संवर्धन अभियान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

अभियान का समापन एवं वाटरशेड सम्मेलन खण्डवा में होगा 30 जून को

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की अभियान के समापन समारोह की तैयारियों की समीक्षा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जल हमारी पहली जरूरत है। वर्षा जल का संचयन और उसका संरक्षण हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। सरकार ने इसी दिशा में कदम बढ़ाकर जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया है। यह सिर्फ एक अभियान नहीं, वरन् प्रकृति के सानिध्य और इसके समीप जाकर आत्मीयता से जुड़ने की सहज भावना का प्राकट्यकरण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत प्रदेश में संचालित विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे। इस अभियान का समापन एवं वाटरशेड सम्मेलन आगामी 30 जून को खण्डवा जिले में होगा। बड़े तालाब और पुरानी बावड़ियों को भी इस अभियान से जोड़ें मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल के बड़े तालाब और सभी पुरानी बावड़ियों को भी जल गंगा संवर्धन अभियान से जोड़कर इनके विकास के लिए नवाचार किए जाएं। बड़े तालाब में शिकारा भी चलाया जा सकता है या नौकायन प्रतियोगिता भी कराई जा सकती है। इससे जनता का जुड़ाव बढ़ेगा। जनप्रतिनिधियों की सहभागिता जरूरी मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता बेहद जरूरी है, इसलिए समापन समारोह से पहले प्रदेश के सभी जिला एवं जनपदों के प्रतिनिधि, नगरीय निकायों के पदाधिकारी, विधायक, सांसद, मंत्रीगण आगामी 30 जून तक इस अभियान के तहत हो रही विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय होकर सहभागिता करें। इससे सबमें जल संरक्षण का भाव और भागीदारी का मानस विकसित होंगा। खंडवा में होगा समापन समारोह बैठक में प्रमुख सचिव ग्रामीण विकास श्रीमती दीपाली रस्तोगी ने अभियान के तहत अब तक हुई गतिविधियों एवं प्राप्त उपलब्धता की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अभियान में खंडवा जिले में जल संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय काम हुआ है।

इसीलिए अभियान का समापन समारोह भी खंडवा में ही प्रस्तावित है। समापन समारोह में खण्डवा जिले के निकटवर्ती खरगोन, बड़वानी, बुरहानपुर एवं अन्य जिलों के प्रतिभागी शामिल होंगे। समापन समारोह में खण्डवा में प्रदेश के सभी 20 हजार जलदूत सहित वाटरशेड परियोजनाओं के सभी उपयोगकर्ता दल, सभी स्व-सहायता समूह, कृषक उत्पादक संगठनों के सभी सदस्य, वाटर शेड समितियों के पदाधिकारी, उत्कृष्ट कार्य करने वाले सरपंच, अमृत सरोवरों के उपयोगकर्ता दलों के सदस्य, इस अभियान के तहत निर्मित खेत तालाबों के हितग्राही, विभिन्न विभागों के जल संरक्षण कार्यों के हितग्राही सहित करीब 50 हजार प्रतिभागी शामिल होंगे। प्रमुख सचिव ग्रामीण विकास ने बताया कि इस अभियान के दौरान बड़ी संख्या में पुराने जल स्रोतों के पुनर्जीवीकरण के साथ ही नई जल संरचनाओं का निर्माण भी किया गया है। अभियान में जनप्रतिनिधियों और समाज की भागीदारी से अच्छे परिणाम मिले हैं।अनुमान है कि जितनी तादाद में पुरानी और नई जल संरचनाओं में जल संजोया गया है, उनसे करीब 400 मिलियन क्यूबिक लीटर जल संचयन हुआ है। अभियान के तहत 1.03 लाख पुराने कुंओं में जल पुनर्भरण हुआ है। पुरानी बावड़ियों को भी साफ कराया गया है। उन्होंने बताया कि समापन समारोह में सभी सहभागी विभागों द्वारा इस अभियान के अंतर्गत किए गए जल संरक्षण और संवर्धन, जल स्रोतों का प्रदूषण कम करने, ऐतिहासिक जल संरचनाओं को संरक्षित करने, जल वितरण प्रणालियों की साफ सफाई आदि विषयों पर हुए उत्कृष्ट कार्यों का प्रदर्शन करते हुए एक वृहद प्रदर्शनी लगाई जाएगी। जल संरक्षण में अच्छा काम करने वाले होंगे सम्मानित प्रमुख सचिव ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन समारोह में प्रदेश के प्रत्येक वाटरशेड जिले की एक वाटरशेड कमेटी के अध्यक्ष, प्रत्येक वाटरशेड जिले के एक डब्ल्यूडीटी सदस्य, सर्वाधिक खेत तालाब, कूप पुनर्जलभरण कराने वाली ग्राम पंचायतों के सरपंच तथा नगरीय क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ जल संरक्षण कार्य करने वाले निकायों के महापौर, अध्यक्ष को मंच से सम्मानित किया जाएगा।

इसके अलावा अभियान के अंतर्गत भौतिक रूप से पूरे हो चुके निर्माण कार्यों (प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के कार्य भी शामिल रहेंगे), नगरीय विकास विभाग द्वारा अभियान के दौरान जीर्णोद्धार की गई जल संग्रहण संरचनाओं, जल संसाधन विभाग द्वारा पूरी की गई लघु और मध्यम सिंचाई परियोजनाओं सहित प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के कार्यों की आयोजना और प्रबंधन के लिए वाटरशेड-डब्ल्यूएमएस का लोकार्पण किया जाएगा। बैठक में मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह, प्रमुख राजस्व आयुक्त श्री विवेक पोरवाल, सचिव एवं आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े, मुख्यमंत्री के सचिव श्री सिबि चक्रवर्ती, मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार डॉ. श्रीराम तिवारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल के नेतृत्व में राजभवन में हुआ सामूहिक योगाभ्यास

राजभवन में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राजभवन में सामूहिक योगाभ्यास का नेतृत्व किया। राज्यपाल श्री पटेल के साथ करीब 150 प्रतिभागी सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में शामिल हुए। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम राजभवन के सांदीपनि सभागार मे हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में "एक पृथ्वी-एक स्वास्थ्य" थीम पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के विशाखापटनम कार्यक्रम का लाईव प्रसारण भी किया गया।योगाभ्यास कार्यक्रम में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री के.सी. गुप्ता भी मौजूद थे।योग के विभिन्न आसनों का हुआ अभ्यास राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में योग के विभिन्न आसनों, प्राणायाम, और ध्यान क्रियाओं का अभ्यास किया। मुख्य रूप से ग्रीवा चालन, स्कंध संचालन, ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, कटिचक्रासन, दण्डासन, वज्रासन, तितली आसन, उष्ट्रासन, शशांकासन, उत्तानमंडूकासन, वक्रासन, मकरासन, सेतुबंध आसन, उत्तानपादासन, पवनमुक्तासन और शवासन किए। आसनों के बाद कपालभाति, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, आदि प्राणायाम किए। क्लैपिंग एवं लाफिंग थेरेपी के साथ सामूहिक योग कार्यक्रम का समापन हुआ। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल का अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के प्रारंभ में पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत के प्राचीन ज्ञान विज्ञान के वाहक योग के माध्यम से संपूर्ण विश्व में भारतीय संस्कृति की पताका लहराई : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि डोंगला अब नगरी के रूप में विकसित हो रही है। उज्जैन काल की नगरी है और प्राचीन काल में समय गणना का प्रमुख केंद्र रहा है, यह काल गणना के केंद्र में पुनः स्थापित होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के प्राचीन ज्ञान विज्ञान के वाहक योग के माध्यम से संपूर्ण विश्व में भारतीय संस्कृति की पताका लहरा दी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के विजन अनुसार आज की दुनिया युद्ध की नहीं अपितु अहिंसा और भगवान बुद्ध की दुनिया है। हमारी सनातन संस्कृति ताकत के प्रकटीकरण की जगह शिक्षा और विज्ञान से दुनिया के कल्याण की बात करती है। हजारों सालों से हमारे ऋषि मुनियों ने ध्यान से ज्ञान संकलित कर ज्ञान से विश्व कल्याण के कार्य किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को डोंगला स्थित वराहमिहिर खगोलीय वेधशाला में विद्यार्थियों से संवाद के दौरान यह बात कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज 11वें अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर संपूर्ण विश्व के कोने-कोने में योग किया जा रहा है। योग के माध्यम से विश्व में व्यक्ति से व्यक्ति को जोड़कर शांति के द्वार प्रशस्त किये जा रहे हैं। पिछली कुछ सदियों में पश्चिम के विज्ञान को महत्व दिया गया, परन्तु 21वीं शताब्दी में भारतीय ज्ञान को महत्व दिया जा रहा है। कोविड के बाद से सभी को भारतीय संस्कृति के 'नमस्कार' की महत्ता समझ आई है। हमारा पुरातत्व ज्ञान सृष्टि के मूल्यवान वस्तुओं से भी ज्यादा बेशकीमती और महत्वपूर्ण है मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यहां डोंगला वेधशाला स्थित शंकु यंत्र के माध्यम से सूर्य के परिचालन का माप लगाया जा सकता है। भारतीय ज्ञान परंपरा में छोटे छोटे सिद्धांतों के माध्यम से हमारे पूर्वजों ने विज्ञान को हमारी जीवनशैली बना दी। वैज्ञानिक जीवनशैली ने हमारी संस्कृति को आज तक जीवित रखा है। संभवतः भगवान श्रीकृष्ण महाभारतकाल में नारायणा धाम से डोंगला तक इसी वेधशाला की खोज में आए। यह भगवान श्रीकृष्ण का वैज्ञानिक स्वरूप भी हो सकता है। डोंगला स्थित वराहमिहिर खगोलीय वेधशाला को अंतर्राष्ट्रीय रिसर्च का केंद्र बनाने के लिए मध्यप्रदेश सरकार प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में सम्पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। राष्ट्रीय संगठन मंत्री विज्ञान भारती डॉ. शिवकुमार शर्मा ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर चर्चा के दौरान प्राचीन भारतीय विज्ञान संबंधी प्रश्न आते है। हमारे यहां नक्षत्रों के आधार पर समय का मापन किया जाता है। भारतीय ज्ञान परंपरा का वाहक बनने का इस संवाद से आपको मौका मिला है। प्राचीन काल में यह स्थल गणना का केंद्र था, अपनी रिसर्च के माध्यम से हम इसे पुनः काल गणना का केंद्र बनाएंगे। कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को प्रभारी मंत्री श्री टेटवाल और सांसद श्री फिरोजिया ने पौधा भेंट किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलन किया और विद्यार्थियों से चर्चा की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शाला में प्रवेश करने वाले विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम और बैग वितरित किया।

पुराने जल स्रोतों को संवारना और पौधे लगाना जरूरी तभी आगामी पीढ़ी के लिए होगा पर्याप्त जल : मंत्री श्री पटेल

सिंध एवं सगड़ नदी के उद्गम स्थल पर की पूजन अर्चना विदिशा जिले के लटेरी में जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम में शामिल हुए

पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल शनिवार को विदिशा जिले की लटेरी तहसील के गोपीतलई में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने सिंध एवं सगड़ नदी के उद्गम स्थल पर पूजन अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण के साथ किया। मंत्री श्री पटेल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने ने जल स्रोतों को संवारने व उनके जीर्णोद्धार और पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से इस वर्ष जल गंगा संवर्धन अभियान की क्रियान्वयन अवधि 3 माह तक संचालित की है जो जल संरक्षण की दिशा में प्रशंसनीय है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि इस वर्ष मैने प्रदेश के कुल 79 उद्गम स्थलों का निरीक्षण किया है। जल स्रोतों को संवारने व पानी की उपलब्धता आगामी पीढ़ी को सुनिश्चित हो उसके लिए आज हमें जागरूक होने की आवश्यकता है।

उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से पुराने जल स्रोतों को संवारने, पुनर्जीवन और नए निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं, जिससे आगामी पीढ़ी को पर्याप्त मात्रा में जल की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। मंत्री ने कहा कि जल स्रोतों की चिंता करनी होगी साथ-साथ उन्हें जिंदा रखना हमारी जिम्मेदारी होगी। पिछले कुछ सालों में ग्रामीण क्षेत्रों में जो जल स्रोत थे वह समाप्त हुए हैं उसकी क्या वजह रही है उसे जानने की आवश्यकता है और उन्हें पुनर्जीवित करने की आवश्यकता भी है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान का सिद्धांत है कि नए स्रोत तैयार करें और पुराने जल स्रोतों को भी संवारें। वर्तमान की स्थिति में धरती का जल स्तर नीचे जा रहा है इसलिए हमें जल स्रोतों को संवारना होगा। उन्होंने कहा कि बड़ी नदियां तब

बनेगी जब हम छोटी नदियों को बारहमासी बनाएंगे। साथ ही उन्होंने पौधारोपण पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें जल संरक्षण के साथ पौधे लगाने की भी आवश्यकता है इसलिए हमें पौधे लगाना तो है साथ ही उन्हें वट वृक्ष बन बनने तक संरक्षण का कार्य भी करना है। हम पांच सात वर्षों तक निरंतर इसी प्रकार से कार्य करेंगे तो निश्चित तौर पर जल स्रोतों को तैयार कर सकेंगे और हमारी आगामी पीढ़ी को पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध हो सकेगा और आने वाले वर्षों में जल संकट जैसी स्थिति निर्मित नहीं होगी।मंत्री श्री पटेल ने जल संरक्षण की दिशा में बासौदा की पाराशरी नदी के लिए किये जा रहे कार्यों का भी जिक्र किया उन्होंने कहा कि पाराशरी नदी में 5 किलोमीटर तक का कार्य किया जा रहा है, जो क्षेत्र के लिए बड़े स्तर पर पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि,अधिकारी, कर्मचारी और नागरिक बंधु मौजूद रहे।

शादी के सीजन में खूब ट्रेंड में चल रही ये 5 तरह की साड़ियां, अपने कलेक्शन में जरूर करें शामिल

साड़ी एक ऐसा परिधान है जो हमेशा से शादी या किसी भी खास इवेंट पर महिलाओं के लिए बेस्ट होता है. ऐसे में शादियों के सीजन आते ही मार्केट में साड़ी के नए-नए पैटर्न और फैब्रिक आने लगते हैं. हर साल यह स्टाइल बदलता है. ऐसे में अगर आप शादी जैसे खास मौके के लिए साड़ी लेने वाली हैं तो इस साल के लेटेस्ट स्टाइल की साड़ी आपको जरूर लेनी चाहिए. हम आपके लिए इस सीजन के ट्रेंडिंग साड़ी लेकर आए हैं जो आपको सबसे खूबसूरत और मॉडर्न बनाएंगी. तो आइए देखते हैं कि साड़ी के कौन से डिजाइन आजकल बहुत ट्रेंड में चल रहे हैं.

चंदेरी साड़ी

आजकल लोगों को खूब पसंद आ रही है. शादी हो या कोई इवेंट, चंदेरी साड़ी पहनी हुई महिला अलग ही दिखाई देती है. चंदेरी साड़ी की खासियत यह है कि यह बहुत हल्का और मुलायम फैब्रिक का होने के साथ ही चमकदार भी होता है, जो इसे पार्टियों में लंबे समय तक पहनने के लिए आरामदायक बनाता है.

बांधनी साड़ी

बांधनी साड़ी के खूबसूरत प्रिंट्स और डिजाइन इसे ट्रेंड में लाते हैं. आप इसे किसी भी रंग और पैटर्न में ले सकती हैं. शादी में रॉयल लुक पाने के लिए बांधनी साड़ियां बेस्ट होती हैं.

ऑर्गेंजा साड़ी

फ्लोरल प्रिंट्स वाली ऑर्गेंजा साड़ी आपको मॉडर्न लुक देने के साथ ही सबसे खास बनाती है. इसे अक्सर सिल्क के धागों से बनाया जाता है, जिसके कारण यह बहुत ही शाइनी दिखती है.

मेटैलिक साड़ी

इस तरह की मेटैलिक साड़ी साड़ी आजकल महिलाओं की पहली पसंद बन चुकी है. इसमें चमकदार मेटल्स से डिजाइन बनाया जाता है, जो आपको सबसे यूनिक और खास बनाती है. इसे आप अलग-अलग रंगों में ले सकती हैं.

लेहरिया साड़ी

लेहरिया साड़ी में इस तरह के लेहरिया पैटर्न होते है जो इसकी खूबसूरती बनाते हैं. इसे आप अलग अलग फैब्रिक में पा सकती हैं साथ ही ये सभी रंगों में आसानी से मिल सकते हैं.

ये हैं मध्य प्रदेश के टॉप-10 इंजीनियरिंग कॉलेज, जानें फीस सहित अन्य डिटेल्स

अगर आप बीटेक मध्य प्रदेश से करना चाहते हैं तो हम यहां पर राज्य के बेहतरीन इंजीनियरिंग कॉलेजों के बारे में बता रहे हैं। जहां एडमिशन लेकर आप अपना करियर बना सकते हैं। साथ ही इन कॉलेजों में फीस भी कम लगती है और बढ़िया प्लेसमेंट भी होता है। ऐसे में आइए जानते हैं मध्य प्रदेश के टॉप-10 इंजीनियरिंग कॉलेजों के बारे में.....

आईआईटी इंदौर

छात्र आईआईटी इंदौर से बीटेक कर सकते हैं। हालांकि यहां पर उन्हें ही प्रवेश मिलता है, जो जेईई एडवांस्ड की परीक्षा क्लियर करते हैं। यहां की एक साल की फीस 2 लाख 33 हजार है। अधिक जानकारी ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर चेक किया जा सकता है।

MANIT, भोपाल

मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी,भोपाल से भी छात्र बीटेक की पढ़ाई कर सकते हैं। यहां पर जेईई एडवांस्ड-जेईई मेन अच्छा स्कोर हासिल करने वाले अभ्यर्थियों को ही एडमिशन मिल पाता है। यहां की एक साल की फीस 71 हजार रुपए है। पढ़ाई के बाद छात्रों को आसानी से 15-20 लाख रुपए का प्लेसमेंट मिल जाता है।

IIIT, भोपाल

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, भोपाल से भी छात्र बीटेक कर सकते हैं। अधिक जानकारी ऑफिशियल वेबसाइट पर चेक किया जा सकता है। यहां कि एक साल की फीस 1 लाख 79 हजार है। यहां से पढ़ाई करने वाले छात्रों का एवरेज पैकेज 135400 है।

इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, देवी अहिल्या बाई, DAVV

देवी अहिल्याबाई विवि से भी छात्र बीटेक की पढ़ाई कर सकते हैं। यह कॉलेज इंदौर में स्थित है। यहां की एक साल की फीस 82961 रुपए है। पढ़ाई के बाद छात्रों को नौकरी भी आसानी से मिल जाती है। अधिक जानकारी ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर चेक किया जा सकता है।

यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि

छात्र बीटेक के लिए यहां पर भी एडमिशन ले सकते हैं। मध्य प्रदेश के टॉप कॉलेजों में यह भी शुमार है। पढ़ाई के बाद छात्रों का आसानी से बढ़िया प्लेसमेंट भी हो जाता है।

अवधेश प्रताप सिंह यूनिवर्सिटी

बीटेक करने के इच्छुक छात्र अवधेश प्रताप सिंह यूनिवर्सिटी से भी बीटेक कर सकते हैं। यहां कि एक साल की बीटेक की पढ़ाई की फीस 40000 रुपए है। अधिक जानकारी ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर चेक किया जा सकता है।

आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी, भोपाल

छात्र आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी, भोपाल से भी बीटेक की पढ़ाई कर सकते हैं। यहां की एक वर्ष की फीस 55000 रुपए है। पढ़ाई के बाद छात्रों का लाखों रुपए का प्लेसमेंट आसानी से हो जाता है।

वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी, भोपाल

छात्र वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी से भी बीटेक की पढ़ाई कर सकते हैं। यहां कि एक साल की पढ़ाई की फीस 2 लाख रुपए है। अधिक जानकारी ऑफिशियल वेबसाइट से चेक किया जा सकता है।

अटल बिहारी वाजपेई इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट

अटल बिहारी वाजपेई इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, ग्वालियर से भी छात्र बीटेक की पढ़ाई कर सकते हैं। यहां की एक साल की पढ़ाई कि फीस 79750 रुपए है।

IITDM, जबलपुर

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी डिजाइन एंड मैनुफैक्चरिंग से भी छात्र बीटेक कर सकते हैं। यहां की एक साल की फीस 1 लाख 58 रुपए है। अधिक जानकारी अभ्यर्थी ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर चेक कर सकते हैं। यहां से पढ़ाई के बाद छात्रों का बढ़िया प्लेसमेंट भी हो जाता है।

इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय की मुख्य विशेषताएं

छात्रों को उद्योग में सफल करियर के लिए तैयार किया जाता है, जो बुनियादी विज्ञान और गणित में मजबूत आधार के माध्यम से भारतीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों की जरूरतों को पूरा करता है और उन्हें अपने चुने हुए क्षेत्र में इस सीख की सराहना करने और अपनी पेशेवर और कैरियर की आकांक्षाओं को पूरा करने में सक्षम बनाता है।

छात्रों को सहायता प्रदान की जाती है और उन्हें मजबूत, स्वतंत्र शिक्षण, विश्लेषणात्मक और समस्या समाधान कौशल प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया जाता है, जिसमें प्रभावी संचार और टीम वर्क पर विशेष जोर दिया जाता है छात्रों को जीवनपर्यन्त सीखने, अनुसंधान एवं नवाचार के लिए तैयार किया जाता है, ताकि वे स्नातकोत्तर अध्ययन में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें, भारतीय कंपनियों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में सफल कैरियर बना सकें और उद्यमी बन सकें।

डिप्लोमा और यूजी स्तर पर, औद्योगिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का हिस्सा है और उद्योग के विशेषज्ञों द्वारा विशेष व्याख्यान और औद्योगिक दौरे एफईटी कार्यक्रमों की एक नियमित विशेषता है।

नवीनतम प्रौद्योगिकियों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के लिए प्रयोगशालाओं की अत्याधुनिक अवसंरचना।

हुवाई टेक्नोलॉजीज, अमेज़न एडब्ल्यूएस एजुकेट, एप्पल, एचपी और रेड हैट टेक्नोलॉजीज जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के सहयोग से कौशल उन्मुख कार्यक्रम

संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, ताइवान, यूके जैसे विभिन्न स्थानों पर विभिन्न विश्वविद्यालयों के अंतर्राष्ट्रीय छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ अध्ययन और कार्य करने के अवसर।

एचपी, रेड हैट, अमेज़न, सिनॉप्सिस इंक आदि जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों में इंटर्नशिप के अवसर। कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों को करने के लिए एप्पल, एचपी, रेड हैट और हुआवेई टेक्नोलॉजीज द्वारा प्रमाणित होने के अवसर। कार्यक्रम के दौरान वैश्विक स्थानों पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर। एम.टेक . और पीएचडी छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों के मार्गदर्शन में अपनी शोध परियोजनाएं पूरी करने का अवसर मिलेगा। ऊर्जा खपत को कम करने के लिए हाइब्रिड जियोथर्मल वेंटिलेशन सिस्टम के प्रदर्शन विश्लेषण पर एमपीसीएसटी भोपाल द्वारा स्वीकृत अनुसंधान परियोजनाएं

मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों से दिया गया योग का संदेश

पर्यटन स्थलों पर साधकों ने की सामूहिक योग साधना मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस "योग संगम" का आयोजन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में पर्यटन विभाग ने प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर सामूहिक योग कर योग का संदेश दिया। इन सभी स्थलों पर "योग संगम" का आयोजन किया गया। योग के वैश्विक महत्व को बढ़ावा देने और नागरिकों को स्वस्थ जीवन-शैली अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से आयोजित योग संगम में बड़ी संख्या में जन-प्रतिनिधियों, अधिकारियों–कर्मचारियों, स्कूली विद्यार्थियों और नागरिकों ने हिस्सा लेकर योग साधना की। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति तथा प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि भारत सरकार द्वारा निर्धारित इस वर्ष की थीम 'एक पृथ्वी एवं एक स्वास्थ्य के लिये योग' है, जो योग के समग्र लाभों और वैश्विक कल्याण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हमारा प्रयास है कि इन कार्यक्रमों के माध्यम से न केवल योग के महत्व को उजागर किया जाए, बल्कि मध्यप्रदेश को एक प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में भी बढ़ावा दिया जाए। प्रमुख पर्यटन स्थलों पर हुए सामूहिक योग कार्यक्रम प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर सामूहिक योगाभ्यास के कार्यक्रम हुए। यह कार्यक्रम धार जिले के मांडू, ग्वालियर किला, अशोकनगर के चंदेरी, मुरैना के पड़ावली, अनूपपुर जिले के अमरकंटक, रायसेन जिले के भीमबेटका और सांची, राजधानी भोपाल के केरवा, विंड एंड वेव्स, कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर, उमरिया जिले के बांधवगढ़, छतरपुर जिले के खजुराहो-पश्चिमी मंदिर समूह, निवाड़ी जिले के ओरछा कंचना घाट, जबलपुर के भेड़ाघाट, उज्जैन के महाकाल लोक, इंदौर के राजवाड़ा, खण्डवा जिले के ओंकारेश्वर एकात्म धाम, नर्मदापुरम जिले के पचमढ़ी धूपगढ़ में 'योग संगम" के माध्यम से मध्यप्रदेश ने यह संदेश दिया कि योग केवल आत्मिक और शारीरिक संतुलन का माध्यम ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना और पर्यटन को बढ़ावा देने का भी प्रभावशाली साधन है। प्रदेश के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक स्थलों से दिया गया योग का संदेश न केवल नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करता है, बल्कि इन स्थलों की वैश्विक पहचान को भी सशक्त करता है। यह आयोजन पर्यटन और योग का सुंदर समागम बनकर उभरा है, जो 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' की थीम को सार्थक करता है और मध्यप्रदेश को एक समग्र एवं जागरूक पर्यटन राज्य के रूप में स्थापित करता है।

भारत में मानसून में घूमने के लिए शीर्ष स्थान

भारत में मानसून की छुट्टियाँ निश्चित रूप से एक जीवन भर का अनुभव है क्योंकि विदेशी स्थान आपको अपनी सुंदरता से मंत्रमुग्ध कर देते हैं। पहाड़ियाँ और पहाड़ हरे-भरे हरियाली से भर जाते हैं, झीलें चमकते पानी से भर जाती हैं, और झरने के दृश्य स्वर्गीय हो जाते हैं और आपको अतुल्य भारत से प्यार हो जाता है। हालाँकि ये भारत में मानसून में घूमने की जगहें हैं, हम आपसे अनुरोध करते हैं कि इनमें से किसी भी गंतव्य की यात्रा की योजना बनाने से पहले मौसम के पूर्वानुमान का अध्ययन करें।

यदि आप उन लोगों में से हैं जिन्हें थोड़ा भी भीगने से कोई परेशानी नहीं है, तो भारत में मानसून में घूमने की जगहें गर्म कॉफी पीने और गर्म पकौड़े का आनंद लेने के लिए बिल्कुल उपयुक्त हैं:

लोनावाला

क्या आप मुंबई में रह रहे हैं और बारिश के मौसम में भारत में घूमने की जगहें के बारे में सोच रहे हैं? खैर, आपके ठीक बगल में एक है – लोनावाला! मानसून की शुरुआत के साथ, सह्याद्री पर्वत श्रृंखलाएं और घाट आकर्षक हरियाली, मनमोहक झरनों और सुखद जलवायु के साथ पुनर्जीवित हो जाते हैं। शहर की हलचल से तुरंत राहत पाने के लिए, लोनावाला के विचित्र पहाड़ी शहर की यात्रा की योजना बनाएं। यह भारत में बरसात के मौसम में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है। दर्शः प्रकृति प्रेमियों के लिए करने के लिए कामः ट्रैकिंग, दर्शनीय स्थल, कैम्पिंग, घुड़सवारी

कैसे पहुंचे: सड़क मार्ग से यह मुंबई से 1 घंटा 45 मिनट (83.6 किमी) और पुणे से 1 घंटा 26 मिनट (67.1 किमी) दूर है। लोनावला का अपना रेलवे स्टेशन है और इस मार्ग पर चलने वाली लगभग सभी ट्रेनें यहीं रुकती हैं। निकटतम हवाई अड्डा मुंबई हवाई अड्डा है, जो 89 किमी की दूरी पर है। आकर्षणः द टाइगर पॉइंट नामक चट्टान के शीर्ष पर बहने वाली धारा के व्यापक दृश्य का आनंद लें और तीसरी से दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व के आसपास बौद्ध भिक्षुओं द्वारा निर्मित कार्ला गुफाओं की शांति का आनंद लें। बुशी बांध के पास एक प्रसिद्ध झरना है जो सभी मानसून प्रेमियों के लिए एक बहुत लोकप्रिय स्थान है। भूमि पैकेजः INR 6,000 ठहरने के लिए होटलः हिल्टन शिलिम एस्टेट रिट्रीट एंड स्पा, ट्रीबो ट्रेंड इंद्रलोक इन लोनावाला स्मृति चिन्हः चिक्की – एक स्थानीय मिठाई, लकड़ी का स्मृति चिन्ह

मानसून में लोनावाला में मौसमः कम से मध्यम वर्षा और 25 डिग्री सेल्सियस के औसत तापमान के साथ जलवायु सुखद रहती है।

महाबलेश्वर, महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के महाबलेश्वर हिल स्टेशन की सुंदरता बारिश के मौसम में दोगुनी हो जाती है। महाबलेश्वर हरे-भरे पहाड़, स्ट्रॉबेरी फार्म और शानदार घाटियों के लिए लोकप्रिय है। मानसून में बादलों से ढके रास्ते और बहते झरने इस जगह को जादुई बना देते हैं। आप यहां आर्थर सीट, वेन्ना लेक और प्रतापगढ़ किला घूमने जा सकते हैं।

खंडाला, महाराष्ट्र

मुंबई और पुणे के पास स्थित लोनावला और खंडाला हिल स्टेशन मानसून में हरियाली से ढक जाता है। ट्रेकिंग, झरने और खूबसूरत घाटियों के लिए बरसात के मौसम में यह जगह बेस्ट है। अगर आप लोनावला और खंडाला घूमने जा रहे हैं तो यहां कुछ जगहें पर्यटकों के बीच आकर्षण का केंद्र रहती हैं। आप भुशी डैम, टाइगर पॉइंट और राजमाची किले की सैर के लिए जरूर जाएं।

अलेप्पी, केरल

मानसून में बैकवॉटर का अनुभव और हाउसबोट की अनोखी सैर करना चाहते हैं तो केरल के अलेप्पी की यात्रा करें। बारिश की फुहारों के साथ शांत जल में हाउस बोट पर तैरते रहना एक अलौकिक अनुभव देगा। बरसात की बूंदे हरियाली को अधिक खिला देंगी।

मुन्नार, केरल

केरल का मुन्नार हिल स्टेशन चाय के बागानों के लिए प्रसिद्ध है। बरसात में इन्हीं चाय के बागानों की हरियाली दोगुनी खूबसूरती के साथ नजर आती है। यहां बादलों से घिरे पहाड़ और शांत झीलें मनमोहक अनुभव कराती हैं। मानसून में यह हिल स्टेशन फोटो-परफेक्ट बन जाता है। मुन्नार के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में एराविकुलम नेशनल पार्क और मट्टुपेट्टी डैम का नाम शामिल है।

वैली ऑफ फ्लावर्स, उत्तराखंड

उत्तराखंड के चमोली जिले में फूलों की घाटी स्थित है, जिसकी अद्भुत खूबसूरती के कारण यूनेस्को ने इसे वर्ल्ड हेरिटेज साइट घोषित किया है। जुलाई से अगस्त माह में यहां हजारों किस्म के रंग-बिरंगे फूल खिलते हैं।

टाटा मोटर्स ने लांच किया नया Tata Ace Pro, सबसे किफायती मिनी ट्रक की कीमत 3.99 लाख रुपये से शुरू

देश की प्रमुख वाहन निर्माता Tata Motors की ओर से कई सेगमेंट में वाहनों की बिक्री की जाती है। निर्माता की ओर से कमर्शियल सेगमेंट में भी वाहनों को ऑफर किया जाता है। निर्माता की ओर से 23 जून 2025 को बाजार में नए Tata Ace Pro को लॉन्च कर दिया गया है। इसमें किस तरह की खासियत को दिया गया है। किस कीमत पर इसे खरीदा जा सकता है। आइए जानते हैं।

भारतीय बाजार में कमर्शियल वाहनों की बिक्री करने वाली प्रमुख वाहन निर्माता Tata Motors की ओर से कई सेगमेंट में वाहन ऑफर किए जाते हैं। निर्माता की ओर से हाल में ही Tata Ace Pro को बाजार में लॉन्च किया गया है। इसमें किस तरह की खासियत और तकनीक को दिया गया है। किस कीमत पर इसे खरीदा जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

लांच हुआ Tata Ace Pro

टाटा मोटर्स की ओर से मिनी ट्रक सेगमेंट में Tata Ace Pro को भारतीय बाजार में लॉन्च कर दिया गया है। इस मिनी ट्रक को सबसे किफायती मिनी ट्रक बताया जा रहा है।

क्या है खासियत

Tata Ace Pro की सबसे बड़ी खासियत यही है कि इसे पेट्रोल, सीएनजी और ईवी तीनों तकनीक में ऑफर किया गया है। जिससे लोगों को अपनी जरुरत के मुताबिक विकल्प चुनने में सहायता मिलती है। इसमें 6.5 फीट का डेक दिया गया है जिसपर 750 किलोग्राम तक का सामान रखा जा सकता है। इसके साथ ही यह फैक्ट्री फिटेड लोड बॉडी विकल्पों के साथ ऑफर किया गया है।

कितना दमदार इंजन

निर्माता की ओर से इसमें 694 सीसी की क्षमता का इंजन दिया गया है। जिससे इसे 30 बीएचपी की पावर और 55 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। वहीं इलेक्ट्रिक वर्जन से 38 बीएचपी की पावर और 104 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। सिंगल चार्ज में इसे 155 किलोमीटर तक चलाया जा सकता है। सीएनजी विकल्प में पांच लीटर का अतिरिक्त पेट्रोल टैंक दिया गया है और सीएनजी इंजन के साथ यह 26 बीएचपी की पावर और 51 न्यूटन मीटर का टॉर्क जेनरेट करता है।

अधिकारियों ने कही यह बात

टाटा मोटर्स के कार्यकारी निदेशक गिरीश वाघ ने कहा कि टाटा ऐस के लॉन्च ने भारत की कार्गो मोबिलिटी में क्रांति ला दी है। बिल्कुल नए टाटा ऐस प्रो के साथ हम सपने देखने वालों की नई पीढ़ी के लिए नए उद्देश्य के साथ इस विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। स्थिरता, सुरक्षा और लाभप्रदता के लिए डिज़ाइन किया गया ऐस प्रो अपने भविष्य की जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार महत्वाकांक्षी उद्यमियों की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अधिक कमाई की संभावना को खोलता है।

कितनी है कीमत

टाटा मोटर्स की ओर से नए Tata Ace Pro को 3.99 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर लॉन्च किया गया है।

Suzuki e-Access की ये 5 खूबियां बाकी इलेक्ट्रिक स्कूटर को देगी तगड़ा कॉम्पिटिशन

भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक स्कूटर्स की बढ़ती डिमांड को देखते हुए अब बड़ी कंपनियों के बीच दिलचस्प जंग शुरू हो गई है। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में टीवीएस, बजाज, होंडा और हीरो मोटोकॉर्प जैसी स्थापित कंपनियों के लगातार बढ़ते मार्केट शेयर को देखते हुए सुजुकी मोटरसाइकल इंडिया भी आने वाले चंद दिनों में अपना पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर सुजुकी ई-एक्सेस लॉन्च करने जा रही है। हालांकि, लॉन्च से पहले ही इसके लुक-डिजाइन और फीचर्स के साथ ही बैटरी, पावर, रेंज, परफॉर्मेंस और कंफर्ट-कन्वीनियंस से जुड़ीं खूबियों की सारी जानकारी आ गई है। ऐसे में हमने सोचा कि क्यों ना आपको सुजुकी ई-एक्सेस की 5 सबसे खास बात बताएं, जो बाकी कंपनियों के इलेक्ट्रिक स्कूटर्स के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है। सबसे पहले सुजुकी ई-एक्सेस के लुक और डिजाइन की बात करें तो यह इलेक्ट्रिक स्कूटर देखने में बहुत हाई-फाई नहीं लगता है और इसका डिजाइन मिनिमल रखा गया है। हालांकि, इसमें काफी सारे आकर्षक एलिमेंट्स रखे गए हैं, जो आपकी आंखों को सुकून देते हैं। ई-एक्सेस नई एलईडी पोजीशन हेडलैंप दी गई है। गाड़ी के आगे एक एलईडी लाइट लगी है जो ऊपर की तरफ जाती है और यह स्कूटर को एक अलग लुक देती है। इसमें टर्न इंडिकेटर और टेललाइट भी एलईडी के हैं। लाइट्स की पोजिशनिंग अच्छी है ये देखने में आकर्षक लगती हैं। इस स्कूटर को मेटैलिक मैट ब्लैक नंबर 2 और मेटैलिक मैट बोर्डो रेड, पर्ल जेड ग्रीन और मेटैलिक मैट फाइब्राइन ग्रे, पर्ल ग्रेस वाइट और मेटैलिक मैट फाइब्रोइन ग्रे जैसे कलर विकल्पों में खरीद सकते हैं।बिल्ड क्वॉलिटी की बात करें तो सुजुकी ई-एक्सेस काफी स्ट्रॉन्ग है। इसमें 12 इंच के फ्रंट और रियर टू टोन इफेक्ट से लैस नए व्हील लगे हैं, जो मशीन से बनाए गए हैं। इनका डिजाइन बहुत अच्छा है। बाद बाकी साइड स्टैंड, हैंडलबार, स्विच गियर, स्क्रीन पैनल और ग्रैब रेल समेत अन्य चीजें भी मजबूत हैं। ई-एक्सेस के फ्रंट में टेलीस्कोपिक, कॉइल स्प्रिंग ऑयल डैम्प्ड सस्पेंशन दिया गया है, वहीं रियर में स्विंगआर्म टाइप कॉइल स्प्रिंग ऑयल डैम्प्ड सस्पेंशन है। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर के फ्रंट में डिस्क और रियर में ड्रम ब्रेक दिया गया है। इसमें कंबाइंड ब्रेक सिस्टम भी है, जिससे गाड़ी को कंट्रोल करना आसान होता है।

10 टिप्स को अपना लेंगे तो सायबर फ्रॉड से बचे रहेंगे

• OTP कभी भी अनजान कॉल या मेसेज पर साझा न करें • जॉब ऑफर के लिए अनजान ईमेल पर क्लिक न करें • सोशल मीडिया पर संवेदनशील जानकारी साझा न करें।

AI के ज़ोर पकड़ने के बाद से साइबर क्राइम 2024 में नेक्स्ट लेवल पर पहुंच गए। साइबर फ्रॉड के नए-नए ट्रेंड से आमना-सामना हुआ। बेहतर यही होगा कि साल 2024 से जो 'सबक' मिले, वे 2025 में 'संकल्प' के रूप में दिखें। NBT बता रहा है 10 टिप्स, जो आपको साइबर फ्रॉड से बचाएंगे। विशाल आनंद शर्मा की रिपोर्ट:

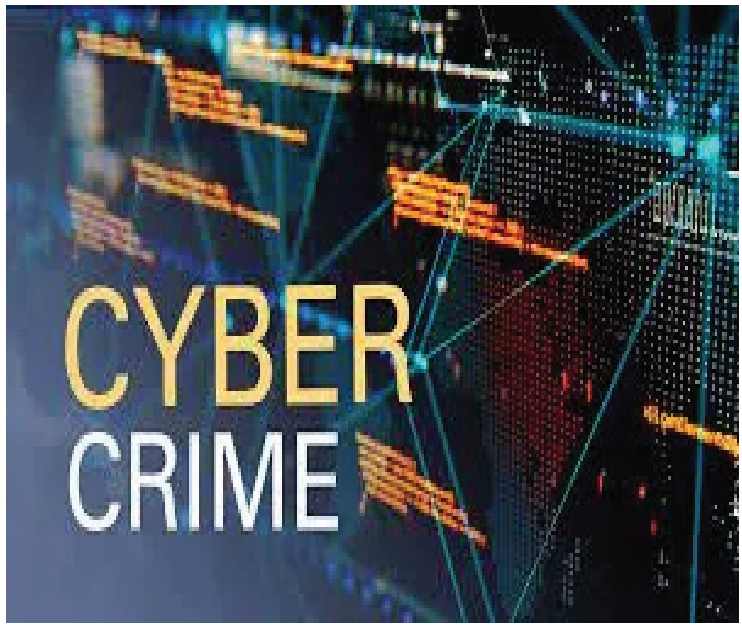

OTP शेयर नहीं करेंगे

आप ठान लें कि कभी भी अनजान कॉल या मेसेज पर OTP शेयर नहीं करेंगे। नतीजा यह होगा कि आप अपने बैंक अकाउंट,मोबाइल, लैपटॉप को हैक होने से बचा सकेंगे। साथ ही, साइबर स्कैम के कई अन्य खतरों से बचे रहेंगे। OTP यानी One Time Password ऐसा सेफ्टी फीचर है जो किसी खाते, वेबसाइट या ऐप में लॉगिन करने या किसी महत्वपूर्ण लेन-देन को वेरिफाई करने के लिए भेजा जाता है। इसे कभी भी किसी अन्य के साथ शेयर नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह आपकी ऑनलाइन सुरक्षा को खतरे में डाल सकता है। यदि आपसे कोई अनजान OTP मांगता है, तो उसे बिल्कुल साझा न करें, क्योंकि यह खतरे का अलार्म है। ऑथेंटिकेशन ऐप का उपयोग करें (जैसे Google Authenticator), जो OTP के साथ-साथ अतिरिक्त सिक्योरिटी लेयर देता है। नोटिफिकेशन और आधिकारिक वेबसाइट / ऐप्स के माध्यम से अपने लेन-देन और लॉग-इन एक्टिविटी पर नजर रखें।

अनजान नंबर से विडियो कॉल रिसीव नहीं करें

2024 में सेक्सटॉर्शन की कई साइबर घटनाओं से सबक मिला है कि अनजान नंबर से आने वाले मेसेज, ऑडियो और विडियो कॉल से बचना है। इसमें आपत्तिजनक तस्वीरें, विडियो या जानकारी लेकर धमकाया जाता है। पैसों की डिमांड की जाती है। पूरी नहीं करने पर तस्वीरों / विडियो को वायरल करने की धमकी दी जाती है। कॉल करने वाले को तुरंत ब्लॉक करना है। फिर भी अगर परेशान करता है तो इसकी रिपोर्ट पुलिस को जरूर करनी है। Truecaller जैसे कई ऐप अनजान कॉलर को पहचानने में मदद करते हैं। स्पैम या अनचाहे कॉल्स से बचने के लिए कॉल को ब्लॉक करने का विकल्प देते हैं। DND (Do Not Disturb) मोड ऐक्टिव किया जा सकता है। ऑडियो/ विडियो कॉल्स को मैनुअली नहीं उठाना है। ज्यादातर स्कैमर्स और स्पैमर्स यही तरीका अपनाते हैं। आप उस कॉल को रिजेक्ट कर सकते हैं या वॉयस मेल पर भेज सकते हैं। किसी अनजान से विडियो कॉल में विडियो के साथ डेटा ट्रांसफर का भी खतरा है।

'जॉब फिशिंग' के कांटे में नहीं फंसना

ईमेल स्पूफिंग यानी किसी बड़ी कंपनी के ईमेल से मिलते-जुलते फॉरमैट में Email ID बनाना। साइबर अपराधी इम्प्लॉयमेंट डिटेल्स को सोशल मीडिया लिंक्डइन, फेसबुक,इंस्टाग्राम आदि से चोरी करते हैं। असली जैसी दिखने वाले नकली ईमेल आईडी से जॉब ऑफर आता है। टेस्ट, इंटरव्यू भी होता है। फिर फेक ऑफर लेटर भी भेजा जाता है। तब तक इस पूरी प्रक्रिया के दौरान आपकी कई निजी जानकारियां जैसे पता, पास्ट इम्प्लॉयमेंट, अकाउंट स्टेटमेंट आदि ले लिया जाता है। रजिस्ट्रेशन फीस के नाम पर कुछ मामूली पैसे ऑनलाइन जमा कराए जाते हैं। उसके लिए जो लिंक दिया जाता है, वह Malware लिंक होता है जो पेमेंट करते वक्त सारी बैंकिंग डिटेल्स और पासवर्ड कैप्चर कर लेता है। इसलिए किसी भी ईमेल या मेसेज से आए अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करना है। अपने यूजर ID और पासवर्ड से केवल अधिकृत वेबसाइट पर ही लॉग-इन करें। वेबसाइट अड्रेस से पहले चेक करना है https:// है, http:// नहीं। अगर आपकी योग्यता से बहुत अधिक सैलरी ऑफर हो रही है।

डिजिटल अरेस्ट' जैसा कुछ भी नहीं होता

भारतीय कानून में 'डिजिटल अरेस्ट' नाम की कोई चीज नहीं है। यह साइबर धोखाधड़ी का तरीका है। इसमें जालसाज पुलिस / खुफिया अफसर बनकर फोन (या ऑनलाइन कम्यूनिकेशन से) गिरफ्तार करने का झूठा दावा करते हैं। मकसद पीड़ित को यह यकीन दिलाना है कि वह किसी अपराध में शामिल है और आखिर में उससे बड़ी रकम ऐंठते हैं। इस साल 'डिजिटल अरेस्ट' ने बहुतों से करोड़ों की वर्चुअल फिरौती वसूली। आपको ऐसे कॉल आएं तो डरें नहीं। जिन नंबरों से CBI, ED, पुलिस के नोटिस भेजे गए हों, उन नंबरों को ब्लॉक करें। जालसाज कह सकते हैं कि आपके नाम आए कुरियर, पैकेट में ड्रग्स मिले हैं या आपके फोन से आतंकियों से बातचीत हुई है... ऐसी कई ट्रिक हैं। किसी भी हाल में डरें नहीं। परिवार, प्रॉपर्टी, जॉब, बिजनेस, बैंक, क्रेडिट कार्ड जैसी कोई सूचना नहीं देनी है।

आज रात बिजली / गैस का कनेक्शन नहीं कटेगा

'बिल अपडेट न होने के कारण आज रात बिजली / गैस ऐसे कनेक्शन कट जाएगा... इस साल ऐसे मेसेज ने लोगों से साइबर फ्रॉड किए। मगर अब ठान लें कि मेसेज इग्नोर करेंगे। बिजली कंपनी के SMS की तरह ही गैस कनेक्शन मेसेज को इग्नोर करें। दिए गए लिंक या अटैचमेंट पर क्लिक नहीं करेंगे। अपने PNG बिल के हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करके पुष्टि करेंगे। अपने गैस बिल पर लिखे BP (बिजनेस पार्टनर) नंबर से वेबसाइट पर चेक करेंगे। अनजान के कहने पर AnyDesk और TeamViewer के लिंक डाउनलोड नहीं करेंगे। कस्टमर केयर नंबर पर कॉल करके पता करेंगे। इसी तरह अपने बिजली बिल के लिए हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करेंगे। बिजली बिल पर लिखे CA (कॉन्ट्रैक्ट अकाउंट) नंबर से वेबसाइट पर चेक करेंगे। मेसेज आए तो घबराना नहीं है।

AI से वॉयस क्लोनिंग में हूबहू आवाज़ से खबरदार

AI की मदद से किसी की भी आवाज की नकल की जा सकती है। इसमें एक खास सॉफ्टवेयर इस्तेमाल होता है। इसलिए, वॉयस क्लोनिंग से सावधान रहना बेहद जरूरी है। वॉयस क्लोनिंग का सबसे बड़ा खतरा यह है कि धोखाधड़ी करने वाले लोग किसी की आवाज की नकल करके फ्रॉड कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, अगर किसी कंपनी के सीनियर अधिकारी की आवाज की नकल कर ली जाती है, तो साइबर अपराधी कुछ भी कर सकते हैं। कुछ मामलों में वॉयस क्लोनिंग का इस्तेमाल सुरक्षा प्रणालियों को बायपास करने के लिए किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, कुछ बैंकों या कंपनियों में वॉयस बायोमेट्रिक का उपयोग होता है, और अगर कोई आपकी आवाज की नकल कर लेता है, तो वह आपके खाते तक पहुंच सकता है। ऐसे में जब भी किसी अनजान कॉलर से फोन पर बात करें, तो हमेशा सतर्क रहें।

सोशल मीडिया प्रोफाइल 'पब्लिक' न रहे

सोशल मीडिया पर जानकारी सार्वजनिक करने से साइबर अपराधियों को मौका मिल सकता है। इसलिए सोशल मीडिया में संवेदनशील जानकारी साझा करने से बचें। कभी भी अपनी जन्मतिथि, पता, फोन नंबर, या बैंक खाते की जानकारी सोशल मीडिया पर न दें। अपराधी इन जानकारियों का इस्तेमाल आपकी पहचान चुराने में कर सकते हैं। सोशल मीडिया प्रोफाइल की सेटिंग ऐसी रहे ताकि करीबी दोस्त ही आपकी जानकारी देख सकें। ध्यान रखना है कि आपका सोशल मीडिया प्रोफाइल पब्लिक (सार्वजनिक) न रहे कि उसे कोई भी देख सके। शादी के रिश्ते और जॉब के लिए अप्लाई करते हुए भी प्रोफाइल में बहुत अधिक जानकारी नहीं देनी है। साइबर अपराधी पर्सनल जानकारी हासिल कर उसका बेजा इस्तेमाल कर सकते हैं।

गूगल पर 'कस्टमर केयर' सर्च से बचें

गूगल पर 'कस्टमर केयर' या अन्य किसी का नंबर सर्च करने में बरतनी है सावधानी, क्योंकि इस सर्च इंजन के टॉप लिंक पर दिख रहे नंबर साइबर ठगों के हो सकते हैं। लिहाजा गूगल सर्च पर कभी भी बैंक, कंपनी का हेल्पलाइन / कस्टमर केयर नंबर सर्च न करें। इसके बजाय संबंधित कंपनी की वेबसाइट पर खोज करें। किसी भी बैंक / कंपनी की वेबसाइट का URL अच्छे से जांच लेना है। हुबहू वेबसाइट में, न दिखने वाले डॉट, डैश, स्लैश, अंडर स्कोर जैसे माइक्रो लेवल का फर्क होता है। अड्रेस बार में कंपनी की स्पेलिंग देखनी है। वेबसाइट के पेज पर सबसे नीचे Contact Us Helpline या Support जैसे ऑप्शन देख सकते हैं। किसी नंबर को गूगल पर खोजते हैं और वह सार्वजनिक डेटाबेस में है, तो उस नंबर से स्पैम कॉल्स / मेसेज आ सकते हैं।

ट्रेडिंग इन्वेस्टमेंट ऑफर 'ना बाबा ना'

सोशल मीडिया ऐप्स (वट्सऐप, टेलिग्राम, फेसबुक, इंस्टाग्राम) पर कई ऐसे ग्रुप या विज्ञापन देखने को मिलते हैं, जो आसानी से शेयर मार्केट से पैसे कमाने का दावा करते हैं।

फ्रीलांसिंग क्या है और भारत में फ्रीलांसिंग जॉब कैसे शुरू करें?

फ्रीलांसिंग का मतलब है बिना किसी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के स्वतंत्र रूप से काम करना। आपको प्रति प्रोजेक्ट, कार्य या प्रति घंटे के हिसाब से भुगतान मिलता है, साथ ही आप अपने शेड्यूल के हिसाब से काम चुनने की सुविधा भी पा सकते हैं। प्रौद्योगिकी के विकास के साथ, भारत में फ्रीलांसिंग का चलन तेजी से बढ़ रहा है। यह गाइड आपको फ्रीलांसिंग को समझने और अपनी यात्रा शुरू करने में मदद करेगी।

फ्रीलांसिंग क्या है?

फ्रीलांसिंग स्वरोजगार का एक रूप है, जहां व्यक्ति दीर्घकालिक प्रतिबद्धताओं के बिना प्रति-परियोजना, प्रति-कार्य के आधार पर या संविदा के आधार पर ग्राहकों के लिए स्वतंत्र रूप से काम कर सकते हैं। फ्रीलांसर आमतौर पर स्वतंत्र रूप से काम करते हैं, लेखन, डिजाइन, आईटी, मार्केटिंग और परामर्श जैसे विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। वे अपने स्वयं के व्यवसाय संचालन के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार होते हैं और परियोजना आवश्यकताओं के आधार पर दूरस्थ रूप से या साइट पर काम करना चुन सकते हैं।

फ्रीलांसिंग कैसे काम करती है? एक चरण-दर-चरण मार्गदर्शिका

चरण 1: ग्राहक ढूँढना

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से ग्राहक खोजें अपने कौशल का प्रदर्शन करने, परियोजनाओं पर बोली लगाने और संभावित ग्राहकों से जुड़ने के लिए अपवर्क, फाइवर और फ्रीलांसर जैसे प्लेटफार्मों का उपयोग करें।

नेटवर्क के माध्यम से ग्राहक खोजें

उद्योग से जुड़े कार्यक्रमों में भाग लें, सोशल मीडिया पर पेशेवरों से जुड़ें, तथा अपने नेटवर्क का विस्तार करने और अवसरों की खोज करने के लिए प्रासंगिक समूहों में शामिल हों।

सक्रिय रूप से सीधे संपर्क करें

ईमेल या लिंक्डइन के माध्यम से संभावित ग्राहकों से सीधे संपर्क करके अपना परिचय दें और अपनी सेवाएं प्रदान करें।

चरण 2: परियोजना का दायरा निर्धारित करें

एक स्पष्ट दायरा बनाएं

क्लाइंट के साथ मिलकर प्रोजेक्ट के दायरे जैसे कि विशिष्ट डिलीवरेबल्स, समयसीमा और अपेक्षाओं को रेखांकित करें। इससे यह सुनिश्चित होता है कि दोनों पक्ष एक ही पृष्ठ पर हैं।

चरण 3: शर्तों पर बातचीत करें

भुगतान संरचना पर चर्चा करें

सबसे उपयुक्त भुगतान विधि (प्रति घंटा, प्रति परियोजना, या मील का पत्थर-आधारित) निर्धारित करें और अग्रिम भुगतान , किस्त भुगतान , आस्थगित भुगतान और अंतिम भुगतान जैसी शर्तों पर सहमत हों।

एक अनुबंध स्थापित करें

एक औपचारिक अनुबंध बनाएं जिसमें कार्य का दायरा, भुगतान की शर्तें, समय सीमाएं और दोनों पक्षों के हितों की रक्षा के लिए कानूनी सुरक्षा का उल्लेख हो।

चरण 4: असाधारण कार्य करें

कार्यों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करें

संगठित रहने, प्रगति पर नज़र रखने और समय-सीमा को पूरा करने के लिए परियोजना प्रबंधन उपकरणों का उपयोग करें।

खुला संचार बनाए रखें

किसी भी प्रश्न का समाधान करने, अद्यतन जानकारी प्रदान करने तथा परियोजना लक्ष्यों पर सरेखण सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से ग्राहकों के साथ संवाद करें।

चरण 5: तुरंत भुगतान प्राप्त करें

व्यावसायिक चालान भेजें

कार्य पूरा होने पर शीघ्र विस्तृत कर चालान जारी करें , जिसमें प्रदान की गई सेवाओं और भुगतान शर्तों का स्पष्ट उल्लेख हो।

सुरक्षित भुगतान विधियाँ चुनें

समय पर और सुरक्षित लेनदेन सुनिश्चित करने के लिए बैंक हस्तांतरण, यूपीआई, पेपाल या ऑनलाइन भुगतान गेटवे जैसे विश्वसनीय भुगतान विकल्पों का उपयोग करें।

भारत में फ्रीलांसिंग सांख्यिकी और मूल्य निर्धारण (2025)

यहां 2025 में भारतीय फ्रीलांसरों के लिए प्रमुख फ्रीलांसिंग आंकड़े और मूल्य निर्धारण जानकारी दी गई है:

1. **सबसे आम सेवाएं** : लगभग 47% भारतीय फ्रीलांसर कंटेंट राइटिंग, वेब डेवलपमेंट, डिजिटल मार्केटिंग और ग्राफिक डिजाइन जैसी ज्ञान-आधारित सेवाएं प्रदान करते हैं ।

2. **सबसे अधिक भुगतान वाली फ्रीलांस भूमिकाएँ** : भारत में, सॉफ्टवेयर डेवलपर्स , डिजिटल मार्केटर्स और कानूनी सलाहकार सबसे अधिक भुगतान पाने वाले फ्रीलांसरों में से हैं, जो विशेषज्ञता के आधार पर प्रति घंटे 500 से 5,000 रुपये के बीच कमाते हैं।

3. **औसत प्रति घंटा दर** :
औसत भारतीय फ्रीलांसर प्रति घंटे लगभग 1,000-1,500 का शुल्क लेता है , हालांकि उद्योग और अनुभव के अनुसार दरें अलग-अलग होती हैं।

4. **कार्य समय** :
कई भारतीय फ्रीलांसर फ्रीलांस परियोजनाओं पर प्रति सप्ताह 15 से 25 घंटे खर्च करते हैं, तथा अक्सर कई ग्राहकों के साथ संतुलन बनाए रखते हैं।

5. **भारतीय फ्रीलांसिंग क्यों चुनते हैं** :
अधिकांश भारतीय फ्रीलांसर लचीलापन, बेहतर आय की संभावना, तथा 9-5 की नौकरी से मुक्ति को फ्रीलांसिंग को चुनने के प्रमुख कारण मानते हैं।

चॉकलेट का व्यवसाय कैसे शुरू करें

चॉकलेट न केवल लोग उपभोग के लिए खरीदते हैं, बल्कि प्यार और प्रशंसा दिखाने के लिए इसे उपहार के रूप में भी देते हैं। इससे चॉकलेट साल भर बिकने लायक उत्पाद बन जाता है। आप घर से या किसी छोटी विनिर्माण सुविधा के साथ ऑनलाइन चॉकलेट व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। इस ब्लॉग पोस्ट में, हम पेशेवर सुझावों और उदाहरणों के साथ चॉकलेट व्यवसाय शुरू करने के बारे में एक व्यापक और चरण-दर-चरण मार्गदर्शिका प्रस्तुत करेंगे। क्या चॉकलेट का व्यवसाय शुरू करना लाभदायक है? चॉकलेट व्यवसाय शुरू करने की योजना बनाने से पहले भी आपके मन में यह सवाल आ सकता है - क्या चॉकलेट व्यवसाय लाभदायक है?

हां, अगर सही योजना और रणनीति के साथ चॉकलेट का व्यवसाय किया जाए तो यह लाभदायक हो सकता है। आइए कुछ प्रमुख आंकड़ों पर नज़र डालें जो बताते हैं कि चॉकलेट निर्माताओं के लिए बाज़ार कितना बड़ा है: स्टेटिस्टा के अनुसार, अमेरिकी उपभोक्ता प्रतिवर्ष लगभग तीन अरब किलोग्राम चॉकलेट कन्फेक्शनरी वस्तुएं खरीदते हैं।

"चॉकलेट कन्फेक्शनरी" बाजार का विश्वव्यापी राजस्व 2024 में 133.60 बिलियन अमेरिकी डॉलर माना जाता है। 2024 में 23,210 मिलियन अमेरिकी डॉलर की बाजार हिस्सेदारी के साथ अमेरिका चॉकलेट कन्फेक्शनरी का सबसे बड़ा बाजार है। जैसा कि कहा गया है, जिस व्यवसाय के उत्पाद की मांग अधिक होती है, उसमें प्रतिस्पर्धा भी अधिक होती है - और वह भी कुछ बड़े और स्थापित खिलाड़ियों के साथ। इस व्यवसाय में सफल होने के लिए आपको उत्पाद की गुणवत्ता, ब्रांडिंग और मार्केटिंग में शीर्ष पर रहना होगा।

चॉकलेट का व्यवसाय शुरू करने में कितना खर्च आता है?

चॉकलेट व्यवसाय शुरू करने के लिए आमतौर पर $3,000 से $8,000 तक के शुरुआती निवेश की आवश्यकता होती है। इस राशि में सामग्री, पैकेजिंग सामग्री और बुनियादी चॉकलेट बनाने के उपकरण जैसे आवश्यक खर्च शामिल हैं। अपने कौशल को बढ़ाने के लिए चॉकलेट बनाने का कोर्स करने पर विचार करें। अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए आपको निम्नलिखित उपकरणों और साधनों की आवश्यकता होगी:

कैंडी थर्मामीटर, बर्तन, एक स्टोव, बेकिंग शीट, मिक्सर, मिक्सिंग बाउल, एक रेफ्रिजरेटर,पैकेजिंग सामग्री, प्रवेश में क्या बाधाएं हैं?, चॉकलेट उद्योग में प्रवेश करने के लिए कुछ चुनौतियाँ हैं। सबसे बड़ी चुनौतियाँ ये हैं:, लगातार उच्च गुणवत्ता वाली, बेहतरीन स्वाद वाली चॉकलेट बनाने की क्षमता विकसित करनाएंथनी थॉमस और रॉकी माउंटेन चॉकलेट फैक्ट्री जैसे स्थापित ब्रांडों के साथ प्रतिस्पर्धा

संबंधित व्यवसाय विचार

यदि आप इस बात को लेकर अनिश्चित हैं कि चॉकलेट व्यवसाय आपके लिए सही है या नहीं, तो ऐसे उद्यमशील रास्ते तलाशने पर विचार करें जो आपकी रुचियों और लक्ष्यों से मेल खाते हों। चॉकलेट का व्यवसाय कैसे शुरू करें - Shopify के साथ ऑनलाइन

चरण #1: अपने लक्षित बाजार पर शोध करें चॉकलेट व्यवसाय शुरू करने के लिए बाजार अनुसंधान एक महत्वपूर्ण कदम है। आपको यह समझना होगा कि जिस विशिष्ट लक्षित बाजार में आप सामान बेचना चाहते हैं, वहां कितनी मांग है। उदाहरण के लिए, आप अपने उत्पाद को किसी विशिष्ट देश जैसे अमेरिका, ब्रिटेन, भारत या ऑस्ट्रेलिया में बेचने का निर्णय ले सकते हैं - आप जो भी देश या क्षेत्र चुनेंगे, उसका बाजार व्यवहार अलग हो सकता है। बाजार में कौन से प्रतिस्पर्धी हैं? अगर हम बाजार में प्रमुख खिलाड़ियों को देखें, तो मोर्डोर इंटेलिजेंस रिपोर्ट नीचे दी गई शीर्ष पांच कंपनियों को दिखाती है जिन्होंने कुल बाजार का 59.47% हिस्सा अपने कब्जे में ले लिया है।फेरेरो इंटरनेशनल एसए, मार्स इनकॉर्पोरेटेड मोंडेलेज़ इंटरनेशनल इंक, नेस्ले एसए हर्षे कंपनी, लेकिन ये बड़े खिलाड़ी हैं। अगर आप छोटे स्तर पर या स्थानीय स्तर पर व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं,

गेहूं की कीमतों में तेजी: MSP से ऊपर पहुंचे भाव, किसानों को राहत

भोपालः गेहूं की कीमतों में तेजीः MSP से ऊपर पहुंचे भाव, किसानों को राहत – देशभर में गेहूं की कीमतों में एक बार फिर तेजी देखने को मिल रही है। न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) 2425 रुपये प्रति क्विंटल के मुकाबले कई राज्यों की मंडियों में गेहूं के दाम इससे कहीं अधिक हो गए हैं। निजी व्यापारियों द्वारा बेहतर कीमत मिलने के कारण किसान सरकारी खरीद की बजाय खुले बाजार में बिक्री को प्राथमिकता दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र की मंडियों में गेहूं के बढ़ते भाव ने किसानों को आर्थिक राहत दी है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि यह तेजी बाजार की मांग, सरकारी नीतियों और स्टॉक की उपलब्धता पर निर्भर करेगी।

MSP से अधिक दाम, निजी व्यापारी हावी

वर्तमान में कई मंडियों में गेहूं की कीमतें MSP से 20-30% तक अधिक हैं। उदाहरण के लिए, मध्य प्रदेश की विदिशा और राजस्थान की उदयपुर मंडियों में गेहूं 3200 से 3400 रुपये प्रति क्विंटल तक बिक रहा है। निजी व्यापारियों की सक्रियता और सरकारी खरीद में कमी के कारण किसान खुले बाजार में अधिक मुनाफा कमा रहे हैं।

मध्य प्रदेश में गेहूं के ताजा भाव

कमोडिटी ऑनलाइन के अनुसार, मध्य प्रदेश में गेहूं का औसत भाव 2503.9 रुपये प्रति क्विंटल है। सबसे कम कीमत 2060 रुपये और सबसे अधिक 3800 रुपये प्रति क्विंटल दर्ज की गई। प्रमुख मंडियों के भाव इस प्रकार हैंः

अलीराजपुर (जोबाट): 2450 रुपये/क्विंटल

खंडवाः 2511 रुपये/क्विंटल

राजगढ़ (बिहोरा): 2410 रुपये/क्विंटल

सतना (नागोड): 2385 रुपये/क्विंटल

सीहोरः 2558 रुपये/क्विंटल

देवासः 2451 रुपये/क्विंटल

इंदौरः 2572 रुपये/क्विंटल

महाराष्ट्र में गेहूं की कीमतें

महाराष्ट्र में गेहूं का औसत भाव 2866.15 रुपये प्रति क्विंटल है, जिसमें सबसे कम 1700 रुपये और सबसे अधिक 5600 रुपये प्रति क्विंटल का भाव देखा गया। प्रमुख मंडियों के दामः

अहमदनगर (राहुरी): 2600 रुपये/क्विंटल

बुलढाणा (मेहकर): 3000 रुपये/क्विंटल

अमरावतीः 3000 रुपये/क्विंटल

नासिक (सताना): 2900 रुपये/क्विंटल

पुणे (डाउंड): 2900 रुपये/क्विंटल

राजस्थान और उत्तर प्रदेश का हाल

राजस्थान में गेहूं का औसत भाव 2661.44 रुपये प्रति क्विंटल है। उदयपुर की अनाज मंडी में गेहूं 3400 रुपये तक बिका। उत्तर प्रदेश में औसत भाव 2486.13 रुपये है, जिसमें अलीगढ़ (खैर) मंडी में 2510 रुपये और बदायूं (दातागंज) में 2530 रुपये प्रति क्विंटल का भाव रहा।

गुजरात में गेहूं के दाम

गुजरात में औसत भाव 2483.52 रुपये प्रति क्विंटल है। मेहसाणा (कादी) में 2755 रुपये और सुरेंद्रनगर (चोटिला) में 2650 रुपये प्रति क्विंटल का भाव दर्ज हुआ।

कीमतों में उछाल के कारण

किसानों ने कम MSP के चलते गेहूं का स्टॉक रोका था। अब बढ़ती मांग के कारण वे ऊंचे दामों पर बेच रहे हैं। सरकारी खरीद की समय सीमा समाप्त होने और कुछ क्षेत्रों में कम आवक ने भी कीमतों को बढ़ाया है। निजी व्यापारियों की सक्रियता ने बाजार को और गर्म कर दिया है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान I खरीफ बुआई I Farmar Loan I एक बगिया मां के नाम

1. विकसित कृषि संकल्प अभियानः 1154 गांवों में 1.54 लाख किसानों से किया सीधा संवाद, वैज्ञानिकों ने साझा किए अनुभव कोलकाता स्थित भाकृअनुप-केन्द्रीय पटसन एवं समवर्गीय रेशा अनुसंधान संस्थान (क्रिजैफ), बैरकपुर में बीते (25 जून 2025) को विकसित कृषि संकल्प अभियान पर किसानों और विशेषज्ञों का अनुभव साझा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अभियान के दौरान किसानों और वैज्ञानिकों के अनुभवों को साझा कर भविष्य की रणनीति को और बेहतर बनाना था।

. 2. खरीफ फसलों की बुआई में उछालः 27 जून तक रिकॉर्ड 26.71 लाख हेक्टेयर की बढ़त कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा जारी आंकड़ों में इस बार खरीफ सीजन की बुआई ने जबरदस्त रफ्तार पकड़ी है। 27 जून 2025 तक कुल बुआई 262.15 लाख हेक्टेयर तक पहुँच गई है, जो पिछले साल इसी अवधि के 235.44 लाख हेक्टेयर से 26.71 लाख हेक्टेयर अधिक है । 3. खरीफ फसलों की बुआई में उछालः 27 जून तक रिकॉर्ड 26.71 लाख हेक्टेयर की बढ़त कृषि और ग्रामीण विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान 3 और 4 जुलाई 2025 को दो दिवसीय जम्मू-कश्मीर दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे नीतिगत बैठकों से लेकर शैक्षणिक कार्यक्रमों तक भाग लेंगे और किसानों, वैज्ञानिकों एवं छात्रों से सीधा संवाद कर जमीनी स्तर पर योजनाओं की प्रभावशीलता का जायजा लेंगे। पूरी खबर पढ़े. 4. 1 जुलाई से खाद्य तेल और सुपारी पर नई टैरिफ वैल्यू लागू, देशी किसानों को मिल सकती है कीमतों में राहत केंद्र सरकार ने सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 14(2) के तहत नई टैरिफ वैल्यू अधिसूचना संख्या 44/2025-Customs (NT) जारी की है। यह अधिसूचना 1 जुलाई 2025 से प्रभाव में आएगी। इसके तहत खाद्य तेल, सुपारी, पीतल स्क्रैप, सोना और चांदी जैसे आयातित उत्पादों के लिए सीमा शुल्क गणना हेतु संशोधित वैल्यू तय की गई है। पूरी खबर पढ़े. 5. Farmar Loan: खेती-बाड़ी के लिए किसानों को मिलेगा लाखों रुपए का लोन!

जानें आवदेन की प्रक्रिया और योग्यता किसानों की आर्थिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार उन्हें खेती-बाड़ी और कृषि गतिविधियों के लिए आसान और सुलभ ऋण उपलब्ध करा रही है। ये लोन फसल उत्पादन, कटाई, कृषि मशीनरी की खरीद, सिंचाई सुविधाएं, ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर, ट्रेड सेंटर और क्लीनिक जैसी जरूरतों के लिए दिए जाते हैं 6. यूपी में कृषि मंत्री की 'चौपाल पर चर्चा': कहा- हफ्ते में दो दिन खेतों में रहकर सुनेंगे किसानों की समस्याएं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार (30 जून 2025) को उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के मोगा ढाबा गांव में किसानों से सीधा संवाद किया। 'चौपाल पर चर्चा' कार्यक्रम के तहत उन्होंने गांव में जाकर किसानों की समस्याएं सुनीं, सुझाव लिए और केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी साझा की। पूरी खबर पढ़े. 7. बरेली में हुआ दीक्षांत समारोहः राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा- आईवीआरआई सस्ते और देसी पशु इलाज पर करे काम भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (IVRI), बरेली का दीक्षांत समारोह सोमवार (30 जून 2025) को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस मौके पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। पूरी खबर पढ़े. 8. किसानों को मुफ्त सोलर पंपः 30 हजार में 5 एचपी, 58 हजार में 10 एचपी vमध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बीते शनिवार भिंड जिले के दंदरौआ सरकार धाम में आयोजित किसान एवं रोजगार सम्मेलन में "प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना" के तहत राज्य स्तरीय सोलर पम्प पोर्टल का अनावरण किया। इस पोर्टल के माध्यम से किसान अब 5 एचपी से लेकर 10 एचपी तक के सोलर पंप पर 90% सब्सिडी के साथ आवेदन कर सकेंगे।

9. MP कैबिनेट का बड़ा फैसलाः 'एक बगिया मां के नाम' योजना से 30 हजार महिलाएं बनेंगी बागवानी उद्यमी मध्यप्रदेश सरकार ने मंगलवार को मंत्रिमंडल बैठक में प्रदेशव्यापी नई उद्यान विकास योजना 'एक बगिया मां के नाम' को मंजूरी दी। इस योजना में स्व-सहायता समूह की 30 हजार महिलाओं को शामिल कर 30 हजार एकड़ भूमि पर फल-उद्यान विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। पूरी खबर पढ़े. 10. अमेरिका ने रिजेक्ट किए भारतीय आम, एमपी-यूपी के किसानों को सस्ते में बेचना पड़ रहा फल इस साल मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के आम उत्पादक किसानों के लिए मुश्किलें बढ़ गई हैं। अमेरिका ने भारतीय आम की खेप को रिजेक्ट कर दिया, जिसके चलते लंगड़ा, दशहरी, चौसा और सफेदा जैसी लोकप्रिय किस्में स्थानीय बाजारों में ही सस्ते दामों पर बिक रही हैं। पूरी खबर पढ़े

MP में शुरू होगा 'एक बगिया मां के नाम' प्रोजेक्ट : फलों का बाग लगाने पर महिलाओं को मिलेगा मोटा मुनाफा

बरसात में कैसा हो पशुपालन,बीमारी से बचाने को एक्सपर्ट ने दिए टिप्स

मॉनसून यानि बरसात के दिनों को छोड़ दें तो पशुपालन में बहुत ज्यादा मशक्कत नहीं करनी पड़ती है. लेकिन खासतौर पर बरसात के दिनों में देखभाल ज्यादा बढ़ जाती है. क्योंकि मॉनसून में पशुओं को गर्मी से तो राहत मिल जाती है, लेकिन संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है. जिसके चलते पशुओं को कई बीमारियों से जूझना पड़ता है. साथ ही पशुपालक की लागत बढ़ने के साथ-साथ मेहनत भी बढ़ जाती है. लेकिन देखभाल के साथ ही अगर पशुओं को दिए जाने वाले चारा-पानी और वैक्सीन का खास ख्याल रखा तो संक्रमण फैलने से रोका जा सकता है. और खास बात ये है कि इसके लिए पशुपालक को कोई अलग से खर्चा भी नहीं करना है. इसमे कुछ काम तो ऐसे हैं जो सरकारी योजनाओं के तहत फ्री कराए जा सकते हैं. और ये उपाय अपनाकर पशुपालक दवाई का खर्च बचाकर लागत को भी कम कर सकता है. और दूध उत्पादन भी नहीं घटेगा.

टिक और मक्खी की समस्या

टिक्स बरसात के मौसम में तेजी से बढ़ते और फैलते हैं. टिक्स पशुओं का खून चूसते हैं और एनीमिया बीमारी का कारण बनते हैं, जिसके चलते पशुओं की मौत तक हो जाती है. बरसात के मौसम में मक्खियों की संख्या भी बढ़ जाती है. ये पशुओं को परेशान करने के साथ ही जलन पैदा करती हैं. इसका पशुओं की उत्पादन और प्रजनन क्षमता पर असर पड़ता है.

थनैला बीमारी

दूध देने वाले मवेशियों में बरसात के मौसम में स्तनदाह (थनैला बीमारी) आम बात है. बरसात के मौसम में गीले, गंदे शेड और गीले-गंदे थनों से भी ये बीमारी फैलती है. इसके चलते दूध का उत्पादन कम और कभी भी बंद तक हो जाता है.

मॉनसून में बछड़ों की ऐसे करें देखभाल

बरसात के दिनों में बछड़ों को बाहर खुला नहीं छोड़ना चाहिए. एक्सपर्ट का कहना है कि बछड़ों में बीमारियों से लड़ने के लिए प्रतिरोधक क्षमता विकसित नहीं होती है. बछड़ों के शरीर में पानी की मात्रा ज्यादा होती है और ठंड से उनका तनाव बढ़ जाता है. इसलिए बछड़ों को गर्मी दी जानी चाहिए, बछड़ों को थोड़ी-थोड़ी मात्रा में दूध पिलाया जाना चाहिए. बछड़ों को ठंड के झटकों से बचाने के लिए कपड़े पहनाए जाने चाहिए. तीन महीने से ज्यादा उम्र के बछड़ों को कृमिनाशक दवा दी जानी चाहिए. छह महीने से ज्यादा उम्र के बछड़ों को बीक्यू और एचएस का टीका लगवाया जाना चाहिए.

एनिमल शेड में ऐसे करें देखभाल

चारा और चारा सामग्री को जमीन से ऊंची जगह किसी प्लेटफॉर्म पर रखें.

पशु के सभी तरह के चारे को बारिश और नमी से बचाकर रखें.

खासतौर पर बरसात से पहले पशुओं का टीकाकरण करा लेना चाहिए.

बरसात के मौसम में पशुओं के लिए पीने का स्वच्छ और गर्म पानी होना चाहिए.

पशुओं को खेत में जमा लाल पानी या कीचड़ वाला पानी नहीं पीने देना चाहिए.

दूषित पानी पीने से गंभीर सर्दी, दस्त, ब्लैक क्वार्टर समेत कई बीमारियां हो सकती हैं.

पशुओं को मानसून में खराब मौसम से बचाना चाहिए, वर्ना इसका असर उत्पादन पर पड़ता है.

बारिश का पानी बैक्टीरिया को बढ़ाता है, जिससे बीमारियां होती हैं.

बरसात के मौसम की शुरुआत से पहले, बीच में और आखिर में डी-वर्मिंग करानी चाहिए.

भारत की खेती के खिलाफ चीन की साजिश, फल-सब्जियों के बढ़ते उत्पादन से परेशान ड्रैगन

भारत फलों और सब्जियों की खेती के उत्पादन के मामले में दूसरे नंबर पर आता है और इनके निर्यात में भी प्रमुख रूप से शामिल है. इस बीच, चीन भारत की परेशानियां बढ़ाता नजर आ रहा है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले दो महीने से चीन ने भारत आने वाली विशेष उर्वरकों (specialty fertilisers) की खेप रोककर रखी हुई है. ये खास उर्वरक फलों, सब्जियों और अन्य लाभकारी फसलों की पैदावार बढ़ाने में इस्तेमाल किए जाते हैं. ऐसे में इससे बागवानी उत्पादन पर असर पड़ने की आशंका है.

'फाइनेंशियल एक्सप्रेस' की रिपोर्ट के मुताबिक, कृषि इनपुट के ग्लोबल सप्लायर चीन अन्य देशों को खास उर्वरकों का निर्यात कर रहा है. रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले चार-पांच सालों से भारत को खास उर्वरक देने वाले सप्लायर्स को बैन कर रहा है. वहीं, इस बार उसने और सख्त रुख अपनाया है और निर्यात को लगभग पूरी तरह रोक दिया है. जानकारों का मानना है कि चीन भारत की खेती के खिलाफ साजिश के तहत ऐसा कर रहा है, ताकि फल-सब्जियों के बढ़ते उत्पादन पर असर पड़े.

1.5-1.6 लाख टन विशेष उर्वरक का आयात

भारत चीन से पानी में घुलनशील, सूक्ष्म पोषक तत्व, नैनो और जैव-उत्तेजक (Bio-stimulants) वैरिएंट जैसे विशेष उर्वरक आयात करता है. ये गैर-सब्सिडी वाले उत्पाद हैं, जो मिट्टी की सेहत और पोषक तत्व दक्षता में सुधार करते हैं. सामान्यतः भारत जून से दिसंबर की अवधि के दौरान 1.5 लाख टन से 1.6 लाख टन खास उर्वरकों का आयात करता है,

लेकिन इस बार चीन के प्रतिबंधों के कारण खेप रुकी हुई है.

विशेष उर्वरकों का घरेलू उत्पादन सीमित

भारत में तकनीकी कमी और पिछले रिकॉर्ड में कम मांग के कारण इन खास उर्वरकों का उत्पादन काफी सीमित रूप में होता है. लेकिन अब इन खादों की बढ़ती मांग के चलते कई कंपनियां इनके घरेलू उत्पादन को बढ़ाने के रुचि दिखा रही हैं. इससे इन कपंनियों को निश्चित तौर पर फायदा होने की उम्मीद है.

सरकार और उद्योग की पहलों से मिलेगी राहत

चीन के इस अड़ंगे से इस साल फलों और सब्जियों का उत्पादन घट सकता है, लेकिन घरेलू खाद निर्माता (उद्योग) और सरकार की ओर से भंडारण, वैकल्पिक स्रोत से खास उर्वरकों का आयात और स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने जैसे कदम इसे बेअसर या कम करने में मददगार साबित हो सकते हैं. हालांकि फिर भी, यह कहना ठीक नहीं होगा कि बागवानी के उत्पादन पर संकट नहीं है. इसके असल प्रभाव के बारे में उत्पादन की रिपोर्ट से ही पता चल सकेगा.

इतने बिलियन डॉलर का होगा खाद उद्योग

वहीं, IMARC समूह के मुताबिक, अनुमान है कि भारतीय खाद उद्योग साल 2032 तक 16.58 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा. इस दौरान साल 2024 से 2032 तक 4.2 प्रतिशत CAGR की ग्रोथ देखी जा सकती है. वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का खाद उत्पादन 452 लाख टन था. बता दें कि सरकार रासायनिक खाद के इस्तेमाल को कम करते हुए इसके आयात को घटाने पर जोर दे रही है. साथ ही यहां जैवकि और प्राकृतिक खेती के माध्यम से फसल उत्पादन को प्रोत्साहित कर रही है. केंद्र सरकार फल-सब्जियों के उत्पादन के साथ ही इनके ट्रांसपोर्ट और रख-रखाव और भंडारण संबंधी आयामों पर भी ध्यान दे रही है. साथ ही बागवानी के लिए किसानों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है.

घर में किचन का इस दिशा में होना बेहद जरूरी

वास्तु दोष से बचने के लिए इन नियमों का करें पालन

वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ चीजों को घर की सही दिशा में होना चाहिए। उनमे से सबसे महत्वपूर्ण स्थान किचन का घर में होता है। जी हां, यदि रसोई घर की सही दिशा में न बनी हो तो उस कारण से घर में बहुत नकारात्मकता आती है। आइए वास्तु शास्त्र के अनुसार जानते हैं कि घर में किचन किस दिशा में होना चाहिए। वास्तु शास्त्र की परंपरा सदियों पुरानी है। प्राचीन समय में जब भी कहीं राजभवनों या घरों का निर्माण होता था। तो सबसे पहले वास्तु के नियमों को ध्यान में रखा जाता था। आज भी ज्यादातर लोग वास्तु के अनुसार अपने भवनों का निर्माण करवाते हैं। लेकिन कहीं न कहीं उसमें कोई कमी रह जाती है, जिस कारण घर में निगेटिविटि पैदा होने लगती है। घर के वास्तु में जो सबसे महत्वपूर्ण बात होती है, वह सही चीज का सही दिशा में होना। तो आज हम वास्तु शास्त्र के अनुसार यह बात जानेंगे कि घर में किचन किस दिशा में होना चाहिए।

वास्तु के अनुसार रसोई की सही दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर का किचन हमेशा अग्नि कोण में होना चाहिए, यानी पूर्व-दक्षिण दिशा में। किचन में खाना बनाने के लिए अग्नि का प्रयोग होता है। जिसकी सही दिशा अग्नि कोण है। माना जाता है कि इस दिशा में खाना बनाने से घर में सुख-समृद्धि आति है। वास्तु दोष नहीं लगता है और घर में अन्न का भंडार भरा रहता है। ऐसे घर के सदस्य सदा सुखी रहते हैं।

वास्तु के साथ इन बातों का भी रखें ध्यान

किचन के वास्तु में मुख्य तौर पर चूल्हा अग्नि कोण की दिशा में होना चाहिए, क्योंकि वह अग्नि देव की सर्वश्रेष्ठ दिशा मानी गई है।

किचन में पानी का नल ईशान कोण में होना चाहिए। यानी उत्तर-पूर्व दिशा में यह जल के देवता वरुण देव का स्थान भी माना जाता है।

वास्तु के अनुसार किचन में लगी खिड़की पूर्व दिशा में होनी चाहिए और किचन का चूल्हा खिड़की के बाहर की तरफ नहीं दिखना चाहिए।

बात करें रंग कि, तो माना जाता है कि किचन में रंग का उतना ही महत्व है जितनी दिशा का होता है। वास्तु के अनुसार घर की रसोई में पीला रंग, हल्का लाल रंग या गुलाबी रंग करवाना चाहिए। क्योंकि यह अग्नि देव से संबंधित रंग हैं। घर की रसोई में कभी भी काला या नीला और डार्क शेड रंग नहीं करवाना चाहिए। ऐसा करना अशुभता को दर्शाता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में किचन से कभी भी सटा हुआ बाथरूम नहीं होना चाहिए। जहां ऐसा होता है, तो उस घर में परिवार के सदस्य रोग से घिरे रहते हैं।

रसोई घर में भोजन बनाएं, तो रोटी का पहला हिस्सा गाय को सबसे पहले खिलाएं। माना जाता है इससे घर में अन्न की बरकत होती है।

वास्तु के अनुसार यदि रसोई घर सही दिशा में नहीं बना है और उसे फिर से दिशा अनुसार नहीं बनाया जा सकता। तो वहां एक तुलसी का पौधा गमले में लेकर रख दें। ऐसा करने से वास्तु दोष समाप्त हो जाता है।

वास्तु के अनुसार कैसी बनाएं किचन? इन टिप्स को फॉलो करने से होगी धन की वर्षा

» *खाना बनाते समय आपका मुख पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए। इसका मतलब हुआ कि किचन का शेल्फ जिस पर हम गैस चूल्हा (किस दिशा में हो किचन और कहां रखें गैस स्टोव) रखते हैं वो ऐसी दिशा में होना चाहिए कि जब हम खाना बनाएं तो हमारा मुख पूर्व दिशा की ओर रहे। आप इसे किचन के आग्नेय कोण यानि किचन के दक्षिण पूर्व दिशा में रख सकते हैं। यदि आप चूल्हा उत्तर दिशा में रखते हैं तो स्वास्थ्य संबंधित समस्याएं आती हैं।*

» *पानी का स्रोत हमेशा उत्तर पूर्व दिशा में होना चाहिए। यदि घर में ऐसा करना संभव नहीं हो तब किचन की उत्तर पूर्व दिशा में पीने का पानी रखें। बर्तन धोने का सिंक भी इसी दिशा में हो। कभी भी आग्नेय कोण में पानी का स्रोत न रखें।*

» *गैस स्टोव का बर्नर ख़राब नहीं होना चाहिए। बर्नर की साफ़ सफाई काध्यान रखें। चूल्हे में माता अन्नपूर्णा का वास होता है। किसी अन्य व्यवस्था से आप यदि खाना बनाती हैं तो उस जगह की साफ़ सफाई की व्यवस्था जरूर रखें।*

» *खाना बनाकर हमेशा गैस स्टोव के दाहिनी ओर रखें। ऐसा माना जाता है कि इस दिशा में मां अन्नपूर्णा का वास होता है। बाईं तरफ खाना बनाकर बिलकुल न रखें। इससे आपके परिवार का स्वास्थ्य ख़राब हो सकता है।*

» *सिंक के नीचे कबाड़ औरकूड़ादान न रखें ऐसा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का वास होता है।*

» *खुले डस्टबिन का इस्तेमाल न करें औरडस्टबिन की सफाई का पूरा ध्यान रखें। डस्टबिन ऐसी जगह पर रखें जिस पर आपकी नजर न पड़े, क्योंकि इससे भी नकारात्मक ऊर्जा का स्रोत होता है।*

» *एक ही जगह पर चूल्हा एवं सिंक न रखें, यदि ऐसा है तो बीच में कोई लकड़ी की दीवार बना दें। अगर ऐसा करना संभव न हो तो कोई लकड़ी का पॉट वहां रख दें। अग्नि एवं जल को एक ही लेवल पर ना रखें। बीच में कोई अलग तत्व रख दें।*

» *किचन में झाड़ू न रखें क्योंकिकिचन में झाड़ू रखने से नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।*

» *किचन में कबाड़ न रखें, जिस चीज की जरुरत न हो आप किसी जरुरत मंद को दे दें या उसे किचन से हटा दें।*

» *खाने की थाली को ठीक से रखें। खाना परोसते समय खाने की थाली को किसी मैट, चटाई या टेबल पर सम्मान के साथ रखना चाहिए।*

» *भोजन करने के बाद थाली में हाथ न धोएं ऐसा करने से आपकी सेहत को नुकसान पहुंच सकता है।*

» *रात में जूठे बर्तन सिंक में न रखें। इससे राहु का प्रभाव घर के सदस्यों पर पड़ता है, हो सके तो रात में जूठे बर्तन धोकर ही सोएं।*

» *किचन में चिमनी लगाएं, एग्जॉस्ट फैन लगाएं और किचन को हवादार रखें। धुआं इकट्ठा न होने दें। इससे आपका बृहस्पति कमजोर होगा ।*

कार्डियक अरेस्ट क्या होता है, हार्ड अटेक कैसे अलग है

अक्सर लोग हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट को एक ही समझ लेते हैं, लेकिन चिकित्सा विज्ञान की दृष्टि से ये दोनों स्थितियां बिल्कुल अलग हैं

ऐसे कई जोखिम कारक हैं जो किसी व्यक्ति के दिल का दौरा पड़ने या कार्डियक अरेस्ट होने के जोखिम को प्रभावित करते हैं। हृदय-स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए आदतों को बदलना और किसी भी अंतर्निहित स्थिति का इलाज करना दोनों हृदय संबंधी स्थितियों के जोखिम को कम कर सकता है।

अक्सर लोग हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट को एक ही समझ लेते हैं, लेकिन चिकित्सा विज्ञान की दृष्टि से ये दोनों स्थितियां बिल्कुल अलग हैं। एशियन अस्पताल में स्थित हृदय रोग विशेषज्ञ, डॉ. प्रतीक चौधरी के अनुसार, ये दोनों ही हृदय से जुड़ी गंभीर समस्याएं हैं, लेकिन इनके कारण, लक्षण और उपचार में अंतर होता है। चलिए जानते हैं वो अंतर क्या है?

हार्ट अटैक क्या है?

हार्ट अटैक जिसे मेडिकल भाषा में मायोकार्डियल इंफार्क्शन कहा जाता है, तब होता है जब हृदय की मांसपेशियों तक खून पहुंचाने वाली धमनियों (कोरोनरी आर्टरीज) में रुकावट आ जाती है। यह रुकावट आमतौर पर कोलेस्ट्रॉल के जमाव या रक्त के थक्के के कारण होती है। जब हृदय की मांसपेशियों को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिलती, तो वह हिस्सा धीरे-धीरे क्षतिग्रस्त हो सकता है।

हार्ट अटैक के लक्षण

हार्ट अटैक के लक्षणों में सीने में दबाव या दर्द, बांह, जबड़े, पीठ या गर्दन में दर्द, सांस लेने में तकलीफ, पसीना आना, चक्कर आना और मतली शामिल हो सकते हैं। यदि समय पर इलाज न हो तो यह जानलेवा हो सकता है।

कार्डियक अरेस्ट क्या है?

कार्डियक अरेस्ट एक आपातकालीन स्थिति है जिसमें हृदय अचानक धड़कना बंद कर देता है। इसका कारण हृदय की विद्युत प्रणाली में गड़बड़ी होती है, जिससे हृदय प्रभावी ढंग से खून को पंप नहीं कर पाता। इससे मस्तिष्क और अन्य अंगों तक खून की आपूर्ति रुक जाती है और कुछ ही मिनटों में बेहोशी, सांस रुकना या मृत्यु हो सकती है।

कार्डियक अरेस्ट के लक्षण

कार्डियक अरेस्ट के लक्षण अचानक और गंभीर होते हैं, व्यक्ति अचानक गिर जाता है, न तो धड़कन होती है और न ही सांस। यह स्थिति हार्ट अटैक के दौरान या उसके बाद भी हो सकती है, लेकिन दोनों का कारण और उपचार अलग होता है।

दोनों के बीच मुख्य अंतर क्या है?

हार्ट अटैक एक रक्त प्रवाह की समस्या है, जबकि कार्डियक अरेस्ट विद्युत प्रणाली की गड़बड़ी है। हार्ट अटैक में हृदय चलता रहता है, लेकिन कमजोर हो सकता है, वहीं कार्डियक अरेस्ट में हृदय की धड़कन ही रुक जाती है। हार्ट अटैक के दौरान चेतना बनी रह सकती है, लेकिन कार्डियक अरेस्ट में व्यक्ति तुरंत बेहोश हो जाता है।

हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट दोनों ही गंभीर स्थितियां हैं, लेकिन इन्हें समझना और समय पर सही इलाज प्राप्त करना जीवन बचा सकता है। यदि किसी को हार्ट अटैक या कार्डियक अरेस्ट का संदेह हो, तो तुरंत चिकित्सा सहायता लें। समय पर सीपीआर और उचित उपचार व्यक्ति की जान बचा सकते हैं।

आंखों की रोशनी बढ़ानी है, तो रोज करें योगासन : एक्सपर्ट ने बताया तरीका

उम्र बढ़ने के साथ आंखों की रोशनी कमजोर होने लगती है। लेकिन आजकल कम उम्र के लोगों भी आंखों से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसके पीछे कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं, जैसे लगातार लंबे समय तक लैपटॉप या मोबाइल स्क्रीन के सामने बैठे रहना, ज्यादा टीवी देखना और पोषक तत्वों की कमी के कारण भी आंखें कमजोर हो सकती हैं। आजकल कम उम्र में ही आंखों की रोशनी कमजोर होने के कारण छोटे-छोटे बच्चों को भी चश्मा लग रहा है। आंखों को स्वस्थ रखने के लिए सही खानपान और जीवनशैली में सुधार करना बहुत जरूरी है। इसके अलावा, कुछ योगासनों की मदद से भी आंखों की रोशनी को बढ़ाने में मदद मिल सकती है। आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे योगासनों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके नियमित अभ्यास से आंखों की रोशनी बढ़ाने में मदद मिल सकती है। तो आइए, जानते हैं इसके बारे में विस्तार से –

त्राटक

त्राटक एक ध्यान केंद्रित करने की क्रिया है जिसमें किसी स्थिर वस्तु, जैसे जलती हुई मोमबत्ती की लौ को बिना पलक झपकाए देखा जाता है। यह अभ्यास नेत्र मांसपेशियों को मजबूत करता है, एकाग्रता बढ़ाता है और आई साइट तेज करता है। इस क्रिया में हथेलियों को आपस में रगड़ कर गर्म किया जाता है और फिर हल्के से बंद आंखों पर रखा जाता है। इससे आंखों को आराम मिलता है, थकान कम होती है और आई साइट में सुधार होता है।

कैसे करें अभ्यासः

एक मोमबत्ती को अपने से 2 से 3 फीट की दूरी पर रखें।

बिना पलक झपकाए मोमबत्ती की लौ पर ध्यान केंद्रित करें।

2 से 3 मिनट से शुरू करें और धीरे-धीरे अवधि बढ़ाकर 5-10 मिनट करें।

यह अभ्यास न केवल आंखों के स्वास्थ्य में सुधार करता है बल्कि दिमाग को भी आराम देता है।

आई रोटेशन एक्सरसाइज

यह अभ्यास आँखों को ऊपर-नीचे, दाएं-बाएं तथा गोल घुमाने के माध्यम से किया जाता है। यह नेत्र स्नायु को सक्रिय करता है और लंबे समय तक स्क्रीन देखने से होने वाली थकान को कम करता है।

कैसे करें अभ्यासः

सबसे पहले जमीन पर पीठ सीधी करके आराम से बैठें।

अपनी आंखों को गोलाकार गति में घुमाएं, पहले क्लॉक वाइज और फॉर एंटी- क्लॉक वाइज।

प्रत्येक आंख से 10 बार करें।

शवासन

शवासन शरीर को गहरी शांति देता है और मानसिक तनाव को दूर करता है। तनाव से आंखों पर भी असर पड़ता है, इसलिए यह आसन अप्रत्यक्ष रूप से आई साइट में मदद करता है।

भ्रामरी प्राणायाम

यह एक शांतिदायक प्राणायाम है जिसमें मधुमक्खी जैसी ध्वनि निकाली जाती है। इससे मानसिक तनाव घटता है, जिससे आंखों में होने वाली जलन, सूखापन और थकान कम हो सकती है।

पलकें झपकाना

पलकें झपकाना आंखों को चिकनाई देने और ड्राईनेस को रोकने और जलन को कम करने का एक प्राकृतिक और प्रभावी तरीका है। यह आंखों को तरोताजा करने में मदद करता है और लंबे समय तक स्क्रीन पर रहने के प्रभाव को कम करता है।

कैसे करें अभ्यासः

अपनी आंखों को 20-30 सेकंड तक तेजी से झपकाएं।

किडनी को हेल्दी रखेंगे डॉक्टर के बताए 7 टिप्स, कैंसर का खतरा भी होगा कम

किडनी हमारे शरीर का एक ऐसा जरूरी अंग है जो खून को साफ कर टॉक्सिन्स को शरीर से बाहर निकालने का काम करती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि खराब लाइफस्टाइल और कुछ गलत आदतें हमारी किडनी को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती हैं, जिससे किडनी कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी का खतरा बढ़ जाता है?

भरपूर पानी पिएं

पानी हमारी किडनी का सबसे अच्छा दोस्त है। पर्याप्त पानी पीने से किडनी टॉक्सिन्स को आसानी से बाहर निकाल पाती है। दिन में 8 से 10 गिलास पानी पीने की आदत डालें। यह आपकी किडनी को अंदर से साफ रखेगा।

हेल्दी वेट बनाए रखें

मोटापा कई बीमारियों की जड़ है, और इसमें किडनी की बीमारियां भी शामिल हैं। इसलिए बैलेंस डाइट लें और नियमित रूप से एक्सरसाइज करें। डॉक्टर बताते हैं कि एक वेट बनाए रखने से आपकी किडनी पर अनावश्यक दबाव नहीं पड़ता।

स्मोकिंग छोड़ें

स्मोकिंग न केवल फेफड़ों के लिए खराब है, बल्कि यह किडनी के लिए भी बेहद हानिकारक है। बता दें, यह किडनी कैंसर के खतरे को दोगुना कर देती है। इसलिए, अगर आप भी धूम्रपान करते हैं, तो आज ही इसे छोड़ने का संकल्प लें।

ब्लड प्रेशर और डायबिटीज को कंट्रोल करें

हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज किडनी खराब होने के दो प्रमुख कारण हैं। अपने ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर को नियमित रूप से जांचें और उन्हें कंट्रोल रखने के लिए डॉक्टर की सलाह को फॉलो करें।

पेनकिलर मेडिसिन का सावधानी से यूज करें

जब हमें दर्द होता है, तो हम तुरंत पेनकिलर ले लेते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि लंबे समय तक या जरूरत से ज्यादा मात्रा में पेनकिलर्स का इनटेक आपकी किडनी को नुकसान पहुंचा सकता है। जी हां, इसलिए हमेशा डॉक्टर की सलाह पर ही दवाओं का सेवन करें।

हानिकारक केमिकल्स से बचें

अगर आप ऐसे वातावरण में काम करते हैं जहां सॉल्वैंट्स या कीटनाशकों जैसे हानिकारक रसायनों का इस्तेमाल होता है, तो अपनी सुरक्षा का खास ध्यान रखें। इन रसायनों के संपर्क में आने से किडनी को नुकसान हो सकता है।

रेगुलर टेस्ट करवाएं

अगर आपके परिवार में किडनी से जुड़ी बीमारियों की हिस्ट्री रही है, तो आपको नियमित रूप से अपनी किडनी की जांच करवानी चाहिए। ऐसा करने से आप कई गंभीर समस्याओं को समय रहते रोका सकते हैं।

आनंद के साथ सेहत का भी आधार है डांस कई परेशानियों से बचने में करता है मदद

जिस काम में आपको आनंद ही न महसूस हो, यह काम आप ज्यादा समय तक नहीं कर सकते। योग के साथ भी आपका ऐसा अनुभव हो सकता है। हालांकि, योग (Yoga Day 2025) आपको तब नीरस या बोरिंग लग सकता है जब आप अधूरी जानकारियों या बिना तैयारी के साथ इसे शुरू करते हैं। कुछ लोग सूक्ष्म क्रिया किए बिना ही सीधे आसन शुरू कर देते हैं। इससे दर्द महसूस होने पर ऐसे लोग अचानक योग करना छोड़ भी देते हैं।

वहीं, संगीत की धुन पर नृत्य की बात हो तो कदम खुद-ब-खुद थिरकने लगते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किसी प्रकार के नृत्य में प्रशिक्षित हैं या नहीं बंद कमरे में नृत्य करें या सार्वजनिक रूप से सभी प्रकार के नृत्य आनंद के साथ संतोष का अनुभव करा सकते हैं। हालांकि, भारतीय शास्त्रीय नृत्य का योग से बहुत निकट संबंध है। दरअसल, फिट रहने के लिए (Dance for health benefits) जिम करने, दौड़ने या ब्रिस्क वॉक या कसरत की ही तरह नृत्य भी उपयोगी शारीरिक गतिविधि है। आइए International Yoga Day 2025 पर जानें कैसे डांस भी योग जितना ही सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है।

इंग्लैंड स्थित इस यूनिवर्सिटी के एक शोध के अनुसार शारीरिक निष्क्रियता दुनियाभर में मृत्यु दर को बढ़ाने में एक बड़ा कारण बन रही है, इसलिए यदि आपको व्यायाम अधिक मेहनत वाला या उबाऊ काम लगता है तो नृत्य का विकल्प चुन सकते हैं।

शास्त्रीय नृत्य में छिपा है अष्टांग योग

योग के आठ अंग- यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान तथा समाधि की नृत्य में उपस्थिति होती है। यदि आप शास्त्रीय नृत्य करते हैं तो इसमें विशेष मुद्राओं का प्रयोग होता है। यह शारीरिक लाभ के साथ स्वयं से एकाकार होने का आध्यात्मिक अनुभव भी देता है। योग में आप विभिन्न आसन करते हैं तो नृत्य भी आसन करने के समान लाभ दे सकते हैं। सबसे सुंदर बात यह है कि नृत्य के साथ संगीत जुड़ा है। यहीं कारण है कि लंबे समय तक नृत्य करने के बाद भी थकान नहीं होती और आंतरिक ऊर्जा भी सक्रिय रहती है, इसलिए मानसिक सेहत में नृत्य का विशेष लाभ मिल सकता है।

संपूर्ण शरीर में ऊर्जा का होता है संचार

नृत्य एक तरह से जीवन की गतिशील ऊर्जा का प्रदर्शन है। इससे पूरे शरीर में ऊर्जा का संचार होता है। इसका मुख्य भाग अभिनय होता है, जिसमे शरीर की भाषा, हस्त मुद्राओं और चेहरे के हाव-भाव के माध्यम से किसी कहानी के पात्रों को मूर्त रूप दिया जाता है। नृत्य भक्ति योग है, जो द्वैत की संरचना पर आधारित है- प्रेमी और प्रेमिका, पुरुषत्व और स्त्रीत्व- जो एकता की ओर ले जाता है। नाट्य शास्त्र न केवल प्रमुख अंगे सिर, छाती बाजू कूल्हे, हाथ और पैरो की गतिविधियो का वर्णन करता है, बल्कि उपांगो की क्रियाओ का भी विस्तृत विवरण देता है जिसमे- भौहों, नेत्रगोलक, पलकें, ढोड़ी और यहां तक कि नाक की जटिल गतिविधियां भी शामिल हैं।

एक दूसरे के पूरक हैं योग व नृत्य

पद्म श्री गीता चंद्रन, भरतनाट्यम नृत्यांगना योग नृत्य के लिए अनिवार्य है। शांत मन और लचीले शरीर की आवश्यकता नर्तक को ही नहीं, सबके लिए जरूरी है। इसके लिए योगाभ्यास नियमित करना चाहिए। ऐसा नहीं कि जब मन हुआ कर लिया। योग हो या नृत्य दोनों के लिए नियम और अनुशासन जरूरी हैं। वास्तव में योग और नृत्य अलग नहीं बल्कि पूरक हैं। नृत्य में भी बेसिक चीजों से शुरुआत करनी चाहिए जैसे योग में नृत्य को चुनते हैं तो इसकी शुरुआत धीमी करें। नृत्य से पहले

वार्मअप करें, ताकि शरीर खुल जाए। शरीर व मन में सामंजस्य बनाए रखे तो संपूर्ण सेहत को लाभ मिल सकता है। मानसिक सेहत को बेहतर करने में नृत्य की उपयोगिता बढ़ गई है।

नृत्य और योग में क्या है अंतर

नृत्य योग की तरह है, पर मशहूर कथक नृत्यांगना नलिनी कमलिनी के अनुसार, इसमें एक अंतर भी है। जैसे, नृत्य गतिमान अवस्था है, जबकि योग में आपको विशेष मुद्रा में रहना होता है, यानी यह शरीर के अंग विशेष को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से भी किया जा सकता है, जैसे- धनुष आसन को एक जगह पर टिक कर करना होता है। पर, नृत्य में यह अलग अलग तरीके से किया जा सकता है। योग मे मयूर आसन करेंगे तो शरीर को हथेलियों पर संतुलित रखकर मयूर की तरह दिखाएंगे, पर नृत्य में मयूर की चाल चलेंगे, उसकी तरह आंखे भी मटकाएंगे।

अलग-अलग मुद्राएं थेरेपी की तरह

नृत्य में आंखो का खूब प्रयोग होता है। इससे आंखे स्वस्थ रखने में मदद मिलती है। नृत्य में ग्रीवा भेद यानी गर्दन को घुमाने का अलग अलग तरीका है। यह गर्दन की तकलीफ नहीं होने देता, गर्दन सुडौल बना रहता है। भावनाओं को व्यक्त करने के लिए नृत्य में सिर को विभिन्न प्रकार से घुमाया जाता है। यह स्पांडिलाइटिस से बचाने में कारगर है। जैसे योग में कटि आसन किया जाता है तो अर्धचक्र पूर्णचक्र नृत्य में किया जाता है, जिससे संपूर्ण शरीर का व्यायाम हो जाता है।

नृत्य से ब्लड सर्कुलेशन अच्छा रहता है। रक्तचाप की समस्या नहीं होती, हृदयरोग की आशंका कम हो जाती है। अलग-अलग मुद्राएं इसमे थेरेपी की तरह काम करती है।

भारत आकर किडनी बेच रहे बांग्लादेशी

तस्करी का शिकार हुआ पूरा गांव; पैसा भी पूरा नहीं मिला; लोग सिर्फ एक किडनी के सहारे जिंदा

बांग्लादेश के उत्तर-पश्चिमी जिले जॉयपुरहाट का एक छोटा-सा गांव बाइगुनी अब 'वन किडनी विलेज' के नाम से कुख्यात हो चुका है। यहां हर 35 में से एक व्यक्ति अपनी किडनी बेच चुका है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक भारत और बांग्लादेश के बीच चल रही इस अवैध अंग तस्करी ने कई परिवारों की जिंदगियों को बर्बाद कर दिया है। 45 वर्षीय सफीरुद्दीन इसी गांव के निवासी हैं। 2024 की गर्मियों में उन्होंने भारत आकर 2.5 लाख रुपए में अपनी किडनी बेच दी थी। उनका मकसद गरीबी से निकलना और अपने तीन बच्चों के लिए घर बनाना था। लेकिन अब उनका मकान अधूरा है, शरीर में लगातार दर्द है और काम करने की ताकत नहीं बची। सफीरुद्दीन कहते हैं, सफीरुद्दीन को अब तक नहीं पता कि उनकी किडनी किसे दी गई है। फर्जी दस्तावेजों से मरीजों का रिश्तेदार बना रहे दलाल भारत में मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम (THOA) 1994 के मुताबिक , किडनी का दान सिर्फ नजदीकी रिश्तेदारों के बीच या सरकारी मंजूरी से ही किया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक दलाल नकली दस्तावेजों और रिश्तेदारी के फर्जी सबूतों के जरिए इस नियम को चकमा दे देते हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट में WHO के विशेषज्ञ मोनिर मनीरुज्जमां के हवाले से बताया गया है कि बिनाई गांव की विधवा जोशना बेगम और उनके दूसरे पति बेलाल को 2019 में एक दलाल ने भारत ले जाकर कोलकाता के एक अस्पताल में ट्रांसप्लांट करवाया। पहले 7 लाख टका (बांग्लादेशी करेंसी) का वादा किया गया, लेकिन ऑपरेशन के बाद सिर्फ 3 लाख मिले। जोशना कहती हैं कि, 'दलाल ने पासपोर्ट तक नहीं लौटाया। बाद में बेलाल भी मुझे छोड़कर चला गया।' जोशना अब दवाइयों के लिए तरसती हैं और भारी काम नहीं कर पातीं। 'किडनी का पूरा पैसा नहीं मिला तो खुद दलाल बना ई-कॉमर्स धोखाधड़ी में सब कुछ गंवाने के बाद ढाका के कारोबारी मोहम्मद सजल (बदला हुआ नाम) ने 2022 में दिल्ली में अपनी किडनी बेची। उन्होंने 8 लाख रुपए में किडनी बेच दी। लेकिन जब वादा किए गए 8 लाख रुपए नहीं मिले, तो उन्होंने खुद दलाल बनकर अन्य बांग्लादेशियों के लिए ट्रांसप्लांट का इंतजाम करना शुरू कर दिया। "ये गिरोह दोनों देशों के डॉक्टर्स, अस्पतालों और दलालों से जुड़ा है। मैं अब उनकी बंदूक के साये में हूं," सजल कहते हैं। बांग्लादेश पुलिस ने दावा किया है कि उन्होंने अंग तस्करी के नेटवर्क पर कार्रवाई तेज कर दी है और कई दलाल गिरफ्तार किए गए हैं। दिल्ली पुलिस ने जुलाई 2024 में एक महिला सर्जन को गिरफ्तार किया, जिन पर 15 बांग्लादेशी मरीजों के अवैध ट्रांसप्लांट कराने का आरोप है। लेकिन कार्रवाई नाकाफी है। भारत में हेल्थ टूरिज्म एक 7.6 अरब डॉलर का उद्योग है और अधिक ट्रांसप्लांट का मतलब अधिक कमाई। ऐसे में अस्पतालों की चुप्पी भी इस व्यापार को बढ़ावा दे रही है। 2.5 लाख में किडनी खरीदकर 18 लाख में बेच रहे रिपोर्ट में दलालों के हवाले से बताया गया है कि मरीज एक किडनी के लिए 18 से 22 लाख रुपए तक चुका देते हैं, जबकि किडनी बेचने वालों को सिर्फ 2.5 से 4 लाख रुपए मिलते हैं। बाकी पैसा अस्पतालों, दलालों, दस्तावेज बनाने वालों और डॉक्टरों में बंट जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक कुछ मामलों में तो लोगों को भारत में नौकरी का झांसा देकर ले जाया गया और बाद में जबरन या धोखे से ऑपरेशन करवा दिया गया। बांग्लादेश ग्रामीण उन्नति समिति (BRAC) के अधिकारी शरिफुल हसन के मुताबिक, किडनी क्या काम करती है किडनी हमारे शरीर के सबसे महत्वपूर्ण ऑर्गन्स में से एक है। ये ब्लड से अपशिष्ट पदार्थ, एक्स्ट्रा पानी, शुगर और हर उस चीज को बाहर निकालने का काम करती है, जिसकी शरीर को जरूरत नहीं है। ये टॉक्सिन्स ब्लैडर यानी मूत्राशय में जमा हो जाते हैं और फिर पेशाब के साथ शरीर से बाहर निकल जाते हैं। अगर किडनी बीमार पड़ जाए तो अपना काम ठीक से करना बंद कर देती है। दुनियाभर में करोड़ों लोग किडनी से जुड़ी बीमारियों के साथ जी रहे हैं। इनमें से ज्यादातर को तो इस बात की भनक भी नहीं है कि उन्हें किडनी डिजीज है। यही वजह है कि किडनी डिजीज को साइलेंट किलर भी कहा जाता है।

वेल्थ मैनेजमेंट क्या है ?

वेल्थ मैनेजमेंट वेल्थ मैनेजमेंट भारतीय फाइनेंशियल लैंडस्केप में केवल एक बजवर्ड नहीं है; यह आपकी वित्तीय खुशहाली का प्रबंधन करने के लिए एक रणनीतिक दृष्टिकोण है. इसी स्थिति में आपके वित्तीय सपनों का पोषण, सुरक्षित और विकास किया जाता है. इस कॉम्प्रिहेंसिव गाइड में, हम जानेंगे कि वेल्थ मैनेजमेंट क्या है, यह कैसे काम करता है, इसके लाभ, प्रमुख रणनीतियां और वेल्थ मैनेजर और फाइनेंशियल प्लानर के बीच अंतर करने में भी आपकी मदद करेंगे. वेल्थ मैनेजमेंट क्या है? धन प्रबंधन का अर्थ, अपने मूल स्थान पर, एक व्यक्ति के वित्तीय जीवन का व्यापक प्रबंधन है. धन प्रबंधन एक कार्यनीतिक और व्यापक प्रक्रिया का प्रतिनिधित्व करता है, जो विभिन्न वित्तीय पहलुओं को एक साथ बुनाता है. इसमें वित्तीय योजना, कौशलपूर्ण निवेश प्रबंधन, आस्ट्यूट कर अनुकूलन, सूक्ष्म संपदा नियोजन और जोखिम प्रबंधन की कला शामिल है. ये तत्व व्यक्तियों और परिवारों की विशिष्ट फाइनेंशियल आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सावधानीपूर्वक कस्टमाइज़ किए जाते हैं. जब आप धन प्रबंधन यात्रा शुरू करते हैं, तो एक कुशल संपत्ति प्रबंधक आपका विश्वसनीय मार्गदर्शक बन जाता है. वे एक रणनीतिक फाइनेंशियल प्लान बनाते हैं जो क्लाइंट के जोखिम सहिष्णुता और विशिष्ट परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए इन उद्देश्यों को कैसे प्राप्त करना है इसकी रूपरेखा बताते हैं. धन प्रबंधन, वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने और वित्तीय संसाधनों को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने की सुनिश्चित करने के लिए व्यक्तिगत, सर्वव्यापी रणनीति प्रदान करता है. यह ग्राहक की विशिष्ट परिस्थितियों के अनुरूप वित्तीय समृद्धि के लिए मन की शांति, पेशेवर विशेषज्ञता और रोडमैप प्रदान करता है. वेल्थ मैनेजमेंट का उदाहरण कल्पना करें कि राज, जो 35 वर्ष पुराना है और रिटायरमेंट प्लानिंग, अपनी बेटी के विवाह और 20 वर्षों में दूसरे घर खरीदने सहित फाइनेंशियल लक्ष्य रखते हैं. राज की मौजूदा नेटवर्थ 1 करोड़ है, और इन्वेस्ट करने के लिए उनके पास 50,000 का मासिक सरप्लस है. राज के लक्ष्यों, जोखिम सहिष्णुता और वर्तमान वित्तीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए धन प्रबंधक एक व्यापक योजना तैयार करता है. वे भारतीय फाइनेंशियल मार्केट के ऐतिहासिक प्रदर्शन के लिए 8% की अपेक्षित वार्षिक रिटर्न के साथ इन्वेस्टमेंट पोर्टफोलियो मैनेजमेंट की सलाह देते हैं. इस योजना में कर-कुशल निवेश रणनीति शामिल है जो राज को अपनी कर देयता को कम करने में मदद करती है. राज की इनकम और एसेट बढ़ने के बाद, वेल्थ मैनेजर अपने वेल्थ प्रिजर्वेशन लक्ष्यों और रिस्क प्रोफाइल के साथ जुड़ने के लिए आवधिक पोर्टफोलियो मैनेजमेंट और फाइनेंशियल स्ट्रेटजी एडजस्टमेंट का सुझाव देता है. वर्षों के दौरान, इस संपत्ति प्रबंधन दृष्टिकोण से राज को संपत्ति जमा करने में मदद मिली है. वह 60 तक पहुंचने के बाद, उसकी संपत्ति 5 करोड़ तक बढ़ गई है, जो आरामदायक रिटायरमेंट सुनिश्चित करती है. इसके अलावा, वे अपनी बेटी के विवाह को फंड करने और दूसरा घर खरीदने के लिए फाइनेंशियल रूप से तैयार हैं. वेल्थ मैनेजमेंट कैसे काम करता है? धन प्रबंधन में प्रत्येक व्यक्ति की विशिष्ट वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए निर्मित एक समग्र दृष्टिकोण है, सभी भारतीय वित्तीय परिदृश्य के समृद्ध टेपेस्ट्री के भीतर. आइए इस जटिल प्रक्रिया के बारे में एक व्यापक ब्रेकडाउन की जानकारी दें. 1. वित्तीय मूल्यांकन डीप डाइवः वेल्थ मैनेजर परिवार की जिम्मेदारियों और सांस्कृतिक वैल्यू जैसे एसेट, देयताओं, आय, खर्च और भारतीय-विशिष्ट कारकों सहित क्लाइंट की फाइनेंशियल स्थिति का आकलन करते हैं. लक्ष्य सेटिंगः क्लाइंट के साथ, स्पष्ट फाइनेंशियल लक्ष्य स्थापित किए जाते हैं, अक्सर रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा और भविष्य की पीढ़ियों के लिए संपत्ति को सुरक्षित रखने जैसे माइलस्टोन शामिल होते हैं. 2. पर्सनलाइज्ड फाइनेंशियल प्लान रणनीतिक ब्लूप्रिंटः क्लाइंट के विशिष्ट लक्ष्यों और जोखिम सहिष्णुता के आधार पर, पर्सनलाइज्ड फाइनेंशियल प्लान तैयार किया जाता है, जिसमें भारतीय मूल्यों और आकांक्षाओं को शामिल किया जाता है. कस्टम स्ट्रेटेजीः यह प्लान फाइनेंशियल उद्देश्यों को प्राप्त करने और भारतीय फाइनेंशियल लैंडस्केप की जटिलताओं को नेविगेट करने के लिए अनुकूलित स्ट्रेटेजी की रूपरेखा बताता है. 3. निवेश प्रबंधन विविध पोर्टफोलियोः भारतीय बाजार की विशिष्ट गतिशीलता को ध्यान में रखते हुए एक सुसंतुलित निवेश पोर्टफोलियो डिजाइन किया गया है. यह स्टॉक, बॉन्ड, रियल एस्टेट आदि सहित विभिन्न एसेट का लाभ उठाता है, जो विविधता पर ध्यान केंद्रित करता है. 4. टैक्स ऑप्टिमाइज़ेशन टैक्स लायबिलिटी को कम करनाः वेल्थ मैनेजर अपने टैक्स भार को कम करने में मदद करने के लिए टैक्स-कुशल स्ट्रेटेजी का उपयोग करते हैं, ताकि वे इन्वेस्टमेंट और खर्च के लिए अपनी संपत्ति को अधिक रख सकें. 5. जोखिम प्रबंधन सुरक्षात्मक उपायः भारतीय बाजार की अस्थिरता और अप्रत्याशित घटनाओं से ग्राहक की संपत्ति को सुरक्षित रखने के लिए कार्यनीतियां लागू की जाती हैं. इसमें अक्सर इंश्योरेंस, आकस्मिकता प्लान और अन्य सुरक्षात्मक उपाय शामिल हैं. 6. चल रहे निगरानी और समायोजन गतिशील दृष्टिकोणः वित्तीय दुनिया लगातार बदलती रहती है. वेल्थ मैनेजर पोर्टफोलियो के प्रदर्शन की निरंतर निगरानी करते हैं और क्लाइंट को अपने फाइनेंशियल लक्ष्यों की ओर नज़र रखने के लिए समायोजित करते हैं. वेल्थ मैनेजमेंट के लाभ आइए वेल्थ मैनेजमेंट को स्वीकार करने के कई लाभ देखें: 1. समग्र वित्तीय मार्गदर्शन वेल्थ मैनेजर आपके फाइनेंशियल जीवन का 360-डिग्री दृश्य लेते हैं. वे आपकी वर्तमान स्थिति, भविष्य के लक्ष्यों और व्यक्तिगत मूल्यों पर विचार करते हैं. यह समग्र दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि आपका फाइनेंशियल प्लान आपके जीवन दृष्टिकोण के साथ संरेखित हो. 2. विशेषज्ञता और अनुभव धन प्रबंधक अत्यधिक प्रशिक्षित पेशेवर होते हैं जिनका वर्षों का अनुभव होता है. उनकी विशेषज्ञता आपको सूचित फाइनेंशियल निर्णय लेने और जटिल फाइनेंशियल मार्केट को नेविगेट करने में मदद करती है. 3. पर्सनलाइज्ड इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटेजी आपका पोर्टफोलियो आपके विशिष्ट लक्ष्यों और जोखिम सहिष्णुता के लिए तैयार किया गया है. यह पर्सनलाइज़ेशन आपको जोखिम को प्रभावी रूप से मैनेज करते समय रिटर्न को अधिकतम करने की अनुमति देता है. 4. कर दक्षता वेल्थ मैनेजर आपके टैक्स भार को कम करने के लिए टैक्स-कुशल रणनीतियों का उपयोग करते हैं, जो अधिक इन्वेस्टमेंट और खर्च के अवसरों की अनुमति देते हैं. 5. मन की शांति यह जानकर कि आपका फाइनेंशियल भविष्य सक्षम हाथों में है और यह मन की शानदार सुरक्षा और शांति प्रदान कर सकता है. 6. समय बचत विशेषज्ञों को फाइनेंशियल मैनेजमेंट की जटिलताओं को प्रतिनिधित्व करके, आप अपने लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण चीजों के लिए समय मुक्त करते हैं. 7. लिगेसी और एस्टेट प्लानिंग वेल्थ मैनेजर भविष्य की पीढ़ियों के लिए आपकी संपत्ति को सुरक्षित रखने में मदद कर सकते हैं, जिससे आपकी विरासत यह सुनिश्चित हो सकती है. 8. जोखिम कम करना एक अच्छी तरह से संरचित वेल्थ मैनेजमेंट प्लान में फाइनेंशियल जोखिमों को कम करने की रणनीतियां शामिल हैं, जो आपको अप्रत्याशित अवरोधों से बचाती हैं. वेल्थ मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी धन प्रबंधन में इस्तेमाल की जाने वाली रणनीतियां वैसे ही विविध हैं जैसे ग्राहक वे सेवा करते हैं. यहां कुछ सामान्य दृष्टिकोण दिए गए हैं: विविधताः विभिन्न एसेट क्लास में अपने इन्वेस्टमेंट को फैलाकर जोखिम कम हो जाता है. एसेट एलोकेशनः अनुकूल रिटर्न के लिए आपके पोर्टफोलियो में स्टॉक, बॉन्ड और एसेट को संतुलित करने की कला. टैक्स-कुशल इन्वेस्टमेंटः टैक्स देयता को कम करने के लिए टैक्स-संबद्ध अकाउंट और स्ट्रेटेजी का उपयोग करना. रिटायरमेंट प्लानिंगः सुनिश्चित करना कि आपके पास आरामदायक रिटायरमेंट के लिए फाइनेंशियल संसाधन हैं. एस्टेट प्लानिंगः विरासत को अधिकतम करने और टैक्स को कम करने के लिए अपनी संपदा का निर्माण करें. इंश्योरेंस मैनेजमेंटः अपनी इंश्योरेंस आवश्यकताओं का आकलन करना और यह सुनिश्चित करना कि आपको पर्याप्त रूप से कवर किया जाता है. चैरिटेबल गाइविंगः परोपकारी प्रयासों के लिए रणनीतियों को कार्यान्वित करना जो आपके मूल्यों के अनुरूप हो. डेट मैनेजमेंटः ब्याज भुगतान को कम करने के लिए अपने क़र्ज़ की स्थिति का मूल्यांकन और अनुकूलन करना. रिस्क मैनेजमेंटः मार्केट की अस्थिरता और अप्रत्याशित घटनाओं से संपत्ति की सुरक्षा के लिए रणनीतियों को लागू करना.

न कोई तेजी, न कोई गिरावट! गिफ्ट निफ्टी ने थमा दी बाजार की रफ्तार, मिल रहे हैं चौकाने वाले संकेत!

एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार

एशियाई शेयर बाजारों में भी कोई स्पष्ट रुझान नहीं दिख रहा है, जहां प्रमुख इंडेक्स मिलाजुला कारोबार कर रहे हैं। तो वहीं, दूसरी ओर अमेरिका के प्रमुख सूचकांक नैस्डैक और एसएंडपी 500 ने एक बार फिर रिकॉर्ड ऊंचाई को छू लिया है, जिससे वैश्विक सेंटीमेंट में कुछ हद तक मजबूती देखने को मिली है।

भारतीय शेयर बाजार की साप्ताहिक एक्सपायरी के दिन आज निवेशकों को वैश्विक और घरेलू बाजारों से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। विदेशी संस्थागत निवेशकों (FIIs) ने लगातार तीसरे दिन कैश और वायदा में बिकवाली की है, जिससे बाजार में दबाव का माहौल बना हुआ है। वहीं, गिफ्ट निफ्टी इस समय सपाट कारोबार कर रहा है, जो शुरुआती कारोबार में दिशा की अनिश्चितता को दिखाता है। TATA Steel Share Price: मौके से ना चूको! टाटा स्टील में दिख रहा जबरदस्त मुनाफा खरीदारी को लेकर निवेशकों की लगी होड़!

wअमेरिका में फंसा अहम बिल

अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में एक अहम बिल फिलहाल अटका हुआ है। कुछ रिपब्लिकन नेताओं का विरोध अब भी जारी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कई सांसदों से मुलाकात की और बुधवार को भी उनकी मीटिंग्स प्रस्तावित हैं। यदि बिल में कोई संशोधन होता है, तो इसे दोबारा सीनेट की मंजूरी लेनी होगी। वहीं, ट्रंप इस बिल को 4 जुलाई से पहले पास कराना चाहते हैं।

वियतनाम से ट्रेड डील का ऐलान

वियतनाम के साथ ट्रंप प्रशासन की ओर से एक नई ट्रेड डील का ऐलान किया गया है। इस समझौते के तहत अमेरिका से वियतनाम को निर्यात होने वाले सामान पर 20 फीसदी टैरिफ लगेगा, जबकि वियतनाम से अमेरिका आने वाले उत्पादों पर शून्य टैरिफ रहेगा। ट्रांसशिपमेंट सामानों पर 40 फीसदी शुल्क लगाया जाएगा। इस घोषणा के बाद वियतनाम के बाजार में कपड़ा और फर्नीचर कंपनियों के शेयरों में तेजी से उछाल देखी गई है।

फिबोनाची सपोर्ट जोन के करीब, खरीदारी का मौका?

वर्तमान में बैंक निफ्टी 56,800-56,600 के महत्वपूर्ण फिबोनाची सपोर्ट जोन की तरफ बढ़ रहा है। यह जोन संभावित तेजी की वापसी की ओर इशारा करता है। डेली मोमेंटम इंडिकेटर पर पॉजिटिव क्रॉसओवर देखा गया है, जो तकनीकी रूप से खरीदारी का सपोर्ट करता है। तकनीकी एक्सपर्ट के मुताबिक, इस सपोर्ट लेवल पर गिरावट को लॉन्ग पोजीशन बनाने का मौका माना जा सकता है। बैंक निफ्टी के लिए प्रमुख रेजिस्टेंस 57,600 और 58,100 पर हैं।

पिछले कारोबारी सत्र में दबाव में रहा बाजार

भारतीय शेयर बाजार 2 जुलाई को उतार-चढ़ाव भरे सत्र में लाल निशान पर बंद हुआ। वहीं, रियल एस्टेट और फाइनेंशियल सेक्टर में बिकवाली का दबाव देखने को मिला। दिन के अंत में सेंसेक्स 287.60 अंक या 0.34% लुढ़ककर 83,409.69 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 88.40 अंक या 0.35% की गिरावट के साथ 25,453.40 पर आ गया।

नोटः- शेयर बाजार में निवेश जोखिम के अधीन होता है। शेयरों, म्यूचुअल फंड्स और अन्य वित्तीय साधनों की कीमतें बाजार की स्थितियों, आर्थिक परिस्थितियों और अन्य कारकों के आधार पर घट-बढ़ सकती हैं। इसमें पूंजी हानि की संभावना भी शामिल है। इस जानकारी का उद्देश्य केवल सामान्य जागरूकता बढ़ाना है और इसे निवेश या वित्तीय सलाह के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए।

रश्मिका मंदाना बनीं 'मैसा', टाइटल के साथ पोस्टर में दिखा उनका सबसे अलग अंदाज़!

पैन इंडिया की सबसे बड़ी हीरोइन रश्मिका मंदाना देशभर में जबरदस्त फैनबेस एन्जॉय करती हैं, और फैंस बेसब्री से इंतज़ार करते हैं कि वो आगे क्या करने वाली हैं। कल रिलीज़ हुए दिलचस्प पोस्टर के बाद, रश्मिका मंदाना की अगली फिल्म मायसा का ज़ोरदार लॉन्च हुआ, जहां इंडस्ट्री के कई सितारों ने इस शुक्रवार सुबह उनका पोस्टर रिलीज़ किया। पुष्पा 2: द रूल के बाद रश्मिका एक और पैन इंडिया फिल्म मैसा के साथ तैयार हैं। अनफॉर्मूला फिल्म्स के बैनर तले बनी मैसा एक ऐसी कहानी लग रही है जिसमें एक महिला योद्धा की हिम्मत और जज़्बे को दिखाया गया है। फिल्म का पोस्टर वाकई "अब तक कभी न देखा गया" लुक देता है, जिसमें रश्मिका मंदाना के चेहरे का तेज और जज़्बा साफ नजर आता है। प्रोडक्शन हाउस ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखाः "हौसले में पली। इरादों में अडिग। वो दहाड़ती है। सुनने के लिए नहीं, डराने के लिए। रश्मिका मंदाना इस प्रोजेक्ट को लेकर खुद भी काफी उत्साहित नजर आ रही हैं। उन्होंने फिल्म का टाइटल और लुक अपने सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए एक खास कैप्शन लिखाः मैं हमेशा आपको कुछ नया... कुछ अलग... कुछ रोमांचक देने की कोशिश करती हूं... और ये... ये वैसा ही एक प्रोजेक्ट है..." एक ऐसा किरदार जो मैंने पहले कभी नहीं निभाया... एक ऐसी दुनिया जहां मैं पहले कभी नहीं गई... और मेरा ऐसा

रूप जिसे मैंने खुद भी अब तक नहीं देखा था...ये गुस्से से भरा है... बहुत दमदार है... और बिलकुल असली है। मैं थोड़ी घबराई हुई हूं लेकिन बहुत खुश भी हूं। मैं सच में इंतज़ार नहीं कर सकती कि आप सब देखें हम क्या बना रहे हैं...और ये तो बस शुरुआत है...#Mysaa ये फिल्म एक जबरदस्त इमोशनल एक्शन कहानी है, जो हमें गोंड जनजाति की दिलचस्प और अनदेखी दुनिया में लेकर जाती है। मैसा को लेकर बात करते हुए डायरेक्टर रविंद्र पुल्ले ने कहा, "मैसा दो साल की मेहनत का नतीजा है। हम चाहते थे कि इस फिल्म की दुनिया, उसका लुक, किरदार और कहानी, हर एक चीज़ बिलकुल सही हो। और अब हम तैयार हैं ये कहानी दुनिया को सुनाने के लिए।" इसके अलावा रश्मिका मंदाना के पास आने वाले समय में कई जबरदस्त प्रोजेक्ट्स की लाइनअप है। वह जल्द ही आयुष्मान खुराना के साथ मैडॉक फिल्म्स की हॉरर-कॉमेडी थामा में नजर आएंगी। फैंस को जिसका बेसब्री से इंतज़ार है, उस पुष्पा 3 में भी वह अपने आइकॉनिक किरदार श्रीवल्ली के रूप में लौटेंगी। इसके साथ ही द गर्लफ्रेंड और रेनबो जैसी फिल्मों में वह इमोशन से भरे और अलग-अलग तरह के किरदार निभा रही हैं, जो दिखाता है कि रश्मिका हर जॉनर में दमदार और चैलेंजिंग रोल्स करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। साउथ की सुपरस्टार रश्मिका मंदाना अपनी खूबसूर अदाओं और एक्सप्रेशन को लेकर देश भर में छा चुकी हैं। एक्ट्रेस को क्यूटनेस के कारण नेशनल क्रश तक का टैग मिल चुका है। एक बार फिर से रश्मिका मंदाना को लेकर एक फैन की दीवानगी देखने को मिल रही रही है। वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है जिसमें रश्मिका मंदाना का रिएक्शन काबिल-ए-तारीफ है। रश्मिका मंदाना का ये वीडियो सोशल मीडिया पर छाया हुआ है और हर कोई रश्मिका का इस अंदाज को काफी पसंद कर रहा है। बता दें कि ये पहली बार नहीं है जब रश्मिका को लेकर ऐसी दीवानगी देखने को मिली है बल्कि अक्सर ही रश्मिका को देखते ही फैंस इस तरह की डिमांस करने लगते हैं

स्टाइलिश पार्टी लुक चाहिए? तो ये 3 लेटेस्ट डिजाइंस वाली साड़ियां करें स्टाइल

साड़ी का फैशन एवरग्रीन है और कई सारे मौकों पर महिलाएं साड़ी स्टाइल कर सकती हैं। वहीं अगर आप किसी पार्टी में शामिल हो रही हैं और स्टाइलिश लुक चाहती हैं, तो आप इस तरह की साड़ी स्टाइल कर सकती हैं।

साड़ी स्टाइल करना हर महिला को पसंद है। इसके लिए महिलाएं बेस्ट से बेस्ट से साड़ी खरीदती हैं। बाजार और ऑनलाइन प्लेटफार्म पर आपको कई सारे कलर और डिजाइन ऑप्शन में साड़ी मिल जाएंगी। लेकिन, अगर आप कुछ अलग ट्राई करना चाहती हैं, तो इसके लिए आप इस आर्टिकल में दिखाई गई साड़ी का चुनाव कर सकती हैं। यह साड़ी पार्टी में पहनने के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकती हैं और इस साड़ी में आपका लुक अच्छा भी नजर आएगा।

3 लेटेस्ट डिजाइंस वाली साड़ियां

पार्टी में पहनने के लिए हम आपको 3 लेटेस्ट डिजाइंस वाली साड़ियां दिखा रहे हैं। इस तरह की साड़ी में आपको आसानी से बाजार में मिल जाएंगी और इन साड़ी को स्टाइल करने के बाद आपका लुक सुंदर भी नजर आएगा।

एम्बेलिश्ड वर्क साड़ी

अगर आपको अट्रैक्टिव लुक क्रिएट करना है, तो इसके लिए आप एम्बेलिश्ड वर्क साड़ी स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की एम्बेलिश्ड वर्क साड़ी आपको कई सारे कलर और डिजाइन में मिलेगा। इसके अलावा आप इसे डार्क कलर में खरीदकर पार्टी में स्टाइल कर सकती हैं। इस साड़ी को आप बेकलेस ब्लाउज के साथ वियर कर सकती हैं और मिनिमल ज्वेलरी इस साड़ी के साथ स्टाइल करने के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकती है। मार्केट में आपको ये साड़ी 1,200 से 1,500 रुपये में मिल जाएंगी।

सीक्वेंस वर्क साड़ी

स्टाइलिश लुक के लिए आप इस तरह की सीक्वेंस वर्क साड़ी स्टाइल कर सकती हैं। यह साड़ी पहनने के बाद आप अच्छी लगेंगी और ये साड़ी आपको कई कलर ऑप्शन में मिल जाएंगी। इस साड़ी के साथ आप मिरर वर्क ज्वेलरी स्टाइल कर सकती हैं। मार्केट में इस तरह की साड़ी 1,000 रुपये की कीमत में आपको आसानी से मिल सकती है।

सिल्क ब्लेंड साड़ी

आपने लुक को परफेक्ट और स्टाइलिश बनाने के लिए आप इस तरह की सिल्क ब्लेंड साड़ी स्टाइल कर सकती हैं। इस साड़ी के बॉर्डर में वर्क किया हुआ है। साथ ही, इसके साथ जो ब्लाउज है उसमें भी वर्क किया हुआ है। यह साड़ी आपको आसानी से बाजार में मिल सकती हैं और इसे आप 1,500 से 2,000 रुपये की कीमत में खरीदकर पार्टी में स्टाइल कर सकती हैं।

भारत की 5 मशहूर महिला फैशन डिजाइनर्स, जिन्होंने भारतीय फैशन जगत को दिया एक नया मुकाम

महिलाएं हर क्षेत्र में अपना नाम रोशन कर रही हैं. यही नहीं, अब तक जो क्षेत्र पुरुष प्रधान माना जाता रहा है उन क्षेत्रों में भी महिलाएं देश की अगुवाई कर रही हैं. फिल्मों से लेकर डिफेंस, कॉरपोरेट और फैशन डिजाइनिंग तक के क्षेत्र में महिलाएं अपना दम खम दिखा रही हैं. अगर फैशन डिजाइनिंग की बात की जाए तो भारत की कई ऐसी फैशन डिजाइनर हैं जिनके डिजाइनिंग का सिक्का देश ही नहीं विदेशों में भी चलता है. फैशन सेंस और क्रिएटिविटी के मामले में भारतीय (Indian) महिला फैशन डिजाइनर्स (Women Fashion Designers) हर तरह से टक्कर दे रही हैं. यहां हम आपको ऐसी ही 5 बेहतरीन भारतीय महिला फैशन डिजाइनर की जानकारी दे रहे हैं जो फैशन सेक्टर में कई नए बदलाव लेकर आईं और विश्व फैशन जगत में भारतीय फैशन डिजाइनिंग को नया मुकाम दिया. अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (International Women's Day) के मौके पर आइए आपको कुछ ऐसी महिला फैशन डिजाइनर्स के बारे में बताते हैं जिन्होंने इंटरनेशनल लेवल पर अपनी पहचान बनाई है.

रितु कुमार

ऐसी पहली भारतीय महिला फैशन डिजाइनर हैं जिन्होंने भारतीय संस्कृति को नए रूप में स्थापित कर इंटरनेशनल लेवल पर ख्याति पाई है. वो सिर्फ नामचीन लोगों के लिए ही नहीं बल्कि मध्यम वर्ग को ध्यान में रखकर भी कपड़े डिजाइन करती हैं ताकि लोग आसानी से उनके बनाए कपड़ों को पहन सकें. अपने कपड़ों में वो कपास, रेशम और चमड़े का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करती हैं. उन्होंने अब तक कई शोज के लिए कपड़े डिजाइन किए हैं. साथ ही कई सारे सेलिब्रिटीज के लिए भी उन्होंने अलग-अलग कपड़ों को डिजाइन किया है, जिनकी वजह से ही आज उनका नाम महिला फैशन डिजाइनरों में सबसे ऊपर लिया जाता है. Image : Instagram/ ritukumarhq

रितु बेरी

हमेशा से ही अपनी क्रिएटिविटी, जबरदस्त कॉन्फिडेंस और जोखिम लेने की क्षमता के लिए जानी जाती रही हैं. फ्रेंच फैशन ब्रांड ज्यां लुई श्रेरर को लीड करने वाली पहली एशियन डिजाइन बनने का गौरव हासिल कर चुकीं रितु बेरी ने हमेशा ही उम्मीदों से आगे बढ़कर लोगों को सरप्राइज किया. उनकी इसी क्षमता के मद्देनजर साल 2016 में उन्हें खादी का ब्रांड अंबेसेडर बनाया गया था. वे कई सेलेब्रिटीज के लिए ड्रेस डिजाइन कर चुकी हैं. Image : Instagram/ Rituberi

हिंदी फिल्मों की मशहूर एक्ट्रेस नीना गुप्ता और क्रिकेटर विवियन रिचर्ड्स की बेटी मसाबा गुप्ता (Masaba Gupta) यंग फैशन डिजाइनर हैं. मसाबा पहले हीरोइन बनना चाहती थीं लेकिन बाद में मां के कहने पर उन्होंने फैशन की दुनिया में कदम रखने का सोचा. आज उनका नाम जानी मानी फैशन डिजाइनरों की लिस्ट में आता है. Image : Instagram/ masabagupta

जानी मानी फैशन डिजाइनर्स की लिस्ट में राजस्थान की रहने वालीं अनामिका खन्ना (Anamika Khanna) की एक अलग ही पहचान है. अनामिका अपने रॉयल डिजाइन्स के लिए मशहूर हैं. अनामिका को बिजनेस ऑफ फैशन द्वारा भारतीय डिजाइनर के रूप में शामिल किया गया है. इसमें पारंपरिक भारतीय कपड़ों और पश्चिमी ड्रेसेज को शमिल किया जाता है. वह पहली भारतीय डिजाइनर हैं, जिन्होंने अपना इंटरनेशनल लेबल अनामिका लगाया.

फैशन डिजाइनर अनिता डोंगरे बॉलीवुड की कई एक्ट्रेसेस के लिए ड्रेस डिजाइन कर चुकी हैं और उन्हें अनिता देश की सबसे सफल कॉमर्शियल फैशन डिजाइनरों में से एक माना जाता है. उन्होंने साल 1995 में अनीता डोंगरे लिमिटेड (Anita Dongre Ltd.) नाम से फैशन डिजाइनर का सफर शुरू किया और आज इनके AND (Western wear) और Global Desi नाम से ब्रांड बाजार में मौजूद हैं. उनका सिगनेचर लेबल ब्रांड Anita Dongre है, जो वेडिंग ड्रेस के लिए फेमस है.

भारतीय व्यंजन है विशाल और विविध

यह उन असंख्य संस्कृतियों और परंपराओं से परिलक्षित होता है जो हमारे इस जीवंत देश को बनाते हैं। हर क्षेत्र में भोजन पकाने और परोसने का अपना तरीका है, साथ ही भोजन से संबंधित रीति-रिवाजों और प्रथाओं का भी।

प्रत्येक क्षेत्र का भोजन न केवल सब्जियों, फलों, जड़ी-बूटियों और मसालों की स्थानीय उपलब्धता से प्रभावित होता है, बल्कि उस समुदाय की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से भी प्रभावित होता है।

भारतीय पारंपरिक भोजन के इतने शौकीन हैं कि वे विदेश जाने के दौरान भी ज्ञान और प्रथाओं को अपने साथ रखते हैं।

कुकबुक और ऑनलाइन पोर्टल के आगमन के साथ, व्यंजनों को एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में पारित किया जाता है, लेकिन फिर भी, आप प्रत्येक क्षेत्र में सामग्री और आम खाना पकाने के तरीकों की उपलब्धता के कारण भोजन के स्वाद के तरीके में अलग-अलग अंतर पा सकते हैं। उदाहरण के लिए, दक्षिण भारत में बनी पाव भाजी उत्तर में स्वाद के मामले में काफी भिन्न है; और इसी तरह, उत्तर भारतीयों द्वारा बनाया गया इडली और डोसा, दक्षिण भारतीयों द्वारा इसे बनाने के तरीके से काफी भिन्न हो सकता है!

भारतीय शाकाहारी व्यंजनों को मुख्य रूप से क्षेत्र के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है - पंजाबी, गुजराती, राजस्थानी, महाराष्ट्रियन, दक्षिण भारतीय, बंगाली, हैदराबादी, मुगलई और इतने पर। क्षेत्र के आधार पर, मुख्य पाठ्यक्रम रोटी या चावल पर ध्यान केंद्रित कर सकता है, जैसे कि सब्जिस, दाल, सांभर आदि बाजरे की रोटी और हरी मटर पुलाव के साथ पयाज़वाली भिंडी और दम आलू के साथ एक दिलचस्प भोजन बना सकते हैं, जैसे गोभी पोरियाल, सांभर, रसम और चावल भी।

उत्तर भारतीय शाकाहारी व्यंजन रेसिपी

उत्तर भारत के व्यंजनों में केवल पंजाबी भोजन नहीं, बल्कि अमृतसरी, कश्मीरी व्यंजन शामिल हैं। प्रत्येक राज्य की पेशकश के लिए कुछ अलग है।

जबकि पंजाबी घी और डेयरी उत्पादों का बहुत उपयोग करते हैं, कश्मीरी व्यंजन मुख्य रूप से केसर और अन्य मसालों के उपयोग के साथ मांसाहारी हैं।

पंजाब, अमृतसर और दिल्ली के लोग मानते हैं कि भारी भरकम नाश्ते में मीठे लस्सी के साथ-साथ ताज़े दही और आम का अचार, छोले भटूरे या छोले कुलचा जैसे लज़ीज़ मक्खन के साथ परांठे होने चाहिए। वे मोमोज, समोसा, आलू टिक्की चाट, राम लड्डू, गोलगप्पे जैसे मनोरम स्ट्रीट फूड खाते हैं।

इसके अलावा उत्तर भारतीय व्यंजनों में तंदूर खाना पकाने की एक आवश्यक विधि है। पनीर टिक्का और मशरूम और शिमला मिर्च टिक्का जैसे ऐपेटाइज़र से लेकर तंदूरी नान, रोटी और कुलचा तक के फ्लैटब्रेड तक, वे मिट्टी के पॉट ओवन में पके हुए और सब कुछ ग्रिल्ड पसंद करते हैं। रिच ग्रेवी, मसालेदार सब्ज़ी, सिज़लिंग ऐपेटाइज़र, मनोरम मिठाइयाँ उत्तर भारतीय भोजन का योगदान हैं!

मुगलई वेज इंडियन रेसिपी

मुगल साम्राज्य से उतरते हुए, मुगलई व्यंजनों को सुगंधित सामग्री के भारी उपयोग के लिए जाना जाता है, जिसके परिणामस्वरूप मसालेदार, सुगंधित, प्रसन्न होते हैं। यह भारत भर में खाद्य प्रेमियों के बीच बहुत प्रशंसित और लोकप्रिय व्यंजनों में से एक रहा है।

मुगलई भोजन की तैयारी समय-परीक्षण है और इसमें धीमी गति से खाना पकाने और विशाल तैयारी शामिल है। कबाब, कोफ्ता, पुलाव, सब्जिस और बिरयानी जैसे व्यंजन में आमतौर पर मुगलई मिश्रण और स्वाद शामिल होते हैं। कुछ लोकप्रिय व्यंजन मुगलई वेजिटेबल बिरयानी, शाही पुलाव, बैंगन मुसलाम, नवाबी करी, मुगलई मखनी पनीर, मुगलई रोटी हैं।

वेस्टर्न इंडियन वेज रेसिपी

जब आप पश्चिमी भारत में आते हैं, तो आप गुजराती व्यंजनों के लिए आते हैं जो स्वाद का एक मिश्रण है। वे ज्यादातर शाकाहारी होते हैं और उन्हें पकाने के लिए कई देशी सब्जियों और मसालों का उपयोग करते हैं।

राजस्थानी इंडियन वेज रेसिपी,

पानी की कमी के कारण राजस्थान दही और छाछ का व्यापक रूप से उपयोग करता है और सब्जियों की आपूर्ति में सीमित होने के कारण वे दाल बहुत खाते हैं।

यह कचौरी की अंतहीन किस्मों के लिए जाना जाता है। प्याज़ की कचौरी, शाही राज कचौरी, खास्ता कचौरी राजस्थान के कुछ लोकप्रिय स्थानीय नाश्ते के व्यंजन हैं

और अधिकांश 'नमकीन' दुकानों पर बेचे जाते हैं।

फ्रेशर्स और ग्रेजुएट्स के लिए आईटी सेक्टर में शीर्ष करियर के अवसर

अधिकांश उद्योगों में सूचना प्रौद्योगिकी करियर उपलब्ध हैं जो व्यवसायों को डिजिटल उद्यमों में सफल होने में मदद करते हैं। अगर आपके पास तकनीकी कौशल हैं और आपको कंप्यूटर के साथ काम करना पसंद है, तो आईटी में करियर आपके लिए एकदम सही हो सकता है। आईटी क्षेत्र में करियर के लिए आवश्यक योग्यताओं और आवश्यकताओं को जानने से आपको अपने लिए उपयुक्त भूमिका खोजने में मदद मिल सकती है। इस लेख में, हम आईटी नौकरियों के बारे में, आपको आवश्यक शिक्षा और प्रमाणपत्रों के बारे में, और आपके करियर में सफल होने में आपकी मदद करने वाले कौशलों की सूची पर चर्चा करेंगे।

आईटी नौकरियाँ क्या हैं?

आईटी नौकरियाँ सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में करियर हैं जिनमें सिस्टम विश्लेषण, कंप्यूटर प्रोग्रामिंग और कंप्यूटर सहायता प्रदान करना शामिल है। आईटी पेशेवर तकनीकी सहायता, वेबसाइट डिज़ाइन, प्रोग्रामिंग और कंप्यूटर इंजीनियरिंग सहित विभिन्न भूमिकाओं में काम करते हैं। श्रम सांख्यिकी ब्यूरो का अनुमान है कि 2019 और 2029 के बीच आईटी पेशेवरों की मांग में 11% की वृद्धि होगी, जिसका अर्थ है कि पेशेवर इस क्षेत्र में अधिक नौकरियों के अवसरों की उम्मीद कर सकते हैं।

सामान्य आईटी नौकरी आवश्यकताएँ

यदि आपकी आईटी में काम करने में रुचि है, तो आईटी करियर के लिए सबसे आम आवश्यकताएं ये हैं:

स्नातक की डिग्री

अधिकांश आईटी नौकरियों के लिए न्यूनतम स्नातक की डिग्री आवश्यक है। इस क्षेत्र के अध्ययन के क्षेत्रों में कंप्यूटर विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी प्रबंधन और कंप्यूटर इंजीनियरिंग शामिल हैं । अध्ययन के सामान्य पाठ्यक्रम इस प्रकार हैं:

सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली विश्लेषण

सूचना सुरक्षा,डेटा नेटवर्किंग,सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली जोखिम मूल्यांकन कंप्यूटर प्रशासन

कुछ छात्र मास्टर डिग्री हासिल करने के लिए अपनी शिक्षा जारी रख सकते हैं। यह आईटी में वरिष्ठ स्तर के पदों, जैसे सूचना प्रौद्योगिकी निदेशक, को पाने के लिए उपयोगी है।

प्रमाणपत्र

आपको जो प्रमाणन प्राप्त करना है वह आपके इच्छित करियर पर निर्भर करता है। अधिकांश प्रमाणन के लिए परीक्षा उत्तीर्ण करने से पहले कार्य अनुभव की आवश्यकता होती है। प्रमाणन के लिए अनुभव प्राप्त करने हेतु प्रवेश स्तर की नौकरी प्राप्त करना आपके करियर को आगे बढ़ाने और वरिष्ठ स्तर की नौकरियों के लिए योग्य होने में मददगार हो सकता है। आईटी के लिए सामान्य प्रमाणन इस प्रकार हैं:

प्रमाणित डेटा पेशेवर (सीडीपी): आवेदक कोर सूचना प्रणालियों और डेटा प्रबंधन के साथ काम करने की योग्यता साबित करने के लिए दो परीक्षाएँ देता है । इस प्रमाणन के साथ, आवेदक डेटा प्रबंधन, जैसे कि व्यावसायिक विश्लेषण, डेटाबेस प्रशासन, डेटा एकीकरण या डेटा मॉडलिंग, में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए एक अतिरिक्त परीक्षा भी दे सकते हैं।

प्रमाणित सूचना प्रणाली सुरक्षा पेशेवर (CISSP): इस प्रमाणन के लिए परीक्षा देने से पहले, आवेदकों के पास कम से कम पाँच वर्ष का अनुभव होना चाहिए। इसके बाद, उन्हें सुरक्षा और जोखिम प्रबंधन, वास्तुकला और इंजीनियरिंग सुरक्षा, संचार और नेटवर्क सुरक्षा, सॉफ़्टवेयर विकास सुरक्षा और पहचान एवं पहुँच प्रबंधन से संबंधित परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।**प्रमाणित सूचना प्रणाली लेखा परीक्षक (CISA):** यह लेखा परीक्षा या सुरक्षा क्षेत्र में कार्यरत आईटी पेशेवरों के लिए मानक प्रमाणन है। इस परीक्षा में सूचना प्रणालियों की लेखा परीक्षा, आईटी प्रबंधन, सूचना प्रणालियों का अधिग्रहण और विकास, तथा सूचना प्रणालियों का संचालन जैसे विषय शामिल होते हैं।

प्रोजेक्ट मैनेजमेंट प्रोफेशनल: यह परीक्षा आवेदकों को स्क्रम , फ़्लोचार्ट और अन्य कार्य प्रबंधन कार्यक्रमों जैसी परियोजना प्रबंधन पद्धतियों पर परखती है। यह प्रमाणन प्राप्त करने से आईटी में प्रबंधन भूमिकाओं के लिए अर्हता प्राप्त करने में मदद मिलती है।

कौशल

यहां कुछ कौशल दिए गए हैं जो आईटी पेशेवरों को नौकरी के कार्यों को सफलतापूर्वक करने में मदद करते हैं:

संचार: आईटी पेशेवरों के लिए उत्कृष्ट संचार कौशल होना महत्वपूर्ण है क्योंकि वे अक्सर सूचना प्रौद्योगिकी प्रणालियों से संबंधित समस्याओं का आकलन करने और उनका समाधान करने के लिए आईटी विभाग और संगठन के सदस्यों के साथ सहयोग करते हैं।

विश्लेषणात्मक: कई आईटी करियर में कंप्यूटर सिस्टम और तकनीक की पहचान और मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। आलोचनात्मक सोच और विश्लेषणात्मक कौशल समस्याओं का पता लगाने और उन्हें हल करने में मदद करते हैं।

समस्या-समाधान: कई आईटी करियर की भूमिका सूचना प्रौद्योगिकी प्रणालियों, जैसे कि कंपनी डेटाबेस, के संचालन में आने वाली समस्याओं का निवारण करना है।

कंप्यूटर साक्षरता: बुनियादी कंप्यूटर कार्यों को संचालित करने की क्षमता आवश्यक है क्योंकि सभी आईटी करियर कंप्यूटर सिस्टम और कुछ क्षमता में कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के साथ काम करने पर केंद्रित होते हैं।

एप्लिकेशन डेवलपमेंट: सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन कैसे विकसित करें, इसका ज्ञान उन आईटी विशेषज्ञों के लिए उपयोगी है जो एप्लिकेशन डिज़ाइन करते हैं, कोड का विश्लेषण करते हैं या कंप्यूटर सिस्टम की निगरानी करते हैं। एप्लिकेशन कैसे काम करते हैं, यह समझने से करियर संबंधी कार्य करने में मदद मिल सकती है।

कोडिंग: कई आईटी पेशेवरों को कोड लिखने या पढ़ने की क्षमता की आवश्यकता होती है। इससे उन्हें सॉफ़्टवेयर विकसित करने, एप्लिकेशन में सुधार करने और सिस्टम का विश्लेषण करने में मदद मिलती है, क्योंकि कंप्यूटर कोड सभी एप्लिकेशन और वेबसाइटों का आधार होता है।

समय प्रबंधन: कार्यों को प्राथमिकता देने, परियोजनाओं को पूरा करने और समय-सीमा का पालन करने की क्षमता आईटी पेशेवरों के लिए महत्वपूर्ण है, जिनके पास अक्सर समय-संवेदनशील कार्य होते हैं जैसे कि डेटाबेस की सुरक्षा बढ़ाना।

बीटेक कंप्यूटर साइंस पाठ्यक्रम विवरण

कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में बीटेक (सीएसई) एक लोकप्रिय स्नातक कार्यक्रम है जो छात्रों को कंप्यूटर विज्ञान और उसके अनुप्रयोगों में एक मज़बूत आधार प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह एक व्यापक पाठ्यक्रम है जो कंप्यूटर विज्ञान के सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों घटकों, जैसे प्रोग्रामिंग, एल्गोरिदम, डेटा संरचनाएँ, सॉफ़्टवेयर इंजीनियरिंग और कंप्यूटर हार्डवेयर, को शामिल करता है।

बीटेक सीएसई का फुल फॉर्म क्या है?

बीटेक सीएसई का पूरा नाम बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी इन कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग है। बीटेक सीएसई एक चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम है जो कंप्यूटर विज्ञान के सिद्धांतों और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों का व्यापक आधार प्रदान करता है। यह सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव के साथ सावधानीपूर्वक मिश्रित करता है, जिससे आपको विभिन्न तकनीकी क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के कौशल प्राप्त होते हैं।

बीटेक सीएसई पाठ्यक्रम अवधि

बी.टेक कंप्यूटर साइंस प्रोग्राम चार साल का होता है, जिसे आठ सेमेस्टर में विभाजित किया जाता है। हालाँकि, विशिष्ट संस्थान और उसके पाठ्यक्रम के आधार पर इसकी अवधि थोड़ी भिन्न हो सकती है।

बीटेक कंप्यूटर साइंस पात्रता मानदंड

बी.टेक कंप्यूटर साइंस की यात्रा शुरू करने के लिए, आपको निम्नलिखित पात्रता आवश्यकताओं को पूरा करना होगा:

शैक्षिक योग्यता: अभ्यर्थियों को अनिवार्य विषयों के रूप में भौतिकी, गणित और रसायन विज्ञान के साथ 10+2 या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।

न्यूनतम अंक: अधिकांश संस्थानों में अभ्यर्थियों के लिए योग्यता परीक्षा में न्यूनतम कुल अंक 50% होना आवश्यक है।

प्रवेश परीक्षाएं: कुछ संस्थानों में अभ्यर्थियों को जेईई मेन, बीआईटीएसएटी और राज्य स्तरीय इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाएं देनी होती हैं।

बीटेक सीएसई विषय और पाठ्यक्रम

बीटेक कंप्यूटर साइंस प्रोग्राम में विविध विषयों को शामिल करते हुए एक समृद्ध पाठ्यक्रम है। आइए उन मुख्य और वैकल्पिक विषयों पर गहराई से विचार करें जिनसे आपको रूबरू होना होगा:

कंप्यूटर विज्ञान इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता

कंप्यूटर विज्ञान इंजीनियरिंग (सीएसई) में विशेषज्ञताएँ छात्रों को कंप्यूटर विज्ञान के व्यापक क्षेत्र में रुचि के विशिष्ट क्षेत्रों में गहराई से अध्ययन करने के अवसर प्रदान करती हैं। सीएसई में कुछ सामान्य विशेषज्ञताएँ इस प्रकार हैं:

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) : ऐसी बुद्धिमान प्रणालियों को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करता है जो ऐसे कार्य कर सकें जिनके लिए आमतौर पर मानवीय बुद्धिमत्ता की आवश्यकता होती है ।

हमारा देश हमारा अभिमान

॥ हर हर महादेव ॥

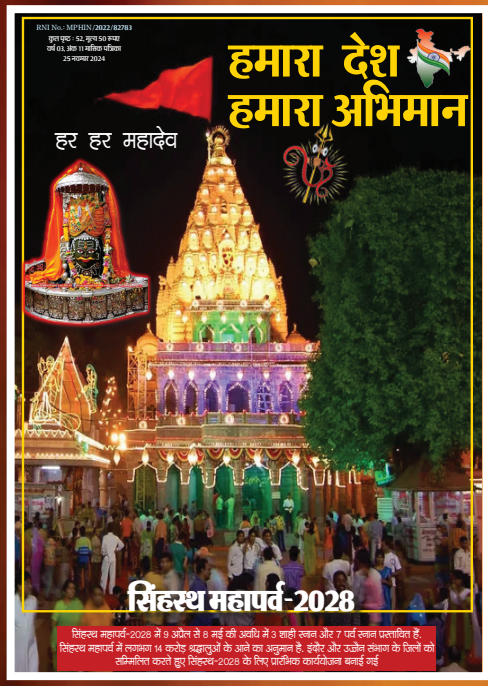

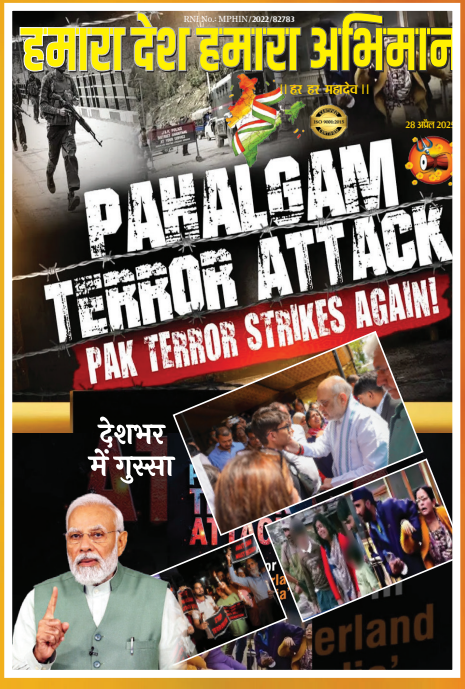

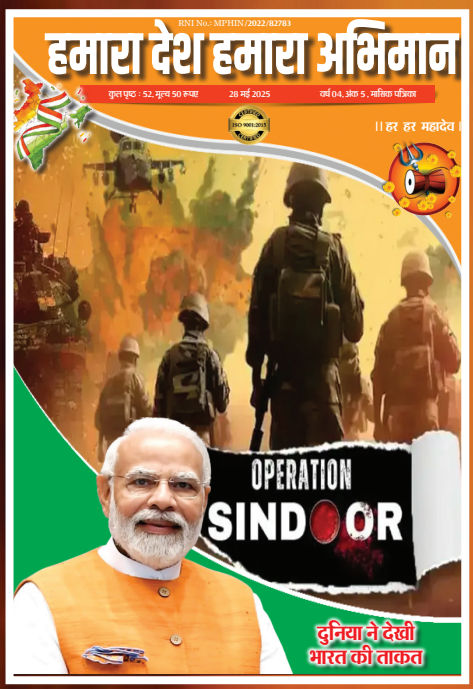

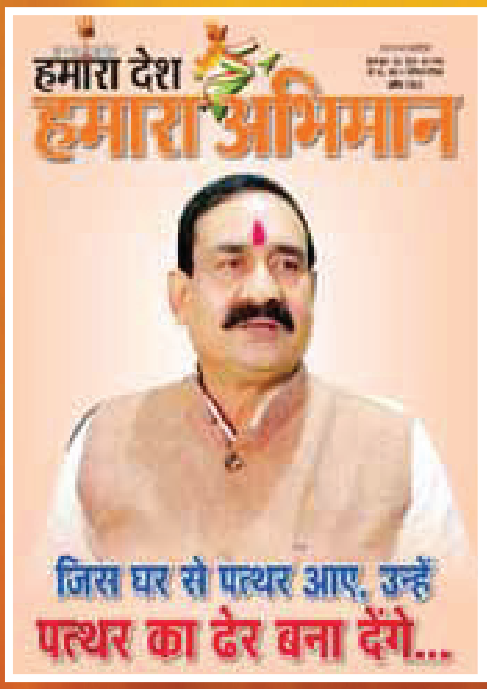

हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका की प्रति बुक करने के लिए सम्पर्क करें.....

मनोज चतुर्वेदी : 9826636922, 8839259136